13 अक्टूबर 2025
सोमवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

बुनियादी विद्यालयों के फर्जी शिक्षकों की पैठ शिक्षा विभाग के कार्यालय तक 2

जल्द होगा उच्च शिक्षा आयोग का गठन : प्रधान

- शिक्षा मंत्रालय से विधेयक के मसौदे को दिया जा रहा अंतिम रूप

एजेंसी। नई दिल्ली

दर्जनभर से ज्यादा नियामकों में बिखरी देश की उच्च शिक्षा को एक नियामक के दायरे में लाने की सिफारिश हुए पांच साल से ज्यादा वक्त हो गया है। अब सक्रियता बढ़ी है। शिक्षा मंत्रालय ने इसे लेकर प्रस्तावित भारतीय उच्च शिक्षा आयोग ;हेकीद्ध के गठन की तैयारी फिर से शुरू कर दी है। इससे संबंधित विधेयक के मसौदे को अंतिम रूप दिया जा रहा है। साथ ही जो संकेत मिले हैए उसमें नवंबर से शुरू होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र में इसे पेश किया जा सकता है। शिक्षा मंत्रालय ने यह तेजी तब दिखाई हैए जब एनईपी की सिफारिश के तहत उच्च शिक्षा में कई बड़े बदलावों को लागू कर दिया गया है। जिसमें सभी उच्च शिक्षा संस्थानों को बहुविषयक संस्थानों में तब्दील करनेए क्रेडिट फामूर्ले को अपनाना व पढ़ाई के दौरान कभी भी एक्जिट और एंट्री जैसे विकल्पों को मुहैया कराना है। शिक्षा मंत्रालय ने भारतीय उच्च शिक्षा आयोग ;हेकीद्ध के गठन की तैयारी फिर से शुरू कर दी हैए जिसका उद्देश्य उच्च शिक्षा को एक नियामक के दायरे में लाना है। विधेयक के मसौदे को अंतिम रूप दिया जा रहा है और इसे संसद के शीतकालीन सत्र में पेश किया जा सकता है।

आईआईटी जैसे संस्थानों ने अमल करना शुरू किया

आईआईटी सहित देश के शीर्ष उच्च संस्थानों ने इस पर अमल भी शुरू कर दिया है। जिसमें आईआईटी ने बीएसएसी .बीएड व बीए .बीएड जैसे शिक्षक प्रशिक्षण कोर्सों को शुरू कर दिया है। वैसे तो आईआईटी एक स्वायत और तकनीकी संस्थान है लेकिन इन कोर्सों के नियामक का जिम्मा राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद ;एनसीटीईद्ध के पास है। इस तरह गैर तकनीकी कोर्सों यानी बीएससी जैसे कोर्सों के नियामक यूजीसी निर्धारित करता है।

मंत्रालय क्यों कर रहा उच्च शिक्षा आयोग का गठन

मंत्रालय से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक उच्च शिक्षा में तेजी से अपनाए जा रहे इन बदलावों को देखते हुए प्रस्तावित उच्च शिक्षा आयोग का गठन जरूरी हो गया है। जहां बहुविषयक संस्थानों को अलग. अलग नियामकों के चक्कर न लगाने पड़े। जो उच्च शिक्षा को विश्वस्तरीय बनाने व सकल नामांकन अनुपात ; जीईआर द्ध को बढ़ाने के लिए भी आवश्यक है।गौरतलब है कि देश की उच्च शिक्षा अभी यूजीसीए एआईसीटीईएएनसीटीईए एनसीवीईटी व वास्तुकला परिषद जैसे करीब 14 नियामकों में बिखरी हुई है। इससे पहले हेकी के गठन को लेकर सरकार वर्ष 2018 में विधेयक लायी थी। हालांकि एनईपी की तैयारियों के चलते इसे बाद में रोक दिया गया था।

आईआईटीए एनआईटी सभी होंगे हेकी के दायरे में

एनईपी में प्रस्तावित भारतीय उच्च शिक्षा आयोग ;हेकीद्ध के दायरे में चिकित्सा और विधिक शिक्षा को छोड़कर देश के सभी उच्च शिक्षण संस्थान शामिल होंगे। इनमें आईआईटीए एनआईटी व आईआईएम जैसे देश के शीर्ष संस्थान भी शामिल होंगे। मौजूदा समय में देश में करीब 12 सौ विश्वविद्यालय और करीब 50 हजार कॉलेज है।

डीपफेक और एआई आधारित बाल शोषण पर कानून बनाना जरूरी : नागरत्न

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना ने रविवार को कहा कि डीपफेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता यएआईद्ध आधारित बाल शोषण जैसी नई चुनौतियों से निपटने के लिए उचित प्राधिकरणों को जल्द कानून बनाने की दिशा में कदम उठाने चाहिए।वह सुप्रीम कोर्ट की जुवेनाइल जस्टिस कमेटी और यूनिसेफ इंडिया की ओर से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वार्षिक परामर्श बैठक के समापन सत्र को संबोधित कर रही थीं। इस कार्यक्रम का विषय श्बालिका की सुरक्षारू भारत में उसके लिए एक सुरक्षित और सक्षम वातावरण की ओरश था। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि डिजिटल और साइबर स्पेसए खासकर एआईए बालिकाओं के लिए अवसरों के साथण्साथ खतरों का भी कारण बन रहा है। उन्होंने कहाए डीपफेक और एआईण्सक्षम बाल शोषण से जुड़े मामलों के लिए कानून बनाना अब समय की मांग है। साथ हीए 24 घंटे बाल यौन शोषण सामग्री की रिपोर्टिंगए आयुण्पुष्टि और राष्ट्रीय स्तर पर निगरानी प्रणाली को भी अनिवार्य किया जाना चाहिए। उन्होंने ने यह भी सुझाव दिया कि सुप्रीम कोर्ट एआई साइबर अपराध सलाहकार समिति बनाने पर विचार कर सकता हैए जो यह अध्ययन करेगी कि एआई और अन्य तकनीकी बदलाव बालिकाओं को किस प्रकार प्रभावित करते हैं और उन्हें कैसे रोका जा सकता है। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि न्यायपालिका में एआई से जुड़े खतरों पर प्रशिक्षण और क्षमताण्विकास कार्यक्रमों को देशभर में लागू किया जाना चाहिए ताकि न्यायिक अधिकारियों को इन नई चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार किया जा सके।

लोजपा को 29, रालोमो व हम को मिली छह-छह सीटें

भाजपा-जदयू 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे

एजेंसी। पटना

एनडीए ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए सीटों का बंटवारा कर दिया है, जिसमें भाजपा और जदयू को 101-101 सीटें मिली हैं। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 29 सीटें और अन्य सहयोगी दलों को भी कुछ सीटें मिली हैं। राष्ट्रीय लोक मोर्चा को छह सीटें दी गई हैं। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) को भी छह सीटों पर चुनाव लड़ने का मौका मिला है। भाजपा महासचिव विनोद तावड़े ने बताया कि संगठित व समर्पित एनडीए अपने सभी साथियों की सहमती से आगे बढ़ रही है। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए परिवार के सभी सदस्यों ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में आपसी सहमति से सीटों का वितरण पूर्ण किया एनडीए के सभी दलों के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने इस फैसले का खुशी से स्वागत किया है। सभी साथी कमर कस चुके हैं और बिहार में फिर से एनडीए सरकार बनाने के लिए संकल्पित हैं। लोजपा (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर कहा, एनडीए परिवार ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए सीटों का बंटवारा पूरा किया है। बिहार है तैयार- फिर से एनडीए सरकार। इस बार पूरे दम के साथ ब्बिहार पहले-बिहारी पहलेब्ब के साथ! बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए सीट बंटवारे में हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) को एनडीए की ओर से 6 सीटें दी गई हैं। इस पर पार्टी प्रमुख और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने संयमित प्रतिक्रिया दी है। मांझी ने कहा कि संसद में हमें सिर्फ एक सीट मिली थी, तब भी हमने कोई नाराजगी नहीं जताई थी। अब अगर बिहार विधानसभा चुनाव में हमें छह सीटें मिली हैं, तो ये हाईकमान का फैसला है और हमें स्वीकार है। उन्होंने आगे कहा कि हमें जितना दिया गया है, हम उसमें संतुष्ट हैं। हमें किसी से कोई शिकायत नहीं है।

भाजपा सोमवार को कर सकती है पहली सूची जारी

भाजपा चुनाव समिति की बैठक रविवार देर रात पार्टी के दिल्ली स्थित मुख्यालय पर चल रही है। इस बैठक में मुख्य रूप से पहले फेज की सीटों के साथ–साथ अन्य सीटों पर भी पार्टी के प्रत्याशियों के नामों पर चर्चा की जाएगी। संभावना है कि सोमवार को भाजपा की पहली सूची जारी हो सकती है जिसमें पहली फेज के उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की जा सकती है। एनडीए में सीटों का बंटवारा होने के बाद अब राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने दिनारा से आलोक सिंह को टिकट दिया है। वही बाजपट्टी से रामेश्वर महतो, मधुबनी से माधव आनंद और उजियारपुर से प्रशांत पंकज को उम्मीदवार बनाया है। सासाराम से उपेन्द्र कुशवाहा कि पत्नी स्नेहलता चुनाव लड़ेंगी।

चिराग को मिली 29 सीटें

चिराग पासवान की लोजपा रामविलास के हिस्से कुल 29 सीटें आयी हैं. उनके हिस्से में आयी सीटों का नाम हम बता रहे हैं. चिराग पासवान को जो सीटें मिली हैं उनके नाम हैं, बखरी, साहिबपुर कमाल, तारापुर, रोसड़ा, राजा पाकड़, लालगंज, हायघाट, गायघाट, एकमा, मढ़ौरा, अगिआंव, ओबरा, अरवल, बोधगया, हिसुआ,फतुहा, दानापुर, ब्रह्मपुर, राजगीर, कदवा, सोनबरसा, बलरामपुर, हिसुआ, गोविंदगंज, सिमरी बख्तियारपुर, मखदूमपुर, कसबा, सुगौली और मोरवा सहित अन्य सीटें शामिल है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर 2.82 करोड़ के सोने के बिस्कुटों के साथ तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी। कोलकता

पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ ने सोने की बड़ी तस्करी को नाकाम कर दिया है। बीएसएफ ने सोने की 20 बिस्कुटों, जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 2.82 करोड़ रुपए है, के साथ एक भारतीय तस्कर को गिरफ्तार किया है। बीएसएफ दक्षिण बंगाल सीमांत के जनसंपर्क अधिकारी के मुताहिक शनिवार रात को बल की 32वीं वाहिनी, होरंदीपुर सीमाचौकी (नदिया जिला) के जवानों को खुफिया जानकारी मिली कि भारत-बांग्लादेश सीमा के नजदीक मुस्लिमपारा गांव का रहने वाला एक व्यक्ति बांग्लादेश से तस्करी किए गए अवैध सोने को सीमा चौकी होरंदीपुर के इलाके से लेकर जाने वाला है। तस्कर को पकड़ने के लिए संभावित स्थान पर विशेष घात (अम्बुश) लगाया गया। सुबह करीब 6 बजे, जवानों ने बांस के घने झुरमुटों की आड़ में एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा। उसे तत्काल घेरकर पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक प्लास्टिक का पैकेट बरामद हुआ, जिसे खोलने पर उसमें 20 सोने के बिस्कुट बरामद हुए, जिनका कुल वजन 2332.66 ग्राम है। जब्त किए गए सोने की अनुमानित कीमत लगभग 2.82 करोड़ आंकी गई है। तस्कर को मौके पर ही हिरासत में लेकर सीमाचौकी होरंदीपुर लाया गया। जब्त किए गए सोने के बिस्कुटों और गिरफ्तार तस्कर को आगे की कानूनी कार्रवाई हेतु संबंधित विभाग को सुपुर्द कर दिया गया है। बीएसएफ दक्षिण बंगाल सीमांत के जनसंपर्क अधिकारी ने सोने की तस्करी से जुड़ी इस घटना की पुष्टि व जवानों की प्रशंसा करते हुए कहा कि सीमा सुरक्षा बल अपने मजबूत खुफिया तंत्र और सतर्क जवानों की बदौलत भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर होने वाली हर प्रकार की अवैध गतिविधियों पर कड़ी नजर बनाए हुए है।

पश्चिम बंगाल के बर्दवान रेलवे स्टेशन पर हादसा, दस जख्मी

एजेंसी। बर्दवान

पश्चिम बंगाल के बर्दवान रेलवे स्टेशन पर बड़ा हादसा हुआ ये घटना तब हुई जब रविवार शामए तीन अलग.अलग प्लेटफॉर्म पर एक साथ ट्रेन आने के बाद सीढ़ियों पर यात्रियों में भगदड़ मच गई। अफरा.तफरी में कई लोग गिर पड़े और पैरों के नीचे आने से खबर लिखे जाने तक दस लोगों के घायल होने की खबर है। घायल यात्रियों को बर्दवान मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना रविवार शाम की बताई जा रही है जब एक साथ तीन प्लेटफॉर्म 4ए 6 और 7 पर ट्रेनें आ गईं। रिपोर्ट्स की मानें तो प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर बर्दवान.हावड़ा लोकलए 6 पर रामपुरहाट लोकल और 7 पर आसनसोल लोकल खड़ी थी तभी यात्रियों में ट्रेन पकड़ने की जल्दबाजी में फुट ओवर ब्रिज और सीढ़ियों पर अचानक भारी भीड़ और धक्का.मुक्की शुरू हो गई। वहीं एक चश्मदीद ने बतायाए सीढ़ियां बहुत संकरी हैं। एक ही समय में तीनों ट्रेन पकड़ने के लिए भीड़ बढ़ गई। इस बीच कुछ लोग फिसलकर गिर गए और कई लोग उनके ऊपर चढ़ गए। रेलवे सूत्रों के मुताबिक इस हादसे में कम से कम 10 यात्री घायल हुए हैं। सभी को तुरंत अस्पताल ले जाया गयाए जहां उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

एनसीईआरटी, सीबीएसई, केवीएस जैसे राष्ट्रीय शिक्षा संस्थानों पर भी लागू

स्कूलों में ट्रांसपेरेंसी का बड़ा कदम, अब यूपीआई से होगी फीस पेमेंट

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने स्कूलों में डिजिटल ट्रांसपेरेंसी को बढ़ावा देने के लिए एक अहम कदम उठाया है। शिक्षा मंत्रालय ने देशभर के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्कूलों को पत्र जारी कर फीस भुगतान के लिए डिजिटल पेमेंट मोड खासतौर पर यूपीआई ;न्च्प्द्ध को अपनाने का आग्रह किया है। यह आदेश एनसीईआरटी, सीबीएसई, केवीएस, वीकेएसजेएनवीएस जैसे राष्ट्रीय शिक्षा संस्थानों पर भी लागू होगा। मंत्रालय का कहना है कि इस पहल से न केवल फीस भुगतान की प्रक्रिया पारदर्शी और सुविधाजनक बनेगी। बल्कि स्कूल प्रशासन को भी टेक्नोलॉजी के साथ कदम से कदम मिलाने में मदद मिलेगी। अब तक ज्यादातर स्कूलों में फीस कैश में जमा करनी पड़ती थी। ऐसे में अभिभावकों को स्कूल जाकर लंबी लाइनों में खड़ा रहना पड़ता था। खासकर नए एडमिशन या परीक्षा के समय फीस काउंटरों पर भारी भीड़ देखी जाती थीए जिससे समय की बबार्दी होती थी। कई बार कैश न होने या रिसीट में गलती होने पर और भी दिक्कतें सामने आती थीं। लेकिन अब डिजिटल पेमेंट सिस्टम के जरिए ये समस्या खत्म हो जाएगी। अभिभावक घर बैठे ही एक क्लिक में फीस जमा कर सकेंगे और ट्रांजेक्शन का पूरा रिकॉर्ड भी सुरक्षित रहेगा। डिजिटल पेमेंट से स्कूलों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी। कैश हैंडलिंग की जरूरत खत्म हो जाएगीए जिससे गड़बड़ियों की संभावना भी घटेगी। फीस से जुड़ी हर डिटेल ऑनलाइन रिकॉर्ड में सुरक्षित रहेगी। वहीं अभिभावक बिना किसी झंझट के कभी भीए कहीं से भी पेमेंट कर सकेंगे।

आईईएसएम बक्सर की बैठक में सैकड़ों पूर्व सैनिकों ने भरे जीवन प्रमाण पत्र

- निःशुल्क प्रमाण पत्र शिविर में दिखा उत्साह, पूर्व सैनिकों को दी गई साइबर सुरक्षा की सलाह

केटी न्यूज/बक्सर

रविवार को इंडियन एक्स सर्विसमैन मूवमेंट (आई ई एस एम) बक्सर की बैठक मां मुंडेश्वरी अस्पताल स्थित सैनिक कार्यालय में जिला उपाध्यक्ष सूबेदार विद्या सागर चौबे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का संचालन उप कोषाध्यक्ष पेट्टी ऑफिसर सुरेन्द्र सिंह ने किया। कार्यक्रम में जिले भर से लगभग 200 पूर्व सैनिकों और वीर नारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

बैठक के दौरान करीब 80 पूर्व सैनिकों और 4 वीर नारियों ने अपना जीवन प्रमाण पत्र निःशुल्क भरवाया, जिससे सभी के चेहरों पर खुशी झलक रही थी। इस कार्य के लिए कुल सात काउंटर स्थापित किए गए, जहां बिना किसी शुल्क के प्रमाण पत्र भरने का कार्य संपन्न हुआ। जिला उपाध्यक्ष सूबेदार विद्या सागर चौबे ने बताया कि नवंबर माह तक सभी सैनिकों और वीर नारियों का जीवन प्रमाण पत्र निःशुल्क भरा जाएगा, ताकि किसी को आर्थिक बोझ न उठाना पड़े। कार्यक्रम में जिला महासचिव कैप्टन श्रीनिवास सिंह ने पूर्व सैनिकों को साइबर अपराध से सावधान रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसी भी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बैंक या बिजली विभाग का कर्मचारी बनकर फोन करने पर कोई निजी जानकारी साझा न करें, न ही किसी के लिए गारंटर बनें। वहीं, जिला उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट आर. बी. ओझा ने ईसीएचएस कार्ड जल्द बनवाने की अपील की, ताकि बाद में चिकित्सा सुविधाओं में परेशानी न हो। चौगाईं प्रखंड अध्यक्ष कैप्टन कन्हैया पंडित ने सैनिकों को मिलने वाली सुविधाओं एवं योजनाओं पर विस्तृत जानकारी दी, जबकि पेट्टी ऑफिसर सुरेन्द्र सिंह ने अधिक से अधिक सदस्यता बढ़ाने के लिए घर-घर जागरूकता अभियान चलाने का आग्रह किया। मीटिंग में उपस्थित सैनिकों ने पीसीडीए (प्रधान नियंत्रक रक्षा लेखा) कार्यालय एवं अधिकारी मनोज सिंह के कार्यों की सराहना की और उनके सम्मान में जयघोष कर वातावरण को गुंजायमान कर दिया। इस अवसर पर आई ई एस एम के चेयरमैन मेजर जनरल (से.नि.) सतवीर सिंह, सेना मेडल द्वारा बक्सर इकाई को 35 हजार रुपये मूल्य का कंप्यूटर प्रदान करने पर सभी ने खुशी व्यक्त की और उन्हें बधाई दी। बैठक में डुमरांव अनुमंडल उपाध्यक्ष सूबेदार जयेंद्र सिंह ने संगठन के विकास को लेकर सुझाव दिए, जबकि मार्गदर्शक सूबेदार ईश्वर दयाल सिंह ने सैनिक एकता बनाए रखने की अपील की। इस अवसर पर 10 पूर्व सैनिकों ने आईईएसएम की सदस्यता ग्रहण की, वहीं मठिला ग्राम निवासी हवलदार अमरेंद्र मिश्र ने संगठन को छह हजार रुपये मूल्य की दस कुर्सियां भेंट कीं। मौके पर उप सभापति सूबेदार द्वारिका पांडेय, कैप्टन आर.सी. पाल, कोषाध्यक्ष आर.बी. सिंह, कैप्टन धर्मराज सिंह, कैप्टन तारकेश्वर पांडेय, सूबेदार आई.डी. सिंह, सूबेदार जंग बहादुर सिंह, संयोजक रामनाथ सिंह, उप संयोजक भरत मिश्र, कैप्टन अशोक उपाध्याय, तकनीकी अधिकारी धनंजय दुबे, मीडिया प्रभारी गणेश सिंह सहित सैकड़ों पूर्व सैनिक एवं वीर नारियां उपस्थित थीं।

बड़ा सवाल : जिला शिक्षा कार्यालय के प्रधान लिपिक रखें तो किसका पक्ष, विभाग का या अपने सगे संबंधियों का

बुनियादी विद्यालयों के फर्जी शिक्षकों की पैठ शिक्षा विभाग के कार्यालय तक

- राजकीय बुनियादी विद्यालयों में फर्जी 27 शिक्षकों पर दर्ज है प्राथमिकी

केटी न्यूज/बक्सर

जिला शिक्षा कार्यालय के भ्रष्टाचार की परतें खुलते जा रही है, परंतु इसका अंत कहीं दिखाई नहीं दे रहा है। पिछले दिनों विक्रमादित्या उर्फ विक्रमा के मामले में आए पत्र ने और कई नई परतें सामने रख दिया है। जिसमें यह सामने आया कि बुनियादी विद्यालय में सरेंजा व उनवांस में लगभग 27 फर्जी शिक्षकों व अन्य गैर शैक्षणिक कर्मियों की बहाली हुई थी। निगरानी विभाग ने मामले की जांच की थी। इसके बाद आरडीडी के निर्देश पर प्राथमिकी दर्ज हुई थी। उन फर्जी शिक्षकों से कुछ अभी भी येन-केन-प्रकारेण जिला शिक्षा कार्यालय में विभिन्न पदों पर जमें हुए है। वहीं यह भी सामने आया है कि जिला शिक्षा

कार्यालय में पदस्थापित प्रधान लिपिक अनिल राय की पत्नी सहित अन्य सगे संबंधी भी उक्त प्राथमिकी में नामजद है। जबकि कोर्ट के मामलों की देखरेख प्रधान लिपिक के जिम्मे ही है। ऐसे में यह बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि माननीय हाई कोर्ट सहित अन्य जगहों पर जहां वाद चल रहा है वहां प्रधान लिपिक अनिल राय विभाग का पक्ष रखेंगे, या फिर अपनी पत्नी और सगे संबंधियों की तरफ से पक्ष रखेंगे। वहीं दूसरी ओर इस मामले में नया मोड़ तब आया है जब भोजपुर जिला के जगदीशपुर गांव निवासी मनोज कुमार पटेल ने शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव, निगरानी विभाग के एसपी, क्षेत्रिय शिक्षा उपनिदेशक को पत्र लिखकर इस पूरे मामले की जांनकारी दी है। भेजे पत्र में इस बात का जिक्र किया है कि प्रधान लिपिक अनिल राय जिला शिक्षा कार्यालय में जालसाजी गिरोह का संचालन कर रहे है। मनोज ने वरीय अधिकारियों को दिए पत्र में सभी साक्ष्यों को भी संलग्न किया है।

तथाकथित माफिया अजय-अरविंद सिंह से बेहतर संबंध

जानकार सूत्रों का कहना है कि प्रधान लिपिक अनिल राय का तथाकथिक शिक्षा माफिया अजय सिंह व अरविंद सिंह से बेहतर संबंध में है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि बड़े पैमाने पर सूचनाओं का अदान प्रदान इनके माध्यम से होता होगा। जिसके चलते अजय व अरविंद विभाग के अधिकारियों पर धौंस जमाने पर कामयाब हो जाते है। जानकारों का कहना है कि विभाग में मजबूत पैठ के बल पर ही बुनियादी विद्यालयों में फर्जी तरीके से बहाल शिक्षकों तथा कर्मियों पर कार्रवाई नहीं हो रही है, जबकि कुछ तो विभाग की आंख में धूल झोंक अभी विभाग में विभिन्न पदों पर जमे हुए है, जिनके उनके विभाग में पैठ का प्रमाण मिल रहा है। जानकारों का कहना है कि यदि गहराई से जांच की जाए तो प्रधानलिपिक की कार्यशैली पर कई सवाल उठेंगे तथा यह भी साफ हो जाएगा कि बुनियादी विद्यालयों में फजीर्वाडे.के खेल में इनका बड़ा हाथ रहा है। सवाल उठता है कि जब खुद इनकी पत्नी भी इस मामले में आरोपित की गई है तो इनकी भूमिका से कैसे इंकार किया जा सकता है। वहीं, विभाग में अनिल राय का रूतबा ऐसा है कि वे प्रधान लिपिक बने हुए है। जानकार बताते है कि उनके प्रधान लिपिक रहते जांच प्रभावित हो सकता है। इस संबंध में केशव टाइम्स ने जब जिला शिक्षा पदाधिकारी संदीप रंजन से संपर्क स्थापित करने का प्रयास किया तो उन्होंने मोबाईल रिसिव नहीं किया, जिस कारण उनका पक्ष नहीं लिया जा सका।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST
पताः- सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

केसठ में पुलिस ने निकाला गया फ्लैग मार्च

केटी न्यूज/केसठ

विधानसभा चुनाव को लेकर रविवार को क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। इस फ्लैग मार्च का नेतृत्व थानाध्यक्ष कुसुम कुमार केशरी ने अर्धसैनिक बलों के जवानों के साथ संयुक्त रूप से किया।फ्लैग मार्च केसठ बाजार, मुख्य चौक-चौराहों सहित विभिन्न संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले इलाकों से होकर गुजरा। इस दौरान पुलिस और सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने क्षेत्र में शक्ति प्रदर्शन करते हुए लोगों में सुरक्षा का भरोसा जगाया। थानाध्यक्ष कुसुम कुमार केशरी ने बताया कि चुनाव के दौरान शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी तरह की अराजकता, गड़बड़ी या आचार

संहिता उल्लंघन बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है और आवश्यकतानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। थानाध्यक्ष ने आमजन से अपील की कि वे निर्भय होकर मतदान करें और यदि कहीं कोई अनुचित गतिविधि दिखे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में अर्धसैनिक बल के जवान भी मौजूद रहे।

छेरा नदी में डूबे युवक की मौत पर पहुंचे विधायक, ने जताई संवेदना

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड क्षेत्र के डिहरा पुल से विगत दिनों नहाने के उद्देश्य से छेरा नदी में छलांग लगाने के दौरान केसठ गांव निवासी राज कुमार साह के पुत्र अयोध्या कुमार उर्फ कल्लू (उम्र 20 वर्ष) की डूबने से हुई मृत्यु ने पूरे क्षेत्र को शोकाकुल कर दिया है। घटना के बाद से केसठ एवं आसपास के गांवों में मातम का माहौल व्याप्त है। जानकारी के अनुसार अयोध्या कुमार अपने साथियों के साथ नहाने के लिए नदी गया था, जहां नहाने के दौरान तेज धार में बह जाने से उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। शव बरामद होने के बाद गांव में गमगीन माहौल देखा गया। परिजन बार-बार बेहोश हो जा रहे थे और पूरे गांव में सिर्फ सन्नाटा पसरा हुआ

था। इस दर्दनाक घटना की जानकारी मिलने पर रविवार को डुमरांव के विधायक डॉ. अजीत कुशवाहा ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात की और गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अयोध्या की असमय मृत्यु क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। विधायक ने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए हर संभव सहायता का भरोसा दिया। उन्होंने प्रशासन से भी आग्रह किया कि ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए नदी किनारे सुरक्षा के ठोस इंतजाम किए जाएं।साथ ही कहा कि यह समय परिवार के साथ खड़े रहने का है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
विशाल और सुसज्जित हॉल
आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
बड़ा पार्किंग एरिया
24x7 बिजली और पानी की सुविधा
साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

एनसीसी कैंप के तीसरे दिन कैडेट्स को दी गई युद्ध कौशल की जानकारी

- प्रशिक्षकों ने एनसीसी के फायदे भी गिनाए, प्रशिक्षण के दौरान कैडेट्स में दिखा उत्साह

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय डीके कॉलेज परिसर में चल रहे एनसीसी के 18वे वार्षिक कैंप के तीसरे दिन रविवार को शिविर में भाग ले रहे कैडेट्स को कई तरह का प्रशिक्षण दिया गया। आज के प्रशिक्षण की शुरूआत शारीरिक प्रशिक्षण से हुई। इसके बाद उन्हें फिल्ड क्राफ्ट एवं बैटल क्राफ्ट तथा विभिन्न तरह के आग्नेयास्त्र को पकड़ने तथा उसे चलाने की विधिवत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान एनसीसी के पीआई स्टाफो द्वारा कैडेट्स को हथियार पकड़ने तथा उसके चारों अवस्थाओं की जानकारी दी गई तथा कैडेट्स को फायरिंग का अभ्यास भी कराया गया।

बैटल क्राफ्ट के अंतर्गत संक्शन फारमेंशन के बारे में बताया गया, साथ ही कैडेट्स को इस बात की जानकारी भी दी गई कि युद्ध के समय सेना किस तरह से अपने युद्ध कौशल

से विरोधियों को पराजित करती है, इसका भी प्रशिक्षु कैडेट्स को अभ्यास कराया गया। कैडेट्स के बीच युद्ध का डेमो भी दिया गया।

फिल्ड क्राफ्ट के अंतर्गत दूरी का अनुमान लगाने के तरीको को बताया गया। इसके अलावे कंबाइंड आर्म्स पुलिस फोर्स में भर्ती के तरीको, सेना में बहाली के लिए एनसीसी की उपयोगिता व लाभ इसे प्रश्नोतर के माध्यम से कैडेट्स को जानकारी दी गई। अंत में उड़ान टीम के द्वारा कैडेट्स टेर्जनिंग कैप्सूल के तहत मल्टी डिजास्टर टेर्जनिंग का प्रशिक्षण दिया गया। उड़ान टीम के संयोजक धीरज कुमार, टेज्नर अमलेन्दु झा व अभय कुमार के द्वारा प्रशिक्षु कैडेट्स को प्राथमिक उपचार, भूकंप से बचाव के तरीकों, साइबर सिक्योरिटी, आग से बचाव आदि को बताया गया। सभी प्रशिक्षु कैडेट्स इस दौरान उत्साह से प्रशिक्षण लेते नजर आए। यह प्रशिक्षण 30 बिहार बटालियन एनसीसी के समादेशी पदाधिकारी कर्नल रितेश रंजन के कुशल नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण को संपन्न कराने में 30 बिहार बटालियन एनसीसी के पीआई स्टाफ सुबेदार मेजर डुबराज साहु, सुबेदार मुकेश कुमार, अरविंद कुमार, नायक सुबेदार सीएस सिंह, वरूण कुमार, बीएचएम राहुल कुमार सिंह, सीएचएम नीतीश कुमार, नवीन कुमार, सुमन सौरभ, नायक विजयानंद, आलोक कुमार, एनओ डॉ. अरबाब खां, डॉ. योगर्षि राजपूत, डॉ. अमृता सिंह, डॉ. संजय रंजन सिन्हा, अभयानंद प्रजापति के अलावे नरेश प्रसाद, कौशलेन्द्र कुमार, चंदन कुमार, संजय कुमार, इंद्रजीत कुमार, आदित्य कुमार, सिद्धार्थ शंकर, रौशन कुमार सराहनीय भूमिका निभा रहे है।

फ्लैग मार्च निकाल पुलिस ने दिया भयमुक्त माहौल में मतदान का संदेश

- डुमरांव थानाध्यक्ष के नेतृत्व में अर्द्धसैनिक बलों ने नगर व आस पास के इलाकों में किया फ्लैग मार्च
- फ्लैग मार्च से उपद्रवी तत्वों में मच गया था हड़कंप, छह नवंबर को है विस चुनाव की वोटिंग

केटी न्यूज/डुमरांव

जिले में प्रथम चरण के तहत छह नवंबर को मतदान की तिथि निर्धारित की गई है। विस चुनाव को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने अभी से ही कमर कस ली है। रविवार को डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा के नेतृत्व में चुनाव के मद्देनजर आए अर्द्धसैनिक बलों द्वारा नगर सहित आस पास के क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकाला गया।

इस संबंध में थानाध्यक्ष संजय ने बताया कि इस फ्लैग मार्च का उदेश्य मतदाताओं को बिना किसी भय या लालच के मतदान के लिए प्रेरित करना तथा उपद्रवी तत्वों, तस्करों व अपराधियों को यह संदेश देना था कि चुनाव के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

फ्लैग मार्च में शामिल जवानों ने शहर के अलावे महरौरा, बनकट आदि गांवो में भी मार्च कर उपद्रवी तत्वो में हड़कंप मचा दिया।

थानाध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण संपन्न कराना उनकी प्राथमिकता है। इसके लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फ्लैग मार्च के अलावे फरार अपराधियों व वारंटियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन कराया जाएगा तथा किसी भी सूरत में उपद्रव फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। फ्लैग मार्च के दौरान थानाध्यक्ष ने कई मतदाताओं से बातचीत कर उन्हें भयमुक्त हो तथा बिना किसी प्रलोभन के मतदान करने की नसीहत भी दी तथा कहा कि यदि उन्हें कोई डराने या लालच दिखाने का प्रयास करे तो तुरंत इसकी जानकारी पुलिस को दे। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले थाना क्षेत्र के सभी गांवों में फ्लैग मार्च निकाला जाएगा। थानाध्यक्ष ने कहा कि इस दौरान पुलिस के द्वारा बूथों के भौतिक सत्यापन का काम भी किया जा रहा है।

निर्वाचन प्रशिक्षण ही सफल चुनाव की नींव : डीएम

- एम.पी. उच्च विद्यालय बक्सर में मतदान कर्मियों के प्रशिक्षण कार्य का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण, दी तकनीकी दक्षता बढ़ाने की सलाह

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में आगामी विधानसभा निर्वाचन 2025 की तैयारी को लेकर प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। इसी क्रम में रविवार को बक्सर के एम.पी. उच्च विद्यालय में चल रहे मतदान कर्मियों के प्रशिक्षण कार्य का निरीक्षण जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रशिक्षण की गुणवत्ता, उपस्थिति तथा सत्रों की प्रगति की गहन समीक्षा की।

इस अवसर पर अपर समाहर्ता अरुण कुमार सिंह, नोडल पदाधिकारी (प्रशिक्षण प्रकोष्ठ) आलोक नारायण वत्स तथा ईवीएम प्रकोष्ठ प्रभारी अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान कर्मियों को नियंत्रण इकाई (सीयू), मतपत्र इकाई (बीयू) एवं मतदाता सत्यापन पर्ची इकाई (वीवीपैट) मशीनों के सही संचालन से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

डॉ. सिंह ने कहा कि मतदान दिवस पर किसी प्रकार की तकनीकी या प्रक्रियागत त्रुटि न हो, इसके लिए प्रत्येक मतदानकर्मी को मशीनों के संचालन और प्रायोगिक मतदान (मॉक पोल) का समुचित अभ्यास करना आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रशिक्षण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि चुनावी सफलता की सबसे मजबूत कड़ी है।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रशिक्षण कार्य को अधिक प्रभावी, व्यवहारिक और सहभागितापूर्ण बनाया जाए ताकि मतदान के दिन प्रक्रिया पूर्णतः निर्विघ्न, निष्पक्ष और पारदर्शी रूप से संपन्न हो सके। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान प्रत्येक मतदान केंद्र प्रशासन की प्रतिष्ठा का प्रतीक होता है, इसलिए प्रशिक्षण में मिली जानकारी का सही उपयोग ही सुचारू मतदान सुनिश्चित करेगा।

प्रशिक्षण में गैरहाजिर कर्मियों का वेतन रोका गया, 24 घंटे में स्पष्टीकरण का निर्देश

- विधानसभा आम निर्वाचन 2025 की तैयारी पर प्रशासन सख्त, अनुपस्थित कर्मियों पर होगी एफआईआर

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को लेकर बक्सर जिला प्रशासन की ओर से मतदान दल के कर्मियों का प्रथम प्रशिक्षण 11 अक्टूबर को आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार दो पालियों में संचालित किया जा रहा है, जो 17 अक्टूबर तक चलेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन जिले के एम.पी. उच्च विद्यालय बक्सर में कुल 960 पीठासीन पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया, जबकि 760 मतदान कर्मी -2 को नेहरू स्मारक उच्च विद्यालय बक्सर में प्रशिक्षण दिया गया।

जिला प्रशासन द्वारा बताया गया कि प्रशिक्षण में निर्धारित उपस्थिति के अनुसार अधिकांश कर्मी उपस्थित रहे, लेकिन कुछ कर्मियों ने निर्वाचन दायित्व के प्रति लापरवाही बरती। निरीक्षण में पाया गया कि 46 पीठासीन पदाधिकारी और 40 द्वितीय मतदान पदाधिकारी बिना किसी सूचना या अनुमति के प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहे। इस पर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए अकारण अनुपस्थित सभी कर्मियों का वेतन अगले आदेश तक स्थगित करने का निर्णय लिया है। साथ ही उनसे 24 घंटे के अंदर स्पष्टीकरण मांगा गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समयसीमा में संतोषजनक स्पष्टीकरण प्राप्त न होने पर संबंधित कर्मियों के खिलाफ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अन्य कार्रवाई की जाएगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने चेतावनी दी है कि निर्वाचन कार्य अत्यंत संवेदनशील एवं राष्ट्रीय दायित्व से जुड़ा हुआ है, इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इधर अन्य श्रेणियों के मतदान कर्मियों, प्रेक्षकों एवं सहायक अधिकारियों का प्रशिक्षण भी जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न विद्यालयों में निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप क्रमवार आयोजित किया जा रहा है। प्रशासन ने सभी कर्मियों से समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने और प्रशिक्षण सत्रों को गंभीरता से ग्रहण करने का आग्रह किया है ताकि चुनाव कार्य निर्विघ्न एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न हो सके।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मतदान कर्मियों से व्यक्तिगत बातचीत कर प्रशिक्षण में आ रही कठिनाइयों की जानकारी भी ली और समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग की अपेक्षाओं के अनुरूप प्रत्येक कर्मी को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी और तत्परता से करना होगा। जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण ही सफल निर्वाचन की आधारशिला है, अतः सभी अधिकारी-कर्मी इसे गंभीरता और निष्ठा के साथ संपन्न करें।

इस मौके पर विद्यालय परिसर में प्रशिक्षण सत्रों का अनुशासन, तकनीकी प्रदर्शन और कर्मियों की सक्रिय भागीदारी देखकर जिलाधिकारी ने संतोष जताया तथा प्रशिक्षण दल के कार्य की सराहना की।

एक नजर

संतोष कुशवाहा हत्याकांड के फरार आरोपित जिप सदस्य मुन्ना यादव समेत तीन ने किया सरेंडर

नावानगर। बासुदेवा थाना क्षेत्र में हत्या के तीन फरार अभियुक्तों ने रविवार को आत्मसमर्पण कर पुलिस को चौंका दिया। अदालत से कुर्की का आदेश जारी होने और रविवार को कार्रवाई की तारीख तय होने के बाद तीनों ने सुबह थाने पहुंचकर खुद को पुलिस के हवाले कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष सह जिला परिषद प्रतिनिधि शशिधर सिंह उर्फ मुन्ना सिंह, अमीरपुर निवासी उपेंद्र सिंह एवं कोरान सराय निवासी सुनील सिंह शामिल हैं। तीनों को पुलिस ने औपचारिक पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया। बासुदेवा थानाध्यक्ष अनिल कुमार पासवान ने बताया कि 25 मई को अमीरपुर गांव में बगीचे में शौच के लिए गए संतोष कुशवाहा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मृतक की पत्नी सबिता देवी ने अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस जांच में छह लोगों की संलिप्तता उजागर हुई, जिनमें से तीन को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका था। शेष तीन अभियुक्तों की गिरफ्तारी नहीं हो पाने पर न्यायालय ने उनके विरुद्ध कुर्की का आदेश दिया था। रविवार को आदेश के अनुपालन में कुर्की की प्रक्रिया शुरू होनी थी, लेकिन पुलिस कार्रवाई से पहले ही तीनों आरोपी थाने पहुंच गए। माना जा रहा है कि कुर्की के दौरान संपत्ति जब्ती और सामाजिक बदनामी की आशंका से बचने के लिए अभियुक्तों ने आत्मसमर्पण का रास्ता चुना।

बायपास रोड में गोलीबारी, युवक घायल अपराधी फरार, जांच में जुटी पुलिस

बक्सर। नगर थाना क्षेत्र के बायपास रोड स्थित शांतिनगर पुल के समीप बीती रात गोलीबारी की घटना ने इलाके में दहशत फैला दी। इस वारदात में सोहनी पट्टी निवासी राहुल पाल गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए अन्यत्र रेफर किया गया है। हालांकि, उसे खतरे से बाहर बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, घटना रात 10 बजे की है। जहा राहुल पाल शांतिनगर स्थित अपने नाना के लॉज में किसी विवाद की सूचना पर पहुंचा था। वहां उसने देखा कि लॉज के समीप रहने वाले भोला मिश्रा और उसके साथियों ने लॉज के लड़कों से मारपीट की है। इसी दौरान जब राहुल अपने मामा सुनील पाल के साथ मामले की जानकारी ले रहा था, तभी आरोपी भोला मिश्रा ने खिड़की से पिस्तौल निकाल कर उस पर फायरिंग कर दी। गोली राहुल के बाएं हाथ में लगी। घटना के बाद आरोपी फायरिंग करते हुए मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, भोला मिश्रा इलाके का पुराना अपराधी है और पहले भी कई मामलों में जेल जा चुका है। माना जा रहा है कि वह अपनी दबंगई दिखाने के लिए दोबारा आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय हुआ है।नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस टीम हमलावर की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। वहीं, इस घटना के बाद मोहल्ले में तनाव व्याप्त है। जबकि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बावजूद अपराधियों के इस दुस्साहस पर शहर में चचाएं हो रही है।

चौक-चौराहों पर चुनावीं सरगर्मी बढ़ी प्रत्याशी को लेकर हो रहा मंथन

डुमरांव। विधान सभा चुनाव को लेकर सरगर्मी बढ़ गई है। सभी की निगाहें घोषित होने वाले प्रत्याशियों पर लगी हुई है। जनसुराज को किसी पार्टी के द्वारा अभी तक प्रत्याशी की अधिकृत घोषणा नहीं की गई है, ऐसे में आंकलन करने का दौर चल रहा है। रविवार को पूरे दिन प्रत्याशी की घोषणा होने का इंतजार होता रहा, लेकिन निराशा ही था लगा। पान, चाय एवं चौक-चौराहों पर लोग प्रत्याशी के लिये बात करते रहे, पूरे दिन लोगों में उहापोह की स्थिति बनी रही। सबसे ज्यादा एनडीए प्रत्याशी के लिये चचाओं का बाजार गर्म रहा। एनडीए के प्रत्याशियों में आधा दर्जन ऐसे नेता हैं जो लाइन में हैं, लिहाजा उन्हीं का आकलन लगाया जा रहा था। लोग कहते नजर आ रहे थे की किस पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मेहरबान होते हैं, इसकी जानकारी प्रत्याशी की अधिकृत घोषणा होने के बाद ही पता चल पाएगा।

सड़क किनारे खड़ी टैज्क्टर ट्राली से टकराई बाइक, सवार जख्मी

- नया भोजपुर थाना क्षेत्र के पुराना भोजपुर के समीप की है घटना, थानाध्यक्ष ने तुरंत जख्मियों को पहुंचाया अस्पताल

केटी न्यूज/डुमरांव

नया भोजपुर थाने के थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने मानवता का परिचय देते हुए सड़क दुर्घटना में जख्मी दो युवकों को तुरंत अस्पताल भेज तथा प्राथमिक इलाज करा उनकी जान बचाई। थानाध्यक्ष की इस पहल की सराहना लोगों द्वारा की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार पटना बक्सर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 922 पर नया भोजपुर थाना क्षेत्र के पुराना भोजपुर गांव के समीप सड़क किनारे खड़ी टैज्क्टर ट्राली से टकरा डुमरांव निवासी दो युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसकी जानकारी मिलते ही थानाध्यक्ष ने पुलिस बल और डायल 112 के सहयोग से

त्वरित रूप से दोनों जख्मियों को प्रतापसागर अस्पताल पहुंचाया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सदर अस्पताल रेफर किया गया। दुर्घटना के तुरंत बाद उन्हें प्राथमिक उपचार मिलने से दोनों की जान बच गई। जख्मी की पहचान डुमरांव थाना के समीप निवासी सैफ अली उम्र 22 वर्ष पिता अकबर हसन के रूप में हुई है जबकि उसके एक अन्य जख्मी साथी की पहचान की जा रही है। बताया जा रहा है कि दोनों बक्सर से एक ही बाइक पर सवार होकर आ रहे थे, तभी होटल के समीप अनियंत्रित होकर खड़े ट्रॉली से टकराकर गंभीर रूप से जख्मी हो गए। थानाध्यक्ष चंदन ने बताया कि फिलहाल दोनों की स्थिति खतरे से बाहर है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कोरानसराय पुलिस ने किया मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन, त्रुटियों को किया चिन्हित

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी मुस्तैदी से जुट गया है। इसी क्रम में कोरानसराय थानाध्यक्ष माधुरी कुमारी के नेतृत्व में रविवार को थाना क्षेत्र के अंदर कुल 18 मतदान केंद्रों का भौतिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान संबंधित क्षेत्र के चौकीदारों और पुलिस कर्मियों की भी उपस्थिति रही। निरीक्षण के दौरान थानाध्यक्ष ने प्रत्येक बूथ की सुरक्षा व्यवस्था, पहुंच मार्ग, प्रकाश व्यवस्था, पानी की सुविधा और विद्युत स्थिति का विस्तार से जायजा लिया। उन्होंने बताया कि जिन मतदान केंद्रों पर संरचनात्मक या व्यवस्थागत कमियां पाई गई हैं, वहां आवश्यक सुधार के दिशा-निर्देश संबंधित कर्मियों को दिए गए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि मतदान के दिन किसी प्रकार की अव्यवस्था या असुविधा न हो। थानाध्यक्ष ने बताया कि चुनाव को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए रणनीति तैयार की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि संवेदनशील और अति संवेदनशील मतदान केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा गश्ती दलों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी, इसकी सूची तैयार कर ली गई है।

सोनवर्षा में तीन गोला रामायण गायन से गूंजा वातावरण श्रोताओं ने रातभर लिया भक्ति रस का आनंद

केटी न्यूज/नावानगर

दुर्गा पूजा के उपलक्ष्य में स्थानीय प्रखंड के युवा व्यापार मंडल दुर्गा पूजा समिति सोनवर्षा के बैनर तले रविवार की रात तीन गोला रामायण गायन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। आयोजन में क्षेत्र के कोने-कोने से पहुंचे श्रद्धालुओं ने पूरी रात भक्ति संगीत का रसपान किया। पूरा वातावरण जय श्रीराम के उद्घोष और भक्ति स्वर लहरियों से गूंज उठा। कार्यक्रम का उद्घाटन द एमिटी स्कूल के निदेशक अमरेंद्र राजेश, समाजसेवी अमर सिंह, एमडीजे पब्लिक स्कूल के निदेशक नंद कुमार सिंह, बीडीसी अजय गुप्ता, समाजसेवी मंटू पटेल, मृत्युंजय ओझा, राकेश पाठक, रामाकांत सिंह उर्फ बबुआ जी, जितेंद्र सिंह एवं उपेन्द्र सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। सभी अतिथियों का समिति सदस्यों ने अंगवस्त्र और पुष्पमाला पहनाकर उनका स्वागत किया। भक्ति संध्या की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष मनीष पटेल ने की, जबकि मंच संचालन रबी पांडेय ने किया। तीनों प्रसिद्ध ब्यास अरविंद अभियंता, निर्मला यादव और अजीत हलचल ने अपनी गायन कला और प्रभावशाली प्रस्तुति से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। वही नृत्यांगना ने अपने नृत्य से लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। रामायण गायन में मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के चरित्र, उनकी आदर्श जीवनशैली और भक्त हनुमान की वीरता का चित्रण जब गायन के रूप में हुआ, तो उपस्थित जनसमूह ह्यजय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा।

कार्यक्रम की सफलता में समिति के सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा। उपाध्यक्ष अरविंद सोनी, सचिव राहुल सिन्हा, उपसचिव चंदन शर्मा, कोषाध्यक्ष सुभम कुमार गुप्ता, उपकोषाध्यक्ष मुन्ना शिशोदिया, संयोजक बिर बहादुर आजाद, बिटु ओझा समेत समर्पित कार्यकताओं ने इस आयोजन में सराहनीय भूमिका निभाई।

तीन दिवसीय नाटक प्रतियोगिता में कलाकारों को किया गया पुरस्कृत

केटी न्यूज/रोहतास

श्री श्री दुगार्पूजा समिति करूप बाजार के बैनर तले तीन दिवसीय नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें तीन गांवों की टीम ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिसमें सभी टीम के कलाकारों ने अपने-अपने कला कौशल को लोगों के बीच प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। कलाकारों के अभिनय से समस्त ग्रामीण और आसपास के गांव से आए हुए दर्शक लोग काफी भाव-विभोर हुए। नाटक प्रतियोगिता का आयोजन दुगार्पूजा के पावन

अवसर पर काराकाट नगर पंचायत के करूप बाजार स्थित श्री श्री दुगार्पूजा समिति के बैनर तले तीन गांवों की टीम ने इस अवसर पर नाटक प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमें प्रथम स्थान सिकरहटा खुर्द भोजपुर, द्वितीय स्थान रोहतास जिला अंतर्गत राजपुर थाना क्षेत्र के बलिगांव और तृतीय स्थान काराकाट थाना क्षेत्र के कुरूर गांव की टीम को मिला। इस नाटक प्रतियोगिता में सबसे अच्छा अभिनय करने वाले कलाकार संतोष शर्मा को श्री श्री दुर्गा पूजा समिति करूप बाजार एवं स्थानीय ग्रामीण जनता की ओर से पुरस्कृत किया गया। नाटक प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले तीनों टीम के सभी कलाकारों को दिन रविवार को पूजा समिति एवं स्थानीय ग्रामीणों द्वारा पुरस्कृत किया गया। उक्त अवसर पर पूजा समिति के अध्यक्ष बिपिन सिंह, उपाध्यक्ष डिम्पल कुमार, सचिव दीपक चौधरी, उपसचिव प्रमोद कुमार, कोषाध्यक्ष रमेश कुमार, संजीत कुमार, वार्ड पार्षद संतोष कुमार तिवारी, जयगुन सिंह, धनंजय साह, अशोक पांडेय, सुरेश सिंह, सुरेंद्र सिंह सहित पूजा समिति के सभी सदस्य और स्थानीय ग्रामीण मौजूद थे।

चुनाव तैयारी से बाजार समिति खाली, व्यापारी नाराज, छठ पूजा पर बढ़ सकती है महंगाई

केटी न्यूज/आरा

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियों के बीच भोजपुर जिला प्रशासन ने चुनाव कार्य के लिए आरा बाजार समिति प्रांगण खाली कराने का आदेश जारी किया है। प्रशासनिक फैसले के बाद बाजार समिति के व्यापारी नाराज हैं और उन्होंने इसे छठ और दीपावली के दौरान व्यापार पर चोट बताया है। जिले में 6 नवंबर को पहले चरण में मतदान होना है, जबकि इसी समय लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा भी पड़ रहा है। छठ से पहले जिलेभर में फल, सब्जी और पूजन सामग्री की मांग तेज होती है। ऐसे में बाजार समिति का खाली होना व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों के लिए परेशानी का कारण बन गया है। आरा बाजार समिति वह केंद्र है, जहां एक ही जगह फल से लेकर पूजा-सामग्री तक की पूरी खरीदारी आसानी से हो जाती है। जिले के विभिन्न इलाकों के खुदरा व्यापारी यहीं से सामान लेकर अपने-अपने क्षेत्रों में आपूर्ति करते हैं। लेकिन इस बार चुनाव की तैयारी के कारण बाजार समिति को खाली कराया जा रहा है। इससे व्यापारी वैकल्पिक स्थानों पर दुकान और गोदाम भाड़े पर लेने को मजबूर हैं। बाजार समिति व्यापारी संघ के अध्यक्ष रमेश चंद्र पांडेय उर्फ मंटू पांडेय ने कहा कि भोजपुर जिले में पहले चरण में 6 नवंबर को मतदान होना है, जबकि इसी दौरान लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा भी मनाया जाएगा। ऐसे में व्यापारियों ने पहले से ही अपने सप्लायर और किसानों को अग्रिम भुगतान कर दिया था। उन्होंने बताया कि चुनाव की तारीख की घोषणा से पहले कोई जानकारी नहीं दी गई थी। लेकिन तारीख तय होते ही जिला प्रशासन ने नोटिस जारी कर बाजार समिति को खाली करने का निर्देश दे दिया। व्यापारी प्रतिनिधियों ने डीएम और एसडीओ से मिलकर वैकल्पिक व्यवस्था की मांग की, परंतु अभी तक कोई ठोस समाधान नहीं मिला है। इस आदेश के बाद व्यापारियों ने अपनी दुकानें और गोदाम खाली करना शुरू कर दिया है। आरा बाजार समिति से भोजपुर समेत आस-पास के पांच जिलों को फल और अन्य सामग्रियों की आपूर्ति की जाती है। अब समिति खाली होने से व्यापारियों को अन्यत्र जगह किराए पर लेकर काम करना पड़ रहा है, जिससे उनका अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया है। इस खर्च का असर सीधे ग्राहकों पर पड़ेगा। इस बार छठ पूजा के दौरान फलों और सामग्रियों की कीमतों में बढ़ोतरी ल की पूरी संभावना है। साथ ही, बाजार समिति बंद होने से लोगों को एक ही स्थान पर सभी वस्तुएं उपलब्ध नहीं होंगी, जिससे खरीदारी के लिए अलग-अलग जगह जाना पड़ेगा। शहर में इन दिनों ट्रैफिक जाम की समस्या भी बनी हुई है। ऐसे में अलग-अलग स्थानों से खरीदारी करने पर जाम और अफरा-तफरी की स्थिति और बढ़ सकती है। बाजार समिति व्यापारी संघ ने जिला प्रशासन से तुरंत वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग की है ताकि न तो चुनावी प्रक्रिया प्रभावित हो और न ही स्थानीय व्यापार और आम उपभोक्ताओं को नुकसान उठाना पड़े। बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के इतने बड़े व्यापारिक परिसर को खाली कराना उचित नहीं है। इससे व्यापारी और आम जनता दोनों प्रभावित होंगे।

भीड़ और जाम की आशंका

बाजार समिति खाली होने के बाद लोगों को अलग-अलग जगहों से सामान खरीदना पड़ेगा, जिससे शहर में भीड़भाड़ और जाम की स्थिति और गंभीर हो सकती है। हाल के दिनों में शहर में पहले से ही जाम की समस्या बनी हुई है, ऐसे में त्योहार के समय यह और बढ़ेगी।

प्रशासन की चुप्पी जारी

व्यापारियों की शिकायत के बावजूद अब तक जिला प्रशासन की ओर से किसी वैकल्पिक स्थान की व्यवस्था नहीं की गई है। व्यापारी वर्ग ने मांग की है कि चुनाव की व्यवस्था और व्यापार, दोनों को संतुलित रखने के लिए प्रशासन शीघ्र कोई समाधान निकाले, ताकि आम लोगों को त्योहार के समय परेशानी न उठानी पड़े।

जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता का हुआ भव्य शुभारंभ

केटी न्यूज/रोहतास

रविवार को जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता 2025-26 का भव्य उद्घाटन समारोह उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। इस समारोह की अध्यक्षता जिला परिवहन पदाधिकारी,रोहतास द्वारा की गई। उनके साथ मंच पर जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण पदाधिकारी तथा विनय प्रताप, वरीय उप समाहर्ता-सह-उपाधीक्षक, शारीरिक शिक्षा उपस्थित रहे।

सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत उपाधीक्षक, शारीरिक शिक्षा, रोहतास द्वारा पारंपरिक रूप से टोपी पहनाकर किया गया। उद्घाटन समारोह में विद्यार्थियों में अपार उत्साह देखने को मिला। विनय प्रताप,वरीय उप समाहर्ता-सह-उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा, रोहतास के द्वारा सभी खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ खेलने और आगे बढ़ने कि बात कही साथ ही स्वीप के तहत मतदाता जागरूकता अभियान के तहत खेल के साथ मतदान हेतु प्रेरित करने के लिए शपथ ग्रहण कराया गया। रविवार को विभिन्न खेल विधाओं का आयोजन का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन एवं गुब्बारा उड़ा कर किया गया। जिनमें प्रमुख रूप से एथलेटिक्स बालिका वर्ग अंडर 14, अंडर 17 एवं अंडर 19, कबड्डी , बालक/बालिका अंडर 14, खो-खो बालिका अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19, ताइक्वांडो, बालक/बालिका अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19, बॉक्सिंग (बालक/बालिका अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का गौरव बढ़ाया। जो आगामी दिनों में विभिन्न आयु वर्गों के लिए अन्य खेल विधाओं का आयोजन भी किया जाएगा। कार्यक्रम का मंच संचालन प्रभात कुमार पाठक उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा कार्यालय के द्वारा किया गया।

मतदान जागरूकता को लेकर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

केटी न्यूज/रोहतास

रविवार को काराकाट प्रखंड मुख्यालय के गोड़ारी स्थित मनरेगा कार्यालय परिसर में स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी गजेंद्र सिंह के नेतृत्व में सभी कर्मियों एवं जीविका दीदियों को लोकतंत्र के महापर्व में शत-प्रतिशत मतदान करने की शपथ दिलाई गई।कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण के संदेश को भी प्रमुखता दी गई। पदाधिकारी गजेंद्र सिंह के नेतृत्व में कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर लोगों से ह्लएक वोट,एक पौधाह्व का संकल्प लेने की अपील की गई।मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी गजेंद्र सिंह ने कहा कि मतदान सिर्फ अधिकार नहीं,बल्कि यह हमारी जिम्मेदारी भी है । प्रत्येक मतदाता का एक-एक वोट लोकतंत्र को मजबूत बनाता है । जिस प्रकार हम हरियाली के बिना स्वस्थ जीवन की कल्पना नहीं कर सकते,उसी प्रकार नागरिक सहभागिता के बिना लोकतंत्र अधूरा है। सभी लोग शत-प्रतिशत मतदान करें और हर मतदान केंद्र को मॉडल मतदान केंद्र बनाएं । मौके पर लेखापाल रूपेश कुमार स्नेही,पीटीए अनिल मिश्रा,पंचायत रोजगार सेवक ओम,प्रदीप कुमार,रमता सहित जीविका दीदी व अन्य कर्मी ने मतदान और पर्यावरण संरक्षण को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया ।

दीपो के पर्व दीपावली पर पूरे अनुमंडल क्षेत्र में सजी दुकानें

केटी न्यूज/रोहतास

जगमग दीपो के पर्व दीपावली के आगमन से पूर्व बिक्रमगंज अनुमंडल के शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में उत्साह का माहौल चरम पर है । हर गली,मोहल्ले और गांव में लोगों ने अपने-अपने घरों की साफ-सफाई,रंग-रोगन और सजावट की पूरी तैयारी शुरू कर दी है। दिनभर झाड़ू-पोछा,रंगाई-पुताई और सजावट के कामों में लोग व्यस्त दिखाई दे रहे हैं। नगर परिषद क्षेत्र के वार्डों में घरों की दीवारों पर नई पुताई,दरवाजों पर तोरण और रंग-बिरंगी लाइटों की सजावट ने पहले से ही दीपावली का माहौल बना दिया है। बाजारों में भी चहल-पहल बढ़ गई है । रंग,दीपक, सजावटी

सामग्री,बिजली की झालरें और पूजा-सामग्री की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है ।ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों ने अपने घरों और आंगनों की सफाई में कोई कसर नहीं छोड़ी है । कई जगहों पर लोग घरों की मरम्मत व मिट्टी से लीपाई-पुताई में जुटे हैं । महिलाएं घर की सजावट में नई सृजनशीलता दिखा रही हैं,वहीं बच्चे रंगोली और दीयों की सजावट को लेकर उत्साहित हैं । इस संबंध में बिक्रमगंज नगर के पंडित हरिशरण दुबे ने बताया कि दीपावली न केवल रोशनी का पर्व है,बल्कि यह आध्यात्मिक शुद्धि और गृह-शुद्धि का प्रतीक भी है । उन्होंने कहा कि ह्लमां लक्ष्मी स्वच्छ और पवित्र स्थान पर ही निवास करती हैं,इसलिए दीपावली से पूर्व घर-आंगन की सफाई और साज-सज्जा का विशेष महत्व होता है । इस दिन घर में दीप प्रज्वलित करने से सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि का संचार होता है । वहीं स्थानीय निवासी सीमा देवी ने बताया कि दीपावली के लिए पूरे परिवार के साथ मिलकर घर की रंगाई-पुताई की जा रही है। हम हर साल दीपावली से पहले घर को नया रूप देते हैं ताकि देवी लक्ष्मी का स्वागत हर्षोल्लास के साथ हो,उन्होंने कहा। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र इन्द्रार्थ खुर्द के रमेश मिश्रा ने बताया कि गांवों में लोग कच्चे घरों की मिट्टी से लीपाई कर पारंपरिक तरीके से घर सजाते हैं। यह हमारी परंपरा और आस्था का प्रतीक है,उन्होंने कहा। बिक्रमगंज मुख्यालय का बाजार, काराकाट, संझौली,सूर्यपुरा,नासरीगंज,दावथ,दिनारा और राजपुर के दुकानों पर भी दीपावली की रौनक साफ झलकने लगी है । मिठाइयों की दुकानों पर भीड़ बढ़ने लगी है और सोने-चांदी के जेवरात,कपड़ों तथा इलेक्ट्रॉनिक सामान की बिक्री में तेजी आ गई है ।समग्र रूप से देखा जाय तो बिक्रमगंज अनुमंडल में दीपावली पर्व को लेकर हर चेहरे पर उमंग,उल्लास और धार्मिक आस्था की चमक दिखाई दे रही है । दीपों की जगमग रोशनी से अनुमंडल का हर कोना रोशन होने को तैयार है।

छात्रों की आवाज अब सदन तक : दरोगा आंदोलन में चर्चित छात्र नेत्री खुशबू पाठक बड़हरा से निर्दलीय मैदान में

केटी न्यूज/आरा

बिहार की सड़कों पर युवाओं के अधिकार की लड़ाई लड़ने वाली और पटना के दरोगा आंदोलन के दौरान जेल जाने वाली चर्चित छात्र नेत्री खुशबू पाठक अब चुनावी मैदान में उतरने जा रही हैं। भोजपुर जिले के बड़हरा प्रखंड के पिपरपाती गांव की रहने वाली खुशबू ने शुक्रवार को ऐलान किया कि वह बड़हरा विधानसभा क्षेत्र से 2025 के चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगी। खुशबू पाठक लंबे समय से बिहार के बेरोजगार युवाओं और छात्रों की आवाज बनी हुई हैं। उन्होंने कई आंदोलनों में नेतृत्व किया है चाहे वो प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितता के खिलाफ प्रदर्शन हो या नियुक्तियों में देरी पर सरकार से सवाल उठाना। उनके अनुसार, सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही छात्र-युवाओं के प्रति असंवेदनशील हैं। कोई भी छात्रों की वास्तविक समस्याओं को लेकर सदन में आवाज नहीं उठाता। इसलिए अब समय आ गया है कि सड़क पर लड़ने वाली आवाज सदन में भी गूंजे। उन्होंने कहा कि बड़हरा विधानसभा से चुनाव लड़ने का निर्णय उन्होंने किसी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से नहीं, बल्कि राज्यभर के छात्रों और युवाओं के आग्रह पर लिया है। यह चुनाव सिर्फ बड़हरा का नहीं, बल्कि पूरे बिहार के छात्रों का चुनाव होगा। खुशबू पाठक ने साफ कहा कि उनका उद्देश्य किसी दल को हराना या जीतना नहीं, बल्कि युवाओं की राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा, हमने देखा कि वर्षों से छात्र मुद्दे सिर्फ भाषणों में रहे हैं। अब हम उन्हें विधान सभा के पटल पर ले जाएंगे। बड़हरा विधानसभा क्षेत्र से खुशबू पाठक की उम्मीदवारी ने स्थानीय राजनीति में नई हलचल मचा दी है। युवा वर्ग और पहली बार वोट देने वाले मतदाता उनके इस फैसले को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। सड़क पर जब हम युवाओं के हक के लिए लड़े, तब लाठी चली, जेल गए। अब समय है कि सदन में जाकर सवाल पूछें आखिर हमारे सपनों का बिहार कब बनेगा।

एक नजर

कार्रवाई : वाहन जांच के दौरान देशी शराब के साथ तीन गिरफ्तार

दिनारा । दिनारा थाना क्षेत्र के बेलवैयां चौक पर पुलिस द्वारा की जा रही वाहन जांच के दौरान तीन व्यक्ति को देसी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया । जानकारी के अनुसार करंज निवासी चंद्रशेखर कुमार, गोविंद कुमार एवं शशिभूषण पांडेय एक ही बाइक ग्लैमर,रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर 44 जे 7440 पर सवार होकर बेलवैयां चौक की ओर आ रहे थे । इसी दौरान जांच में पुलिस ने उनके हाथ में लिए थैले से करीब एक लीटर देसी शराब बरामद की। थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि पूछताछ के बाद तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज करते हुए जेल भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि जांच में प्रयुक्त बाइक को भी जब्त कर लिया गया है ।थानाध्यक्ष ने यह भी कहा कि अवैध शराब के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है और क्षेत्र में शराब तस्करी या सेवन में लिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

विधानसभा चुनाव पर धर्मपुरा पुलिस ने अलर्ट मूड में किया फ्लैग मार्च

नोखा । बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर धर्मपुरा थाना क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से थानाध्यक्ष राकेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल व सीआरपीएफ की संयुक्त टीम द्वारा हथिनी गांवों में फ्लैग मार्च अभियान चलाया गया। थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने थाना क्षेत्र के सभी इलाकों में लगातार गश्ती बढ़ा दी गई है। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण व निष्पक्ष चुनाव कराना हमारी पहली प्राथमिकता है। चुनाव में किसी भी असामाजिक तत्व को माहौल बिगाड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। कानून व्यवस्था को भंग करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जायेगा। जिसके लिए पुलिस बल टीम टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने लोगों से अपील की वे प्रशासन को सहयोग दें और अफवाहों पर ध्यान न दें। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारी,जवानों के साथ सीआरपीएफ के जवान भी पूरी मुस्तैदी के साथ गश्त करते नजर आए।

किसान के घर में घुस बक्से का ताला तोड़ चोरों ने उड़ाया 12 लाख रुपये, प्राथमिकी दर्ज

नोखा । थाना क्षेत्र के जालिम टोला स्थित एक किसान के घर से अज्ञात चोरों ने 12 लाख रुपए की चोरी कर चंपत हो गए। जालीम टोला निवासी शिवजी किसान जो मवेशी खरीद-बिक्री का व्यवसाय करते है। इस संबंध में पीड़ित शिवजी सिंह ने नोखा थाने में अज्ञात के चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करा दी है। उसने कहा कि वह मवेशी खरीद बिक्री का व्यवसाय व कृषि कार्य करता है। जो कुछ दिन पहले जमीन खरीदने के लिए घर में 12 लाख रुपये इकट्ठा कर के रखा था। लेकिन शनिवार की सुबह जब नींद से उठे तो जिस कमरे में रुपये रखा था, उसका ताला टूटा पाया। इसके बाद जब वह कमरे के अंदर देखा तो पेटी (बक्सा) की कुंडी भी टूटी हुई थी और बक्से से 12 लाख रुपये चोरों ने चोरी कर उठा लिया था। चोरी को अंजाम देकर चोरों ने बाहर का दरवाजा भी खुला छोड़ दिया था। हालांकि पीड़ित किसान ने सबसे पहले अपनी पत्नी और बेटे को जगाया और रुपयों की काफी खोजबीन की लेकिन तबतक देर हो चुकी थी। चोरों ने घर का ताला तोड़कर बक्सा से 12 लाख नकदी ले भागे थे। इस संबंध में थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मलकार ने बताया कि अज्ञात चोरों के खिलाफ किसान ने प्राथमिकी दर्ज करा दी है। जिस चोरी मामले में अज्ञात चोरों के खिलाफ अग्रेत्तर कार्रवाई की जा रही है।

मारपीट मामलें में तीन अभियुक्त गिरफ्तार

बिक्रमगंज। पुलिस ने मारपीट मामले में तीन अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के कहुआरा निवासी हरेराम,रवि कुमार पासवान उर्फ रवि रंजन पासवान एवं अजय राम उर्फ अजय कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार तीनों अभियुक्त के विरुद्ध स्थानीय थाना में कांड संख्या 341/25 के आलोक में मारपीट करने का मामला दर्ज था।

थानाध्यक्ष के नेतृत्व में भानस पुलिस ने किया एरिया डोमिनेशन

दिनारा । आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से भानस थानाध्यक्ष विजय बैठा के नेतृत्व में रविवार को थाना क्षेत्र के भुआवल, चिल्हरुआ सहित कई गांवों में पुलिस बल एवं सीआरपीएफ टीम के साथ संयुक्त रूप से एरिया डोमिनेशन अभियान चलाया गया । इस दौरान पुलिस टीम ने ग्रामीणों को शांति बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की । थानाध्यक्ष विजय बैठा ने कहा कि चुनाव को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न कराना पुलिस प्रशासन की पहली प्राथमिकता है । किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि या शरारती तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा । क्षेत्र में लगातार गश्ती, सघन वाहन जांच और एरिया डोमिनेशन अभियान जारी रहेगा ताकि जनता भयमुक्त वातावरण में मतदान कर सके। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस प्रशासन हर गतिविधि पर पैनी नजर रखे हुए है ।

पटना-हावड़ा वंदे भारत ट्रेन पर फिर पथराव, यात्रियों में दहशत

एजेंसी/पटना

वंदे भारत ट्रेन पर लगातार पथराव की घटनाओं ने यात्रियों और रेलवे प्रशासन दोनों की चिंता बढ़ा दी है। ताजा मामला पटना से हावड़ा जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस का सामने आया है। जानकारी के अनुसार, यह घटना बाढ़ और मोकामा के बीच मोर स्टेशन के पास हुई, जहां ट्रेन का ठहराव नहीं है। शरारती तत्वों ने अचानक ट्रेन पर पथराव किया, जिससे सी-13 कोच के गेट का शीशा टूट गया। इस हादसे के बाद यात्रियों में अफरातफरी मच गई और ट्रेन में दहशत का माहौल बन गया। घटना के समय ट्रेन अपनी तेज रफ्तार

से गुजर रही थी। अचानक हुए पथराव की जोरदार आवाज के बाद यात्रियों ने घबराकर तुरंत कंट्रोल रूम को इसकी जानकारी दी। कंट्रोल रूम ने तुरंत मोकामा स्टेशन पर आरपीएफ को सूचना दी। रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने तुरंत जांच शुरू की, हालांकि ट्रेन को रोकने के बजाय इसे समय पर हावड़ा के लिए रवाना किया गया। हावड़ा पहुंचते ही क्षतिग्रस्त शीशा बदल दिया गया।रेलवे अधिकारियों का कहना है कि बाढ़ और मोकामा के बीच यह रूट पहले भी वंदे भारत एक्सप्रेस पर पत्थरबाजी की घटनाओं के लिए जाना जाता है। पहले भी दो बार इसी रूट पर पथराव हो चुका है, जिसके बाद आरपीएफ ने सख्त कार्रवाई करते हुए जागरूकता अभियान चलाया था। लेकिन बावजूद इसके इस बार फिर से यह घटना सामने आई, जिससे रेलवे सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। मोकामा आरपीएफ ने अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि घटना में शामिल लोगों की तलाश की जा रही है और शीघ्र ही उन्हें पकड़ने का प्रयास किया जाएगा। रेलवे प्रशासन यात्रियों की सुरक्षा को लेकर अलर्ट मोड पर है और सभी स्टेशनों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। यात्री सुरक्षा को लेकर विशेषज्ञों का कहना है कि वंदे भारत ट्रेन की तेज रफ्तार और आधुनिक तकनीक के बावजूद इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए रेलवे को और कड़े कदम उठाने होंगे। रेलवे ने सीसीटीवी कैमरों और आरपीएफ पेट्रोलिंग बढ़ाई है, लेकिन इसके बावजूद शरारती तत्व ट्रेन पर पथराव करने में सफल हो रहे हैं। इस घटना के बाद यात्रियों में गुस्सा और चिंता दोनों है। कई यात्रियों ने सोशल मीडिया पर अपने अनुभव साझा किए और कहा कि ट्रेन में अचानक हुए पथराव ने उन्हें डर के माहौल में डाल दिया। यात्रियों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं न केवल उनकी सुरक्षा के लिए खतरा हैं बल्कि रेलवे की प्रतिष्ठा को भी प्रभावित करती हैं। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना कंट्रोल रूम या आरपीएफ को दें। साथ ही रेलवे ने इस रूट पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात करने और मोर स्टेशन के आसपास निगरानी बढ़ाने की योजना बनाई है।

एक नजर

नदी में कपड़ा धोने गई तीन बहनों की डूबने से मौत, गांव में मातम

छपरा। बिहार के छपरा के दिघवारा प्रखंड के अखिलपुर पंचायत स्थित रामदाशचक गांव में शनिवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें एक ही परिवार की तीन सगी बहनों की डूबने से मौत हो गई। घटना के समय आसपास के ग्रामीणों की तत्परता से एक बच्ची की जान बचाई जा सकी, जिससे कम से कम एक परिवार को इस त्रासदी से राहत मिली। मृतक बच्चियों की पहचान भुलेटन महतो की पुत्रियों के रूप में हुई है। जिनमें 11 वर्षीय गुंजन कुमारी, 9 वर्षीय मंतुरानी कुमारी और 7 वर्षीय सपना कुमारी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, दोपहर के समय ये बच्चियां नदी किनारे कपड़ा धोने गई थीं। इसी दौरान वे नदी के गहरे हिस्से में चली गईं और पानी में डूबने लगीं। घटना के दौरान उनकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़े। ग्रामीणों ने किसी तरह एक बच्ची को बाहर निकालने में सफलता पाई, लेकिन दुर्भाग्यवश तीनों बहनों को बचाया नहीं जा सका। ग्रामीणों की कोशिशों के बावजूद गहरे पानी और तेज धारा के कारण तीनों बच्चियों की जान नहीं बचाई जा सकी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने मृतक बच्चियों के परिजनों से पूछताछ की और गांव में सुरक्षा एवं सतर्कता बढ़ा दी। इस हादसे की वजह से पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

मोतिहारी में चिकन पार्टी के बहाने युवक की हत्या, नेपाल से दो आरोपी गिरफ्तार

मोतिहारी। मोतिहारी में चिकेन पार्टी में मर्डर हो गया। पुलिस का कहना है कि पैसे की लालच में हत्या की वारदात को बदमाशों ने अंजाम दिया है। रमाकांत कांड के आरोपी की गिरफ्तारी के बावजूद सस्पेंस बरकरार है। परिजन खून के बदले खून की मांग कर रहे है। घटना मोतिहारी के नगर थाना के बेलवानवा की है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि पताही थाना क्षेत्र के रतनसार गांव के विजय साह के 22 वर्षीय पुत्र रमाकांत को उसका चचेरा भाई 16 वर्षीय सुभग 10 अक्टूबर को मोतिहारी चिकन पार्टी के लिए बुलाकर ले गया था। जब दो दिन तक उसका कहीं पता नहीं चलता है तब परिजनों को शक हुआ। जिसके बाद सुभाष और उसके दोस्त चंदन को नेपाल से पकड़ लाया गया। घर में बंद कर उसकी पिटाई की गयी, जैसे ही इस बात की सूचना पताही थानाध्यक्ष बबन कुमार को हुई वो मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझा बुझाकर पकड़े गए दोनों आरोपी को छुड़ाया और थाने लेकर दोनों को पहुंचे। अगर समय रहते पताही थानाध्यक्ष मौके पर नहीं पहुंचते तो मौब ब्लीचिंग की घटना हो सकती थी, वहाँ पुलिस की तत्परता से एक घटना टल गया। पकड़े गए दोनों आरोपी से पूछताछ किया गया तो सुभाष ने बताया की चंदन का फोन आया कि मोतिहारी आओ चिकन पार्टी देते है, किसी बाइक वाले के साथ आना, हम रमाकांत भाई के साथ साढ़े तीन बजे से चल दिए छह बजे नगर थाना में शांति पूरी चंदन के डेरा पर पहुंचे, जहाँ पहले से राजू बैठा था, रात में चावल और सब्जी बना, सभी कोई रात्रि दस बजे खाना खाये, चंदन बोला की तुम छत पर चले जाओ, जब मैं छत पर गया तब तक मेरे चचेरे भाई की हत्या कर दिया था, इसके आगे चंदन ने बताया की राजू तवा उठाया और रमाकांत के सर पर वार किया तो वह गिर गया, फिर तकिया से मुंह दबा कर उसकी हत्या की, फिर उसी के गमछे से उसका सर बांध कर उसी के बाइक से घटना स्थल से ढाई बजे रात्रि में एक किलोमीटर दूर ले कर पुलिस क्लब के पास पुराने बिल्डिंग में डाल दिया वही से कुछ कचरा और कपड़ा डाल कर उसे जलाने का प्रयास किया, फिर वह से हम तीनों नेपाल भाग गए,

बिहार चुनाव से पहले लालू-तेजस्वी को बड़ा झटका नवादा और रजौली के विधायकों ने दिया इस्तीफा

एजेंसी/पटना

बिहार चुनाव से पहले पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को बड़ा झटका दिया है। राजद विधायक संगीता कुमारी, भरत बिंद, चेतन आनंद के बाद अब दो और विधायकों ने भी अपना इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव को सौंप दिया है। नवादा से विधायक विभा देवी और रजौली (सुरक्षित) से विधायक प्रकाश वीर ने अपना इस्तीफा दिया है। लोकसभा चुनाव के बाद से यह लोग राजद के शीर्ष नेतृत्व से नाराज चल रहे थे। इन दोनों विधायकों की मौजूदगी ने तब और भी ज्यादा सियासी सरगर्मी बढ़ा दी, जब वह गया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम के मंच पर दिखाई दिए। मंच साझा करने के साथ ही इन दोनों नेताओं के राजद से नाता तोड़ने की अटकलों पर मुहर लग गई थी। इधर, इस्तीफा देने के बाद प्रकाश वीर ने बताया कि मैंने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया है। तेजस्वी यादव एक बार नवादा यात्रा पर आए थे, लेकिन उन्होंने हमें आमंत्रित नहीं किया, इसलिए हम नहीं गए। वहां

भीड़ में किसी ने चिल्लाकर कहा, 'तेजस्वी भैया, प्रकाश वीर को हटाओ'। इससे मेरी आत्म-सम्मान को ठेस पहुंची। अब राजद में लौटने का कोई सवाल ही नहीं है।विभा देवी, पूर्व मंत्री और तीन बार के विधायक रहे पूर्व श्रम राज्यमंत्री राजवल्लभ यादव की पत्नी हैं। उन्होंने 2020 में नवादा से राजद के टिकट पर जीत दर्ज की थी। लेकिन 2025 के लोकसभा चुनाव में पार्टी द्वारा श्रवण कुशवाहा को टिकट देने से वह और उनके समर्थक असंतुष्ट हो गए थे। आरोप है कि दोनों ने राजद प्रत्याशी का समर्थन नहीं किया, जिससे पार्टी नेतृत्व, खासकर तेजस्वी यादव, उनसे नाराज हो गए। इस बीच विभा देवी की भारतीय जनता पार्टी के साथ बढ़ती नजदीकी भी चर्चा में रही। अगस्त 2025 में गया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली में उनकी मंच पर मौजूदगी ने राजद में हड़कंप मचा दिया था। पार्टी से टिकट कटने की आशंका और एनडीए से पारिवारिक समीकरणों के चलते उन्होंने इस्तीफा दे दिया। अब वह नवादा सीट से भाजपा या जदयू के टिकट की प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं। पूर्व मंत्री राजबल्लभ यादव की पत्नी और नवादा सदर से राजद विभा देवी ने कहा कि तेजस्वी और उनके कुछ करीबी नेताओं द्वारा उनके और उनके परिवार पर झूठे आरोप लगाए गए। उनके सम्मानित परिवार की छवि को खराब करने की कोशिश की गई। विभा देवी ने कहा कि वह राजनीति में अपना सम्मान बेचकर नहीं आई हैं। उन्होंने कभी घूस नहीं ली और न ही भ्रष्टाचार किया। विभा देवी ने आरोप लगाया कि जब सरकार बनाने-बिगाड़ने का खेल चल रहा था, तब तेजस्वी के साथ रहने वाले उनके कुछ करीबी नेताओं ने उनसे भारी धनराशि की मांग की थी। वह यह रकम नहीं दे सकीं। इसके बावजूद उन्होंने और विधायक प्रकाश वीर ने पार्टी नहीं छोड़ी। जबकि कई नेताओं ने उन्हें पाला बदलने का प्रलोभन दिया था। उन्होंने कहा कि यही उनकी गलती थी कि वह तेजस्वी को गलत काम के लिए पैसा नहीं दे सकीं।

2015 में पहली बार विधायक बने थे प्रकाश वीर

वहीं रजौली के विधायक प्रकाश वीर, जो दलित समुदाय से आते हैं। वह 2015 में पहली बार विधायक बने थे और क्षेत्रीय विकास के मुद्दों पर सक्रिय रहे, लेकिन पार्टी कार्यकताओं और स्थानीय जनता में उनके खिलाफ असंतोष बढ़ता गया। अगस्त में एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें फखऊकार्यकर्ता 'ओ तेजस्वी भैया... प्रकाश वीर को हटाना होगा' के नारे लगा रहे थे। उसी समय से उनके इखढ में शामिल होने की अटकलें शुरू हो गई थीं।

2020 के चुनाव में दोनों ने एनडीए को चुनाव हराया था

बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में नवादा सीट से राजद की विभा देवी ने जीत दर्ज की थी। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार को हराकर यह सीट अपने नाम की थी। वहीं रजौली (सुरक्षित) सीट से भी राजद के ही प्रकाश वीर ने जीत हासिल की थी। दोनों सीटों पर राजद को मजबूत दलित-पिछड़ा और अल्पसंख्यक समर्थन मिला था, जिससे एनडीए को कड़ी टक्कर मिली। इन दोनों सीटों पर राजद की जीत ने मगध क्षेत्र में पार्टी की स्थिति मजबूत की थी।

बिहार विधानसभा चुनाव में खलल की आशंका पर बड़ी कार्रवाई, सहरसा के 7 बंदियों को दूसरे जेल में भेजा गया

एजेंसी/सहरसा

बिहार विधानसभा चुनाव में खलल की आशंका को देखते हुए सहरसा मंडल कारा के सात बंदियों को अन्य जेलों में स्थानांतरित किया गया है। ये कैदी जेल के अंदर से चुनावी माहौल बिगाड़ सकते थे। चुनाव आयोग के निर्देश पर पुलिस और जेल प्रशासन ने कार्रवाई की। बिहार विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर पुलिस प्रशासन हर स्तर पर प्रयास में जुटी हुई है। चुनाव में किसी तरह का खलल नहीं हो, इसके लिए सहरसा मंडल कारा में बंद सात बंदियों को अन्य कारा स्थानांतरण कर भेजा गया है। इनमें ऐसे बंदी शामिल हैं जो जेल के अंदर रहकर भी चुनावी माहौल को खराब कर सकते थे। स्थानीय स्तर पर रहने से जेल के अंदर से भी चुनाव में अपने प्रभाव से खलल डालने की आशंका थी। चुनाव आयोग के निर्देश पर जिला पुलिस और जेल प्रशासन द्वारा ऐसे बंदियों की सूची तैयार कर डीएम से प्रस्ताव

लेकर अन्य जेल स्थानांतरित किया है। सहरसा मंडल कारा में बंद गंगा शर्मा को मंडल कारा जमुई भेजा गया है। अमित पासवान को मंडल कारा अररिया स्थानांतरित किया गया है। भानू मंडल और उदीश यादव को शहीद खुदीराम बोस केंद्रीय कारा मुजफ्फरपुर भेजा गया है। वहीं लीलसागर यादव को विशेष केंद्रीय कारा भागलपुर और विकास कुमार यादव को केंद्रीय कारा बक्सर भेजा गया है। सहरसा मंडल कारा से स्थानांतरित कर भेजे गए इन बंदियों पर संगीन अपराध के मामला दर्ज हैं और आपराधिक संगठन का संचालन करते हैं। अपने क्षेत्र में जेल के अंदर से चुनावी माहौल बिगाड़ सकते थे। इस संबंध में मंडल कारा अधीक्षक निरंजन पंडित ने बताया कि सात बंदियों को वर्तमान में भेजा गया है। जिस पर चुनाव में गड़बड़ी फैलाने की आशंका थी। चुनाव बाद फिर सभी वापस सहरसा जेल आएंगे।

सीएसपी केंद्र संचालक से 5 लाख की लूट, घर के पास ही हुई वारदात, इलाके में मची सनसनी

एजेंसी/मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर में बाइक सवार बेखौफ लुटेरों ने हथियार के बल पर एक बड़ी लूट की घटना को अंजाम दिया। लुटेरों ने सीएसपी केंद्र के संचालक से 5 लाख की लूट की और हल्ला करने पर फायरिंग की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। यह घटना जिले के मिठनपुरा थाना क्षेत्र के जगदीशपुरी मुहल्ले में देर रात हुई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। पीड़ित चक्रेश कुमार जैन ने बताया कि नगर थाना क्षेत्र के इस्लामपुर रोड में उनके बेटे की पीएनबी की सीएसपी केंद्र है। हर दिन का कलेक्शन लेकर रात में घर लौटते हैं। घटना के दिन भी वे अपनी स्कूटी से लौट रहे थे।इसी दौरान घर के पास की गली के मोड़ पर बाइक पर सवार दो बदमाश आए और कहा, ह्लबैग लाओ, नहीं दोगे तो गोली मार देंगे।ह्व इसके बाद बदमाशों ने उन्हें धक्का देकर गिरा दिया। फिर एक और बाइक पर आए लुटेरों ने रुपयों का बैग और घर के लिए लाए सामान लेकर फरार हो गए। इसके बाद पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और पूछताछ की। पूरे मामले में एसडीपीओ टाउन वन सुरेश कुमार ने बताया कि घटना देर रात करीब 10 बजे हुई। सीएसपी केंद्र के संचालक अपने कलेक्शन को लेकर घर लौट रहे थे, तभी बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें निशाना बनाया। पुलिस अब अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

रुपए के लेन-देन में महिला के सिर में मारी गोली, शव को सड़क किनारे खेत में फेंका

एजेंसी/नालंदा

नालंदा जिले के चंडी थाना क्षेत्र में एक गंभीर घटना सामने आई है। कोयल बीघा से पहाड़पुर जाने वाले रास्ते के किनारे शनिवार को एक महिला का शव बरामद हुआ। महिला को दो गोली मारी गई थी, जिससे इलाके में भारी सनसनी फैल गई। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, बिहार शरीफ भेज दिया। मृतक महिला की पहचान गंगा बीघा गांव निवासी 55 वर्षीय सरिता देवी के रूप में हुई है। वह रामप्रवेश यादव की पत्नी और विपीन कुमार की मां थीं। मृतक के बेटे विपीन कुमार ने बताया कि उनकी मां को शनिवार दोपहर लगभग 3 बजे घर से किसी काम के बहाने बुलाया गया था। बुलाने वाली जीविका की सीएम रेखा देवी थीं। इसके बाद सरिता देवी देर रात तक घर नहीं लौटी। परिजनों ने रातभर खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। रविवार की सुबह खेत की ओर टहलने निकले लोगों ने

रास्ते के किनारे महिला का शव पड़ा देखा। सूचना मिलने पर परिजन और पुलिस मौके पर पहुंचे और शव की पहचान सरिता देवी के रूप में की गई। विपीन कुमार ने आरोप लगाया कि उनकी मां ने जीविका की सीएम रेखा देवी को ढाई लाख रुपये का लोन दिया था। पिछले एक महीने से रेखा देवी लगातार पैसे की मांग कर रही थी। विपीन कुमार का दावा है कि इसी कारण उनकी मां को बहाने से बुलाकर हत्या की गई। घटना की सूचना पाकर चंडी थाना पुलिस और हिलसा एएसपी शैलजा मौके पर पहुंची। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की तफ्तीश शुरू कर दी गई है। एएसपी शैलजा ने कहा कि आरोपी जल्द ही गिरफ्तार किए जाएंगे और पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। यह घटना नालंदा जिले में महिलाओं की सुरक्षा और कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। स्थानीय प्रशासन ने परिजनों को न्याय दिलाने के लिए हर संभव कदम उठाने का आश्वासन दिया है।

निवेशको को जागरूक करने और शेयर बाजार से जुड़े मिथकों को दूर करने के लिए हुआ कार्यशाला का आयोजन

एजेंसी/सहरसा

बिहार की राजधानी पटना के ऊर्जा स्टेडियम में आज मार्च विथ मार्केट कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में निवेशकों, युवाओं और आम नागरिकों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में IIFL सिक्योरिटीज लिमिटेड के वरिष्ठ निदेशक और प्रसिद्ध मार्केट एनालिस्ट श्री संजीव भसीन शामिल हुए। इनके साथ स्पेशल गेस्ट के रूप में निरंजन मूंधड़ा, शंभू सिंह, संदीप सिंह, अभिजीत सिंह एवं कमलेश द्विवेदी मौजूद थे. कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को निवेश की शिक्षा देना और शेयर बाजार से जुड़े

मिथकों को दूर करना था। कार्यक्रम की शुरूआत संजीव भसीन के प्रेरक संबोधन से हुई, जिसमें उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपनी asset allocation यानी निवेश को विभिन्न क्षेत्रों में बाँटने की समझ होना जरूरी है। सोना, फिक्स्ड इनकम, रियल एस्टेट और इक्विटी – सबमें संतुलन बनाकर चलना ही समझदारी है।ह्व उन्होंने कहा कि भारत में वित्तीय शिक्षा की कमी सबसे बड़ी चुनौती है और इसका असर आम लोगों की बचत और निवेश क्षमता पर पड़ता है। भसीन ने कहा कि हमारा उद्देश्य सिर्फ लोगों को शेयर बाजार में निवेश के लिए प्रेरित करना नहीं है, बल्कि उन्हें यह सिखाना है कि कहां, कब और कितना निवेश करें। पैसा तभी बढ़ता है जब उसे सही जगह लगाया जाए। हम चाहते हैं कि हर घर में वित्तीय साक्षरता बढ़े और लोग समझदारी से अपनी संपत्ति का प्रबंधन करें।ह्व उन्होंने कहा कि भारत की अगली पीढ़ी को compound growth और financial discipline की समझ होनी चाहिए ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। कार्यक्रम में महिला निवेशकों की भी सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम के आयोजक सूरज सिंह ने कहा कि हर भारतीय नारी की यही सोच होती है कि घर का बजट कैसे चले, बचत कैसे बढ़े और भविष्य सुरक्षित कैसे हो। कोविड के बाद यह बात साफ हुई कि घर बैठे-बैठे भी निवेश किया जा सकता है। स्टॉक मार्केट अब सिर्फ बड़े लोगों की चीज नहीं रही, यह हर घर की बात बन चुकी है।ह्व उन्होंने महिलाओं को निवेश के क्षेत्र में आगे आने की प्रेरणा दी और कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता ही सशक्तिकरण की असली कुंजी है। कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञों ने चेताया कि आज भी कई लोग बिना जानकारी के दूसरों की सलाह पर पैसा लगा देते हैं, जिससे नुकसान उठाना पड़ता है। वक्ताओं ने कहा कि निवेश करने से पहले सलाहकार का background check करना बेहद आवश्यक है और किसी भी निर्णय से पहले खुद अध्ययन करना चाहिए। उन्होंने बताया कि Suraj Wealth जैसी संस्थाएं निवेशकों को यह सिखा रही हैं कि कौन-सी रणनीतियाँ सही हैं और कौन-सी गलत, ताकि आम निवेशक ठगी या गलत सलाह से बच सकें। कार्यक्रम में मौजूद सैकड़ों लोगों ने सवाल-जवाब सत्र में हिस्सा लिया और स्टॉक मार्केट, फॉरेक्स ट्रेडिंग, डिजिटल इन्वेस्टमेंट और दीर्घकालिक निवेश योजनाओं पर चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने कहा कि बिहार में इस तरह के वित्तीय जागरूकता अभियान आगे भी जारी रहेंगे ताकि हर नागरिक निवेश के महत्व को समझ सके और आर्थिक रूप से मजबूत बन सके।

सुभाषितम्

सुप्रीम कोर्ट का जूता कांड : सिक्योरिटी और दिल्ली पुलिस पर सवालिया निशान

सुप्रीम कोर्ट जैसी सर्वोच्च संस्था में सुप्रीम कोर्ट के वकील द्वारा जूता फेंके जाने की घटना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है। बल्कि यह लोकतांत्रिक व्यवस्था, न्यायपालिका की गरिमा और प्रशासनिक जवाबदेही पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। यह घटना केवल एक व्यक्ति की मूर्खता और उत्तेजना का नहीं, बल्कि उस पूरे सिस्टम की लापरवाही का प्रतीक है, जो देश की सर्वोच्च अदालत की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पा रहा। सुरक्षा व्यवस्था भी अब राजनीति की भेंट चढ़ चुकी है। दिल्ली पुलिस सीधे तौर पर गृह मंत्रालय के अधीन आती है। सुप्रीम कोर्ट परिसर की सुरक्षा का दायित्व भी केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों और दिल्ली पुलिस पर है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है। सुरक्षा व्यवस्था में इतनी बड़ी चूक कैसे हुई? जब देश का सर्वोच्च न्यायालय और उसके मुख्य न्यायाधीश सुरक्षित नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट में रोजाना देश के सबसे संवेदनशील और उच्च-प्रोफाइल मामलों की सुनवाई होती है। उसको लेकर सुरक्षा व्यवस्था में जो लापरवाही की गई है वह बर्दाश्त करने योग्य नहीं है। यह न केवल सुरक्षा की विफलता है, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था की नाकामी भी है। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की खामोशी इस घटना को अधिक संदिग्ध बनाती है। दिल्ली पुलिस की भूमिका भी चर्चाओं में है। यह कोई साधारण कोर्टरूम नहीं था। वह स्थान था, जहां संविधान की आत्मा और न्याय के लिए बड़े संवेदनशील फैसले सुनाए जाते हैं। फिर भी गृह मंत्रालय ने कोई ठोस कार्यवाही नहीं की है। ना ही दिल्ली पुलिस ने इस अपराध पर कोई मामला दर्ज किया है। सुप्रीम कोर्ट की सिक्योरिटी में जो बल तैनात था, उन्होंने भी अपनी ओर से दिल्ली पुलिस में आपराधिक मामला दर्ज नहीं कराया। सभी ने इस मामले में चुप्पी साध रखी है। इस चुप्पी से जनता में यह धारणा बन रही है, सरकार इस मुद्दे को हल्के में ले रही है। सरकार इस मामले से अपने आप को बचाना चाहती है। जिसके कारण सुरक्षा में चूक तथा आरोपी के खिलाफ कार्यवाही को लेकर सरकार बचना चाहती है, यह संदेश जा रहा है। जब आरोपी के अपराध को तय ही नहीं किया जा सकेगा और उसे सजा ही नहीं मिलेगी तो आगे इस तरह की घटनाओं को कैसे रोका जा सकेगा। सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की ओर से यह तर्क दिया जा रहा है, क्षुब्ध न्यायाधीश ने अपराधी को माफ कर दिया है। जो कानूनी रूप से सही नहीं है। माफी देने का अधिकार किसी न्यायाधीश के पास नहीं होता है। यह अधिकार केवल राष्ट्रपति के पास है। यदि अपराध हुआ है, तो कार्यवाही करना सरकार और पुलिस की संवैधानिक जिम्मेदारी है। यहां तो मामला न्यायपालिका के सर्वोच्च अधिकारी और सर्वोच्च संस्था की गरिमा की रक्षा से जुड़ा हुआ है। इस घटना से जाहिर है, समाज में असहिष्णुता और संस्थाओं के प्रति सम्मान और विश्वास का स्तर तेजी से गिर रहा है। जब देश की सर्वोच्च न्यायिक संस्था और सर्वोच्च अधिकारी पर हमला हो सकता है, तो ऐसी स्थिति में भारत में कौन सुरक्षित है, इसको आसानी से समझा जा सकता है। यह लोकतंत्र की जड़ों पर करारा प्रहार है। यदि भविष्य में इसे नहीं रोका गया तो इसके दुष्परिणाम सारे देश को भोगना पड़ सकते हैं। सरकार को तुरंत इस मामले में अपराधिक प्रकरण दर्ज कराकर दोषी व्यक्ति के ऊपर कार्यवाही करनी चाहिए। जो कुछ हुआ वह सबके सामने हुआ। जिसने किया वह भी सुप्रीम कोर्ट का वकील है। वह सारे नियम, कायदे कानून को जानता है। जो अपराध उसने किया है। उस पर बिना किसी भेदभाव के निष्पक्ष कार्यवाही तुरंत करनी चाहिए। सुरक्षा व्यवस्था की पूरी समीक्षा करनी चाहिए। सरकार और दिल्ली पुलिस की यह चुप्पी, कार्यवाही के मामले में ढिलाई एक "जूता कांड" बनकर रह जाएगा। यह सरकार और संस्थागत कमजोरी का प्रतीक माना जाएगा। कानून के शासन के स्थान पर इस भीड़ तंत्र का शासन मान लिया जाएगा।

चिंतन-मनन

अनंत शक्तियों का स्वामी हैं हमारा मन

हमें यह बात हमेशा ध्यान में रखना चाहिए कि मन का परमात्मा के साथ घनिष्ठ संबंध है। मन और ब्रह्म दो भिन्न वस्तुएं नहीं हैं। ब्रह्म ही मन का आकार धारण करता है। अतः मन अनंत और अपार शक्तियों का स्वामी है। मन स्वयं पुरुष है एवं जगत का रचयिता है। मन के अंदर का संकल्प ही बाह्य जगत में नवीन आकार ग्रहण करता है। जो कल्पना चित्र अंदर पैदा होता है, वही बाहर स्थूल रूप में प्रकट होता है। सीधी-सी बात है कि हर विचार पहले मन में ही उत्पन्न होता है और मनुष्य अपने विचार के आधार पर ही अपना व्यवहार निश्चित करता है। अगर मन में विचार ही न हों तो फिर क्रियान्वयन कहां से आएगा। शायद इसीलिए कहा गया है कि मन के जीते जीत है और मन के हारे हार। मन का स्वभाव संकल्प है। मन के संकल्प के अनुरूप ही जगत का निर्माण होता है। वह जैसा सोचता है, वैसा ही होता है। मन जगत का सुप्त बीज है। संकल्प द्वारा उसे जागृत किया जाता है। यही बीज, पहाड़, समुद्र, पृथ्वी और नदियों से युक्त संसार रूपी वृक्ष उत्पन्न करता है। यही जगत का उत्पादक है। सत, असत एवं सदसत आदि मन के संकल्प हैं। मन ही लघु को विभु और विभु को लघु में परिवर्तित करता रहता है। मन में सृजन की अपार संभावनाएं स्वयं द्वारा ही निर्मित की हुई हैं। मन स्वयं की स्वतंत्रतापूर्वक शरीर की रचना करता है। देहभाव को धारण करके वह जगत रूपी इंद्रजाल बुनता है। इस निर्माण प्रक्रिया में मन का महत्वपूर्ण योगदान है। मन का चिंतन ही उसका परिणाम है। यह जैसा सोचता है और प्रयत्न करता है, वैसा ही उसका फल मिलता है। मन के चिंतन पर ही संसार के सभी पदार्थों का स्वरूप निर्भर करता है। दृढ़ निश्चयी मन का संकल्प बड़ा बलवान होता है। वह जिन विचारों में स्थिर हो जाता है, परिस्थितियां वैसी ही विनिर्मित होने लगती हैं। जैसा हमारा विचार होता है, वैसा ही हमारा जगत

विजयाराजे सिंधिया: संघर्षों के सहारे बना विराट व्यक्तित्व

- मुकेश तिवारी

12 अक्टूबर की तारीख एक बार पुनः राजमाता जी की स्मृति को ताजा कर रही है, राजमाता विजयराजे सिंधिया यानी कि एक सर्वथा अनोखी शख्सियत काफी लंबे अंतराल तक लोगों के दिल और दिमाग पर छाई रहने वाली इस महिला की लोकप्रियता को संसार का कोई पैमाना नहीं बांध सका है ।राजमाता जी ने संघर्षों के सारे अपने व्यक्तित्व को एक विशाल आकार दिया। तमाम सारी रुकावटों को नजर अंदाज कर आगे बढ़ती जाने वाली राजमाता विजय राजे सिंधिया आज हमारे बीच नहीं है लेकिन उनकी याद एक खुशबू की तरह माहौल में समाई हुई है, राजमाता विजया राजे सिंधिया का जन्म 12अक्टूबर 1919 को उनके ननिहाल सागर में हुआ था, उनके पिता महेंद्र सिंह जालौन के डिप्टी कलेक्टर हुआ करते थे। वे अपने पिता की सबसे बड़ी संतान थी ।दरअसल में उनके जन्म के 9 दिन पश्चात ही उनकी मां चूड़ा देवेश्वरी का सन्निपात ज्वर के कारण निधन हो गया था ।ऐसी विषम परिस्थिति में लेखा दिव्येश्वरी का बाल्यकाल ननिहाल में ही गुजरा ।यहीं पर उनकी प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा हुई बाल्यकाल में इनका नाम लेखा था। इनका उक्त नाम इनकी नानी धन कुमारी ने रखा था ।हालांकि उन्होंने कभी भी इस नाम से उन्हें संबोधित नहीं किया और न ही परिवार के किसी सदस्य ने इस नाम से उन्हें कभी पुकारा ,नानी हमेशा लेखा दिव्येश्वरी को नानी कहकर ही बुलाती रही, नेपाल की भाषा की लोकभाषा में नानी का अर्थ होता है आंख की पुतली लेखा दिव्येश्वरी को नानी कहकर बुलाने के पीछे नाना नानी का यही अभिप्राय था,इनकी मां का निधन होने के पश्चात लेखा दिव्येश्वरी का लालन-पालन नाना -नानी की देखरेख में इनकी ननिहाल सागर में हुआ। सागर के नेपाल हाउस में रहकर उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा ग्रहण की । हालांकि लेखा दिव्येश्वरी कि मां चूड़ा दिव्येश्वरी के देहांत के पश्चात उनके पिता ने उन्हें अपने साथ जालौन ले जाने कि अभिलाषा जाहिर की ,लेकिन इनके नाना -नानी इसके लिए राजी नहीं हुए,इस बात को लेकर कोर्ट कचहरी तक की नौबत आ गई । अंततः आपसी सहमति से यह तय हुआ कि ये 7 साल की होने तक लेखा नाना- नानी की देखरेख में सागर में ही रहेगी लेकिन दुर्भाग्यवश जब लेखा महज 2 वर्ष की थी ।तभी नाना का निधन हो गया।लेखा दिव्येश्वरी की नानी धनकुमारी धार्मिक आस्थाओं से ओतप्रोत एक सौम्य व सरल महिला थी।इस कारण लेखा का लालन-पालन धार्मिक वातावरण में हुआ ।उन्होंने बाल्यकाल से ही लेखा दिव्येश्वरी को यही संस्कार दिए,नानी के संस्कारों में दीक्षित होकर वे उन्हीं की तरह धर्म प्राण बन गई ।यद्यपि लेखा दिव्येश्वरी नानी जितने व्रत तो नहीं किया करती थी लेकिन चतुर्मास में शाकाहारी भोजन करने लगती थी। मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात लेखा दिव्येश्वरी ने बनारस के बेसेंट कॉलेज में दाखिला लिया ।जहां सादा जीवन उच्च विचार का उसूल अमल में लाया जाता था ।यहां से प्रेरित होकर उन्होंने फ्रांस और इटालियन से आयातित कपड़ों को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया ।जब लेखा दिव्येश्वरी के पिता का झांसी से मिजार्पुर स्थानांतरण हो गया तो उन्होंने लेखा दिव्येश्वरी का दाखिला आजमा बेला थाबर्न महिला कॉलेज लखनऊ में करा दिया। ,लेकिन वे यहां से बी ए की परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर सकी क्योंकि ननिहाल और घर में उनके विवाह की तैयारियां प्रारंभ हो जाने के कारण उन्हें पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी ।नेपाल हाउस सागर में पली-बढ़ी लेखा दिव्येश्वरी की शादी 21 फरवरी 1941को मराठा रीति रिवाज से ग्वालियर रियासत के अंतिम शासक जीवाजी राव सिंधिया के साथ सरस्वती महल में संपन्न हुई ।,हालांकि इनकी शादी का सिंधिया रियासत के मराठा सरदारों ने खुलकर काफी विरोध किया ।लेकिन जीवाजी राव सिंधिया ने विरोध की कतई परवाह नहीं की ।शादी के पश्चात वे सिंधिया राजघराने की परंपरा के मुताबिक लेखा दिव्येश्वरी से महारानी विजया राजे सिंधिया के नाम से चर्चित हुई ।शादी के पश्चात उन्होंने 5 बच्चों को जन्म दिया,23 फरवरी 1942 को उन्होंने पहली पुत्री पद्मा राजे को जन्म दिया 31 अक्टूबर 1943 को उषा राजे और 10 मार्च 1945 को माधवराव सिंधिया को जन्म दिया इसके पश्चात 1953 में वसुंधरा राजे और 1954 में यशोधरा जी को जन्म दिया, राजमाता विजया राजे सिंधिया के पति जीवाजी राव सिंधिया कांग्रेस के कट्टर आलोचक थे । राजमाता सिंधिया कैलाश वासी पति जीवाजी राव सिंधिया ने भारत संघ में ग्वालियर राज्य का विलय करते समय चौवन करोड़ रुपए की विपुल धनराशि का कोष सरदार बल्लभभाई पटेल को सौंपा था ।ग्वालियर में उस दौर में हिंदू महासभा का काफी दबदबा था ,स्थानीय कांग्रेसी इस बात से काफी घबराए हुए थे ।कि ग्वालियर के महाराज कहीं प्रतिपक्ष के उम्मीदवार को चुनाव में अपना समर्थन न दे दे, आखिरकार राजमाता विजया राजे सिंधिया ने जवाहरलाल नेहरू के दवाब में 1957में कांग्रेस से अपनी राजनीतिक पारी की शुरूआत की। गुना संसदीय क्षेत्र से नामांकन पर्चा दाखिल कर उन्होंने अखिल भारतीय हिंदू महासभा के अध्यक्ष बी जी देश पांडे को पराजित किया, हालांकि गुना से लगी हुई दोनों सीटें पर हिंदू महासभा के उम्मीदवार ने जीत हासिल की। यह इस बात का प्रमाण है कि यदि राजमाता विजय राजे सिंधिया कांग्रेस की प्रत्याशी न होती तो कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया होता। राजमाता सिंधिया ने हिंदू महासभा को कमजोर करने के लिए पूरी ताकत लगा दी हालांकि आगामी सालों में इस क्षति की पूर्ति करने के लिए काफी परिश्रम करना पड़ा ।एक दौर ऐसा भी आया कि जब वे राजनीति को पीछे छोड़ अपने पति और बेटे बेटियो में मगन हो गई , इसी दौरान उनके पति की डायबिटीज में इजाफा हो गया और दुर्भाग्य से महज 45 वर्ष की आयु में 9 जून 1961 को उनका मुंबई में देहावसान हो गया ,जिस वक्त उनके पति जीवाजी राव सिंधिया का निधन हुआ उनके इकलौते पुत्र माधवराव की आयु महज 16 वर्ष की थी। पति के निधन के पश्चात वे महारानी से राजमाता बन स्वेत वस्त्र में विधवा का जीवन बिताने लगी। उन्होंने अपनी तमाम सारी इच्छाओं को तिलांजलि देकर धर्म को ही अपना ध्येय बनाया। हालांकि जब परिस्थितियों ने मोड़ लिया तो वे बिना किसी हिचकिचाहट के राजनीति के महासमर में कूद पड़ी और अपना अधिकांश वक्त राजनीति को देने लगी ।लेकिन धार्मिक कार्य पूजा-पाठ में कोई कमी नहीं आई ।इसी बीच मध्य प्रदेश की तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ कैलाश नाथ काटजू पंडित जवाहरलाल नेहरू का संदेश लेकर राजमाता के पास आए कि वे देश सेवा में पूर्ववत जुटी रहे ।आप की सहूलियत के लिए आपका निर्वाचन क्षेत्र गुना से बदलकर ग्वालियर कर दिया गया है ।नेहरू जी के द्वारा, राजमाता विजयाराजे सिंधिया स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय राजनीति में सक्रिय हो गई थी वर्ष 1957 में दूसरी लोकसभा के लिए सांसद चुनी गई थी।

आजम दरबार में क्यों पहुंचे अखिलेश यादव?

- प्रभुनाथ शुक्ल

प्रदेश की राजनीति में नए क्षितिज उभर रहे हैं। राज्य विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर सत्ता और विपक्ष अपनी-अपनी कमर कसता दिख रहा है। हालांकि अभी चुनाव में वक्त है, लेकिन राजनैतिक दल माहौल बनाना शुरू कर दिया है। भाजपा जहां सत्ता खोना नहीं चाहती वहीं उत्तर प्रदेश का मुख्य विपक्षीय दल समाजवादी पार्टी, पीडीए को साधने में जुटा है। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी का बेहतर प्रदर्शन रहा था। इस प्रदर्शन ने भारतीय जनता पार्टी की नींद उड़ा दिया था। समाजवादी पार्टी अगर यही प्रदर्शन दोहराती है तो विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए मुश्किल खड़ी हो सकती है। अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी को मजबूत करने के लिए जूटे हैं और सत्ता पक्ष के काम का अक्सर विरोध करते दिखते हैं। आजम खान की जेल से रिहाई के बाद अखिलेश यादव खुद रामपुर जाकर उनसे मिले। इसके पीछे तर्क दिया जा रहा था कि आजम खान समाजवादी पार्टी से नाराज है और वह बसपा में जा सकते हैं। इन सब अटकलें को देखकर अखिलेश यादव को आखिर आजम खान के दरबार में माथा टेकना पड़ा। आजम खान के सियासी शरण में जाना अखिलेश यादव की मजबूरी है। क्योंकि उत्तर प्रदेश में मुस्लिम और पिछड़ा वर्ग ही उनका जनाधार है। पिछड़ा वर्ग में भी सभी जातियों को हम शामिल नहीं कर सकते हैं। लेकिन यादव और मुसलमान अखिलेश के साथ खड़े रहते हैं। आजम खान समाजवादी पार्टी के बड़े चेहरे हैं। समाजवादी पार्टी से अगर आजम खान किनारा करते तो अखिलेश यादव की राजनीतिक पकड़ बेहद कमजोर हो जाती। ऐसी स्थिति में मुस्लिम वोट बैंक को साधने के लिए आजम शरणम गच्छामि होना पड़ा। 2011 जनगणना के अनुसार, मुसलमानों की कुल आबादी तकरीबन 20 फिसदी है। 2025 अनुमान है कि यह आबादी तकरीबन साढ़े चार करोड़ पहुंच जाएगी। सबसे अहम सवाल उठता है कि क्या मुसलमान आजम खान को अपना नेता मानता है। हालांकि यह कहना पूरी तरह से गलत होगा कि यूपी का मुसलमान आजम के साथ पूरी तरह खड़ा है। मुसलमान में कई नेता है और सबके अपने-अपने समर्थक। सिर्फ आजम खान के इशारे पर मुसलमान नहीं खड़ा होगा। हालांकि उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुसलमानों की अहमियत को सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता है। इसकी वजह है कि प्रदेश के सभी राजनीतिक दल मुसलमान वोट बैंक साधने के लिए उनके साथ खड़े रहते हैं। हालांकि यह भी सच है मुसलमान भारतीय जनता पार्टी को भी पड़े पैमाने वोटिंग करता है। भाजपा साल 2017 के चुनाव में पश्चिम के मुस्लिम बहुल इलाकों में भी हुआ अपना परचम लहरा चुकी है। उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में तकरीबन 55 से 60 सीटों के आसपास मुसलमान का दबदबा है। साल 2017 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने यहां कल 82 सीटों में 62 पर विजय हासिल किया था। यह चौंकाने वाला आंकड़ा था और राजनीतिक विश्लेषकों को चक्कर में डाल दिया था मुस्लिम सभी सियासी मिथक को तोड़ते हुए भारतीय जनता पार्टी के साथ खड़े मिले। उत्तर प्रदेश की लोकसभा में 80 सीटों में तकरीबन 20 से 22 सीटों पर मुसलमानों का प्रभाव है। इसमें सहारनपुर बिजनौर, मुरादाबाद, अमरोहा, संभल और मुजफ्फरनगर एवं रामपुर जैसे संसदीय इलाके शामिल। यही कारण है कि अखिलेश यादव को आजम खान से मिलने रामपुर हवेली जाना पड़ा। समाजवादी पार्टी से अगर मुस्लिम नाराज होता है तो उसके लिए बड़ी चुनौती होगी। सवाल यह भी है कि वह नाराज होकर भी कहाँ जाएगा। लेकिन पूरा मुसलमान सिर्फ समाजवादी पार्टी के साथ है ऐसा कहना भी मुश्किल है। वह मायावती की बहुजन समाज पार्टी और भाजपा के साथ भी खड़ा मिलता है। चुनाव में यह भी ट्रेंड देखा गया है कि मुसलमान परिस्थितियों को देखते हुए अपनी वोटिंग करता है। उत्तर प्रदेश में उधर एक और सियासी घटना ने सपा के लिए नई चुनौती का जन्म दिया है। लखनऊ में काशीराम परिनिर्वाण दिवस पर बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती की तरफ से आयोजित रैली से समाजवादी पार्टी की नींद उड़ गई है। उधर दलितों का मसीहा बनने की कोशिश कर रहे चंद्रशेखर आजाद रावण भी उलझन में है। क्योंकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी कमजोर स्थिति में नहीं। तकरीबन 10 साल बाद मायावती की राजनीति सक्रियता ने उनके सपने पर पानी डाल दिया है। लखनऊ में उमड़ी दलितों की भीड़ ने साबित कर दिया है कि मायावती में दलित पूरी तरह आस्था रखता है। बसपा कैडर बेस पार्टी है बगैर प्रचार के इतनी भारी भीड़ सब की नींद उड़ा दी है। मायावती ने जहां भाजपा की जमकर प्रशंसा किया वहीं अखिलेश यादव पर निशान साधा और उनकी सरकार में किए गए कार्यों को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि दलितों के साथ समाजवादी पार्टी सरकार ने दोगली राजनीति की। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर मायावती की सक्रियता ने अखिलेश यादव के पीडीएफ फामूर्ले को झटका दिया है। मायावती की कुछ वर्षों की निष्क्रियता से भाजपा केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के बदौलत दलित को अपनी तरफ मोड़ने में कुछ कमयाब दिखीं। हालांकि जमीनी सच्चाई यही है इस भीड़ से बसपा और दलित भले खुश हों की बसपा तेजी से उभर रहीं है लेकिन सिर्फ दलित वोट से वह राजनीति में वापसी नहीं कर सकती। क्योंकि मौजूदा वक्त गठबंधन का दौर है और भारतीय जनता पार्टी इसमें सबसे सशक्त दिखाई पड़ती है। केंद्र और राज्य में उसकी सत्ता होने से इसका सीधा लाभ मिल रहा है। छोटे दल भाजपा की सत्ता में सहभागी बनकर मलाई काट रहे हैं।

जब गंगा तट पर मां संस्कृत की गोद में जा बैठी बेटी हिंदी!

- डॉ श्रीगोपाल नारसन

देवभूमि उत्तराखंड की पवित्र नगरी हरिद्वार के गंगा तट पर 10 अक्टूबर को एक अजीब संयोग हुआ ।सर्वभाषाओ की जननी मां संस्कृत के घर उत्तराखंड संस्कृत अकादमी परिसर में बिहार की धरती से बेटी हिंदी, विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ के रूप में न सिर्फ पधारी बल्कि पहले मां संस्कृत को आत्मसात किया और फिर देशभर से आए हिंदी सेवियों का पलक पावड़े बिछाकर अभिनन्दन किया ।सन 800 ईसवी में स्थापित इस पुरातन हिंदी विश्वविद्यालय को वर्तमान में विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ के रूप में जाना जाता है ।उत्तराखंड शासन के संस्कृत शिक्षा निदेशक डॉ आनन्द भारद्वाज की मेजबानी में विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ भागलपुर ,बिहार का वार्षिक अधिवेशन व सम्मान समारोह उत्तराखंड संस्कृत अकादमी हरिद्वार के आडिटोरियम में किया गया ।संस्था के उपकुलसचिव डॉ प्रेमचंद पांडेय के संचालन में मुख्य अतिथि उत्तराखंड सरकार के राज्य मंत्री श्यामवीर सैनी रहे,जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में देहरादून ब्रह्माकुमारीज सब जोन इंचार्ज राजयोगिनी बीके मंजू दीदी ने भागीदारी की ।विद्यापीठ के कुलपति डॉ दयानन्द जायसवाल, माउंट आबू ब्रह्माकुमारीज मुख्यालय से पधारे प्रोफेसर सतेंद्र भाई,दिल्ली से आए डॉ विनोद बब्बर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर अधिवेशन का आगाज किया ।रुड़की गीतकार अनिल अमरोही ने सरस्वती वंदना व विद्यापीठ का कुलगीत पढ़कर जहां वाहवाही बटोरी,वही अपने स्वागत उदबोधन में उत्तराखंड संस्कृत अकादमी के सचिव व संस्कृत शिक्षा निदेशक डॉ आनन्द भारद्वाज ने कहा कि संस्कृत भाषाओं की जननी है तो हिंदी उसकी बेटी और आज हिंदी रूपी बेटी विद्यापीठ के रूप में अपनी मां संस्कृत से मिलने भागीरथी नगरी हरिद्वार पधारी है ।उन्होंने कहा कि पुरातन काल से विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ देश दुनिया मे हिंदी की अलख जगा रही है और हिंदी के साहित्यकारों का सारस्वत सम्मान कर उन्हें प्रोत्साहित कर रही है ।मात्र 3 माह में 3 हिंदी पुस्तकें लिखने में सफल हुई शिखा शर्मा की तीनो पुस्तकों आत्म मंथन,श्रीगोपाल काव्यधारा में अध्यात्म व दादी और विभव का विमोचन भी संस्कृत हिंदी रूपी मां बेटी के मंच पर किया गया। इस पवित्र धरा पर मां सरस्वती के पुत्र व पुत्रियों को सारस्वत सम्मान मिलना बेहद सुखद रहा ।इस अवसर पर मौजूद ब्रह्माकुमारीज संस्था के भाई बहनों की रूहानियत व ईश्वरीय सेवा युक्त उपस्थिति से सभी आध्यात्मिक लो में सराबोर हो गए ।राज्य मंत्री श्यामवीर सैनी ने हिंदी सेवा के लिए विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ को भारत का गौरव बताया तो विशिष्ट अतिथि राजयोगिनी बीके मंजु दीदी ने आत्म स्वरूप में रहकर परमात्मा तक पहुंचने की राजयोग विधा की जानकारी दी और कहा ,यही इंसान से देवता बनने का मार्ग भी है ।इस अवसर पर कवि सम्मेलन का आगाज रुड़की के वरिष्ठ कवि सुरेंद्र कुमार सैनी ने अपनी गजल से किया ।कार्यक्रम में देहरादून से आए कुंवर राज आस्थाना, छत्तीसगढ़ से वन्दना गोपाल शर्मा,करनाल से रमेश सैनी,मुजफ्फरनगर से सविता वर्मा गजल, पूर्व प्रधानाचार्य घनश्याम गुप्ता,पूर्व प्रधानाचार्य अशोक शर्मा आर्य,नवीन शरण निश्चल,अजय शर्मा,प्राचार्य हेमंत तिवारी, मनु शिवपुरी, बीके सुशील भाई,बीके मीना दीदी व बीके गीता दीदी,अकादमी के शोध अधिकारी हरिश्चंद्र गुरुरानी,किशोरी लाल रतूड़ी,आचार्य भानुमित्र शर्मा समेत संस्कृत हिंदी के नामचीन साहित्यकारों ने संस्कृत -हिंदी के इस मिलन को एक ऐसा यज्ञ बताया जिसकी सुगन्ध देर तक देश दुनिया मे रहेगी।

आज का राशिफल

मेष आपको सतर्क रहना होगा और किसी भी प्रकार के अनावश्यक खर्चों से दूरी बनाकर रखें।

तुला आज व्यापार के मामले में आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात हो सकती है।

वृषभ आज कार्यक्षेत्र में कामकाज के सिलसिले में आपको ज्यादा व्यस्त रहना पड़ सकता है।

वृश्चिक कार्यक्षेत्र में आप अपनी जिम्मेदारियों को सफलतापूर्वक पूरा कर लेंगे।

मिथुन आज आर्थिक मामलों में दिन अच्छा रहने वाला है और आपको अचानक धन लाभ भी हो सकता है।

धनु कार्यक्षेत्र में किसी महत्वपूर्ण मीटिंग या चर्चा में सभी आपके सुझावों को गंभीरता से लेंगे।

कर्क आज आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा, जिसके चलते दिन उत्तम रहने वाला है।

मकर मामलों में अनावश्यक खर्चे सामने आ सकते हैं जो आपको न चाहते हुए भी करने होंगे।

सिंह आज कार्यक्षेत्र में आपको अपने मित्रों और अन्य सहकर्मियों की भावनाओं को समझना होगा।

कुंभ आपका ज्यादा समय बुद्धि और विवेक के साथ नई-नई खोज करने में व्यतीत हो सकता है।

कन्या सावधान रहने की जरूरत है इस समय आपको अधिक खर्चों का सामना करना पड़ सकता है।

मीन आज सामाजिक सम्मान प्राप्त होगा, जिससे आपको मनोबल में भी वृद्धि होगी।

विशेष

सुप्रीम कोर्ट पहुंचे प्रोफेसर साहब

पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के मार्गदर्शक मंडल में शामिल मुरली मनोहर जोशी चार धाम परियोजना पर पुनर्विचार याचिका को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। याचिका में सुप्रीम कोर्ट के 2021 के निर्णय को वापस लेने का आग्रह किया गया है। मार्गदर्शक मंडल के वयौवृद्ध सदस्य प्रोफेसर साहब यह बात प्रधानमंत्री से नहीं कह पाए। इसलिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट का सहारा लेना पड़ा ।इसे कहते हैं, समय की बलिहारी। मुरली मनोहर जोशी के साथ गोविंदाचार्य सहित 57 लोगों ने याचिका दायर की है।

आदिवासियों व दलितों में बंटवारा?

पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसद खगेन मुर्मू आदिवासी नेता हैं। उन्हें उनके ही संसदीय क्षेत्र में मारा पीटा गया। मारने पीटने वालों के नाम मुसलमान बताए जा रहे हैं। अगले साल पश्चिम बंगाल में चुनाव होना है। बीजेपी बहुत आक्रामक मुद्रा में है। सांसद महोदय आईसीयू में भर्ती हो गए हैं ।अब इसको लेकर पश्चिम बंगाल में राजनीति शुरू हो गई है। भाजपा इसे आदिवासियों पर अत्याचार बता रही है ।आदिवासी समुदाय को बांटने की नीव भाजपा ने पश्चिम बंगाल मे रख दी है ।वहीं मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई जो दलित समाज से आते हैं। उन्हें कोर्ट रूम के अंदर जूता दिखा दिया गया है। इसको लेकर देश ओर महाराष्ट्र में दलितों को बांटने की तैयारी शुरू हो गई है। सत्ता में बने रहने के लिए बांटो और राज करो बेहतर नीति है। जब लोग बंट जाते हैं। सत्ता पक्ष को चुनौती मिलना बंद हो जाती है ।सत्ता सुरक्षित हो जाती है। देश में पिछले कई वर्षों से बांटो और राज करो की नीति पर सरकारें सुरक्षित हैं ।भाजपा बांटने की राजनीति करती है।

कार्टून कोना

तेजस्वी का वादाः सरकार बनी तो हर परिवार के एक सदस्य को नौकरी

आज का इतिहास

1492: क्रिस्टोफर कोलम्बस ने अमरीका की खोज की। 1822: ब्राजील पुर्तगाल से स्वतंत्र हुआ। 1925: सीरिया में विद्रोह हुआ। 1934: पीटर द्वितीय यूगोस्लाविया की गद्दी पर बैठे। 1942: द्वितीय विश्व युद्ध में जापानी फौजों को अमरीका ने गुआइकनाल में शिकस्त दी। 1945: द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नाजी पार्टी भंग कर दी गई। 1961: सोवियत प्रधानमंत्री निकिता क्रूश्चेव ने राष्ट्र संघ की महासभा में भाषण के दौरान अपने जूते से मेज को पीटा। 1967: समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया का निधन। 1969: सोवियत संघ ने तीन अंतरिक्ष यात्रियों सहित सोयूज-7 का प्रक्षेपण किया। 1988: चेक राष्ट्रपति गुस्ताव हुसाक ने नयी सरकार नियुक्त की। 1989: पूर्वी जर्मनी ने लोकतांत्रिक सुधारों को ठुकराए जाने का संकेत दिया। 1991 मिस्त्र की संसद के अध्यक्ष और उनके चार सुरक्षा गार्डों की हत्या हुई।

दैनिक पंचांग

12 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.23 बजे से
चंद्र	वृष में	वृश्चिक	08.37 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	10.53 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.58 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	14.45 बजे से
शुक्र	कन्या में	मीन	16.18 बजे से
शनि	मीन में	मेष	17.48 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.28 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.26 बजे से
		कर्क	23.40 बजे से
राहुकाल	4.30 से 6.00 बजे तक	सिंह	01.56 बजे से
		कन्या	04.08 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 285 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण
तिथि षष्ठी 14.18 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मृगशीर्ष 13.37 बजे को समाप्त।
योग वरीयान 10.55 बजे को समाप्त।
करण वणिज 14.18 बजे तदनन्तर विष्टि 01.17 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 20.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 07° 25'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872495
जूलियन दिन 2460960.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1447
महीना रबी उस्सानी
तारीख 19

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से 07.23	बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09	बजे तक
चर	07.23 से 08.51	बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41	बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18	बजे तक	चर	08.41 से 10.14	बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46	बजे तक	रोग	10.14 से 11.46	बजे तक
काल	11.46 से 01.14	बजे तक	काल	11.46 से 01.19	बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41	बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51	बजे तक
रोग	02.41 से 04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36	बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

कैल्शियम के बाद शुगर और एंटीबायोटिक के दवा मानक के अनुसार नहीं, शुरू हुई जांच!

पलामू, एजेंसी। जिला के सरकारी अस्पतालों में मरीजों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ की कोशिश की जा रही है। पलामू में सरकारी अस्पतालों में सप्लाई होने वाले कैल्शियम की टैबलेट मानक के अनुसार नहीं मिले। अब इस कड़ी में शुगर और एंटीबायोटिक के टैबलेट भी जुड़ गए हैं। इस पूरे मामले में जांच शुरू हुई है। दवा सप्लाई करने वाली कंपनी से टैबलेट को वापस लेने के लिए कहा गया है। पिछले छह महीने में यह दूसरी बार है कि जिला के सरकारी अस्पतालों में सप्लाई होने वाली दवा सब-स्टैंडर्ड पाई गयी है।दरअसल, मई महीने में यह मामला सामने आया था कि पलामू में सप्लाई होने वाले 2।15 करोड़ कैल्शियम की गोली सब-स्टैंडर्ड हैं। तत्कालीन सिविल सर्जन ने कैल्शियम की गोली को जांच के लिए कोलकाता लैब को भेजा था। जांच के बाद रिपोर्ट में सब-स्टैंडर्ड पाई गई। कैल्शियम की गोली पानी में घुल नहीं रही थी।इसके बाद में स्वास्थ्य विभाग ने सप्लाई करने वाली कंपनी से दबाव वापस लेने को कहा। इसके बाद दबाव में दवाई वापस हो गई थी और उसके बदले नई कैल्शियम की गोली सप्लाई हुई। अक्टूबर महीने में पलामू में गुजरात, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड की चार अलग-अलग कंपनियों ने पलामू में कैल्शियम की गोली सप्लाई की है।हालिया सप्लाई कैल्शियम की गोली घुल नहीं रही है, जिस कारण यह मानक के अनुसार नहीं है। इसको लेकर एजेंसी को पत्र लिखकर दवा वापस लेने के लिए कहा गया, जहां-जहां इसका वितरण किया गया था वहां से दवा को वापस भी मंगा लिया गया है। एजेंसी ने उसके बदले में दूसरा दवा दिया है। कुछ दवाओं का खेप आई है, सभी का मानक के अनुसार जांच करवा कर वितरण किया जाएगा और ये दवा भी टेस्ट में फेल हुई है उसके भी जांच के लिए भेजा जा रहा है। जिसमें एक दवा है मेटफार्मिन और एमोश्रोमाइसिन। इन दावों को भी वापस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। -डॉक्टर अनिल कुमार श्रीवास्तव, सिविल सर्जन, पलामू।पलामू में सब-स्टैंडर्ड कैल्शियम की गोली सप्लाई करने वाली कंपनी के खिलाफ किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई नहीं की गई है। कंपनी को दवा वापस लेने के लिए कहा गया, उसके बदले मानक के अनुसार दवा सप्लाई करने के लिए कहा गया।

घाटशिला उपचुनाव : चाक चौबंद व्यवस्था के बीच होगा मतदान, तीसरी आंख की जद में बॉर्डर से लेकर हर बूथ

रांची, एजेंसी। घाटशिला विधानसभा उपचुनाव को लेकर चुनाव आयोग ने सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए हैं। मतदान के दौरान जहां सभी बूथों पर केन्द्रीय बलों की नियुक्ति की जा रही है। वहीं संवेदनशील क्षेत्रों में पेट्रोलिंग के लिए राज्य पुलिस के साथ साथ केन्द्रीय बलों को तैनात किया गया है।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा कि 11 नवंबर को सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक मतदान होगा। उन्होंने कहा कि जो भी मतदाता बूथ पर शाम पांच बजे से पहले कतार में रहेंगे उन्हें वोट देने दिया जाएगा। मतदान के लिए सारी तैयारियां पूरी की जा रही है। इंटर स्टेट मीटिंग होने के बाद जिला और स्टेट बॉर्डर पर चेक पोस्ट बनाकर चेकिंग की जा रही है। एक सवाल के जवाब में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि सेक्युरिटी एसेसमेंट पहले हो चुका है, रविवार को भी वो एक बार फिर दौरा करेंगे। इस चुनाव में केंद्रीय बलों के साथ-साथ राज्य पुलिस और होमगार्ड के जवान भी तैनात किए जाएंगे। वर्तमान में क्रिटिकल बूथों की पहचान की जा रही है, तत्पश्चात सुरक्षा बलों की तैनाती भी इस हिसाब से की जाएगी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में 300 बूथ बनाए गए हैं, जिसमें क्रिटिकल और नॉन क्रिटिकल शामिल हैं। सुरक्षा कारणों से बूथों की लिस्ट जारी नहीं की जा सकती है, लेकिन इतना तय है कि फ्री एंड फेयर इलेक्शन के लिए चुनाव आयोग का जो दिशा निर्देश है उसका अक्षरशः पालन किया जाएगा।चुनाव आयोग द्वारा की गई घोषणा के अनुसार 13 अक्टूबर को अधिसूचना जारी होते ही नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी जो 21 अक्टूबर तक चलेगी। 22 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की स्कूटनी होगी और 24 अक्टूबर को नामांकन पत्र वापस लिए जा सकेंगे। 11 नवंबर को घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में मतदान होगा। वहीं 14 नवंबर को इसके परिणाम घोषित किए जाएंगे। इस विधानसभा क्षेत्र में 218 लोकेशन में 300 बूथ बनाए गए हैं जहां 2,55,823 मतदाता वोट करेंगे। हालांकि मतदाताओं की संख्या सोमवार यानी 13 अक्टूबर को आयोग द्वारा अंतिम रूप से जारी करेगा।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार के अनुसार नामांकन शुरू होने से 10 दिन पहले तक मतदाता बन सकते हैं। इस वजह से पूर्व में जारी मतदाता की संख्या में बदलाव संभव है। चुनाव में 218 लोकेशन में 300 बूथ बनाए गए हैं। मतदान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का चाक चौबंद प्रबंध किए गए हैं, जिसमें सभी बूथों पर अंदर बाहर कैमरा लगाए जायेंगे और केन्द्रीय बलों की तैनाती की जाएगी।

नक्सली हमले में घायल भाई से मिलने पहुंचे विधायक दशरथ गागराई, राउरकेला पहुंच ली स्वास्थ्य की जानकारी

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम के सारंडा जंगल में हुए नक्सली हमले में घायल जवान रामकृष्ण गागराई से मिलने के लिए उनके भाई सह खरसावां विधायक दशरथ गागराई शनिवार को राउरकेला के अपोलो अस्पताल पहुंचे। विधायक के साथ समाजसेवी विजय सिंह गागराई भी मौजूद रहे। दोनों ने घायल जवान से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और अस्पताल प्रबंधन से बेहतर इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने का आग्रह किया। इस नक्सली हमले में घायल जवान रामकृष्ण गागराई सीआरपीएफ की 60वीं बटालियन में सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) के पद पर तैनात हैं। शुक्रवार शाम को सारंडा के जंगल में नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी ब्लास्ट में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए राउरकेला अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।नक्सलियों ने शुक्रवार शाम सारंडा जंगल में सीआरपीएफ के जवानों को निशाना बनाकर आईईडी ब्लास्ट किया। इस हमले में सीआरपीएफ इंस्पेक्टर कौशल कुमार मिश्रा घायल हुए थे। जब साथी जवान उन्हें इलाज के लिए ले जा रहे थे, तभी नक्सलियों ने दोबारा हमला किया। इस दौरान एएसआई रामकृष्ण गागराई और हेड कॉन्स्टेबल महेंद्र लश्कर घायल हो गए थे। इलाज के दौरान महेंद्र लश्कर शहीद हो गए। विधायक दशरथ गागराई ने अस्पताल पहुंचकर अपने भाई रामकृष्ण गागराई की स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि सरकार घायल जवानों के इलाज व परिवार की हरसंभव मदद करेगी। उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों का मनोबल इन घटनाओं से कमजोर नहीं होगा।

तेजी से मानसिक समस्या के शिकार हो रहे झारखंड के बच्चे

रांची, एजेंसी। बदलते सामाजिक परिवेश के कारण झारखंड सहित देशभर में मानसिक समस्या तेजी से बढ़ रही है, इसके जद में ना केवल बुजुर्ग बल्कि युवा के साथ-साथ किशोर भी इसके चपेट में आ रहे हैं। यूनिसेफ के आंकड़ों के मुताबिक हर 100 लोगों में 11 किसी ना किसी मानसिक समस्या से जूझ रहे हैं। ऐसे में सबसे अधिक चिंता किशोर जो कल के भविष्य हैं उनमें बढ़ रही मानसिक समस्या ना केवल वर्तमान समय के लिए चिंता का सबब है, बल्कि भविष्य के लिए भी इस पर काबू पाना बड़ी चुनौती बनी हुई है।

यूनिसेफ के आंकड़ों के मुताबिक देश में 2015 में 13-17 साल के 7।3त्न किशोर मानसिक समस्या से ग्रसित थे। जो 2021 में 10-19 साल के किशोरों में कराए गए सर्वे में बढ़कर 14त्न हो गया है। मानसिक समस्या के कारण इन नौनिहालों में चिंता, आत्म सम्मान की कमी, डिजिटल लत, डिप्रेशन और फिर सुसाइड जैसी आत्मघाती कदम आज की तारीख में आम होती जा रही है। इससे बचाने के लिए झारखंड यूनिसेफ ने बड़ी पहल की है। इसके तहत शनिवार 11 अक्टूबर को रांची में स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के सहयोग से झारखंड यूनिसेफ ने एक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड के निदेशक शशि प्रकाश झा के अलावा कई स्वास्थ्य विशेषज्ञ और यूनिसेफ के अधिकारियों ने विचार व्यक्त किए।

झारखंड में तेजी से बढ़ रहे मानसिक समस्या के मामले पर विशेषज्ञों ने चिंता जताई है। झारखंड यूनिसेफ की प्रमुख कनीनिका मित्र कहती हैं कि सबसे बड़ी चिंता का कारण यह है कि यह आंकड़े बढ़ते जा रहे हैं, जिसमें बच्चे भी शामिल हो रहे हैं। इसके कई कारण हैं और इसकी रोकथाम आवश्यक है। बच्चे शैक्षणिक तनाव, सामाजिक-आर्थिक कठिनाइयों, हिंसा और स्कूलों एवं समुदायों में मनो-सामाजिक समर्थन की कमी जैसी बढ़ती चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

कनीनिका कहती हैं मानसिक स्वास्थ्य के आसपास फैली व्यापक भ्रांतियां इन चुनौतियों को और गहरा कर देते हैं, जिससे बच्चे अक्सर अकेलापन और असहायता महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि 2015 में कराए गए मेंटल हेल्थ सर्वे में झारखंड में 11त्न लोग इसके शिकार पाए गए थे। सीआईपी रांची के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ निशांत गोयल कहते हैं कि यह बेहद ही चिंता का विषय है कि लोग किसी न किसी रूप में मानसिक समस्या से ग्रसित हो रहे हैं।

इसकी गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि 2015 में जो नेशनल मेंटल हेल्थ सर्वे हुआ था उसमें देश भर में करीब 6 करोड़ लोग किसी न किसी मानसिक समस्या से ग्रसित पाए गए थे, जिन्हें इलाज की जरूरत थी। इन 06 करोड़ में करीब 35त्न लोग ऐसे थे जो 25 वर्ष से कम उम्र के थे। इसी तरह से बच्चों में भी सर्वे कराया गया था जिसमें 13त्न बच्चे मानसिक समस्या से ग्रसित पाए गए थे।

डॉ निशांत गोयल कहते हैं कि कोविड के बाद यह समस्या और भी बढ़ी है। ऐसे में इन दोनों नेशनल मेंटल हेल्थ सर्वे 2।0 भारत सरकार के द्वारा चलाया जा रहा है। उसकी रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा कि वर्तमान स्थिति कैसी है। इस अवसर पर कार्यशाला को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन डायरेक्टर शशि प्रकाश झा ने कहा कि मैं माता-पिता से भी आग्रह करता हूं कि वह अपने बच्चों के साथ समय बिताए उनसे संवाद करें। उनके सपनों और उम्मीद के बारे में बात करें। क्योंकि ऐसे संवाद ही बच्चों में विश्वास, आत्मविश्वास और आजीवन मानसिक स्वास्थ्य की मजबूत नींव रखते हैं। उन्होंने बताया कि हमारे किशोर जीवन को हंसी सहजता और आत्मविश्वास के साथ जीना सीखना चाहिए। प्रत्येक युवा के भीतर असीम संभावनाओं की एक दुनिया छिपी होती है उन्हें किसी और से तुलना करने की आवश्यकता नहीं है।

केंद्र सरकार पूरे देश भर में चला रही रैंप!

हजारीबाग, एजेंसी। सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार इन दोनों विशेष कार्यक्रम चल रही है. जिसका उद्देश्य व्यवसाय करने वाले लोगों को प्रोत्साहित करना है ताकि वे आत्मनिर्भर हो सके और अपना व्यवसाय को आगे बढ़ा सके.

भारत सरकार इन दिनों सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग को बढ़ावा देने के लिए पूरे देश भर में रैंप का आयोजन कर रही है. इसके अंतर्गत एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए सरकार के अलग-अलग योजना, कौशल विकास प्रशिक्षण के बारे में जानकारी देना है. साथ ही उद्यमियों का निबंधन किया जा रहा है. ताकि उद्यमियों को मदद किया जा सके.

हजारीबाग में MSME इकाई को प्रोत्साहन देने एवं अधिक से अधिक उद्यमियों को उद्यम पंजीकरण से जुड़ने के लिए एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया. यह आयोजन रांची जिडको निर्देशानुसार हुआ है. निःशुल्क उद्यम पंजीकरण जागरुकता शिविर में जिले के इच्छुक उद्यमियों एवं व्यवसायियों का ऑन-द-स्पॉट उद्यम निबंधन किया गया.

इस निबंध शिविर में पहुंची महिला ने बताया कि यह एक बेहतर शिविर है. उद्योग लगाने के बारे में जानकारी भी दी जा रही है. ऑन स्पॉट रजिस्ट्रेशन किया गया. सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किस योजना का लाभ कैसे लेना है इसकी जानकारी दी गई. जिसमें विशेष रूप से लोन के बारे में जानकारी दी गई.

केंद्र सरकार उद्योग को बढ़ावा देने और उनका समर्थन करने के लिए योजनाएं और लाभ प्रदान करती है. जिसमें ऋष्टा, सब्सिडी और रजिस्ट्रेशन शामिल हैं. जरुरत है लोगों को बढ़-चढ़कर लाभ लेने की.

दामोदर में बह रहा वाशरी का 'काला' पानी

धनबाद, एजेंसी। जोड़ापोखर। दामोदर नदी के पानी में केमिकल बहाये जाने से शुक्रवार को हड़कंप मच गया। पूर्वाह्न 10 बजे पानी का रंग काला देख जमाडा जल संयंत्र केंद्र के कर्मियों के हाथ-पांव फूल गये। वरीय अधिकारियों के दिशा-निर्देश पर ढाई घंटे प्लांट एवं इंटेकवेल को बंद कर दिया गया। सूचना मिलने पर जमाडा केंद्र के एसडीओ कृपा शंकर यादव, कनीय अभियंता आशुतोष राणा ने पानी की जांच करायी। इसमें वाशरी का केमिकल पानी में होने का प्रमाण मिला। बताया जाता है कि तेनुघाट डैम से पानी आता है। रास्ते में नदी किनारे कई प्लांट, फैक्ट्री व कल-कारखाने अवस्थित हैं। बताया जाता है कि समय-समय पर यह केमिकल दामोदर नदी में छोड़ दिया जाता है। वह पानी में मिलकर नदी में बहता है।

दामोदर नदी में केमिकल बहने के बाद जल संयंत्र केंद्र से पानी सप्लाई रोक दी गयी। जिले की लगभग 14 लाख आबादी को शुक्रवार को पानी नहीं मिला। इंटेकवेल में लगे 480 एचपी के मोटर पंप से 12 एमजीडी व 9 एमजीडी जलभंडारण गृह में भंडारण का कार्य ठप रहा। इस कारण बस्ताकोला, झरिया, पुटकी, भूली, कतरास, करकेंद, पाथरडीह, बनियाहीर, फुसबंगला, भागा, जोड़ापोखर, भौंरा, चासनाला, जयरामपुर में जलापूर्ति ठप रही। स्थानीय लोगों ने बताया कि पूर्वाह्न 10 बजे के लगभग वे लोग स्नान करने नदी किनारे गये थे। तभी एकाएक काले रंग का पानी आ गया। वे लोग बिना स्नान किये घर लौट आये।

जांच के बाद पता चला कि नदी के पानी में केमिकल है। यह काले रंग का है। वह किसी वाशरी से आ रहा है। उससे पानी दूषित हो रहा है। इसकी जांच की जा रही है। जल्द ही क्षेत्रों में जलापूर्ति सुचारू हो जायेगी। धनबाद शहर में शनिवार से दो दिनों तक जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। इस संबंध में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने सूचना जारी की है। सूचना के अनुसार, शनिवार और रविवार को शहर के 19 जलमीनारों से आंशिक जलापूर्ति होगी। इस दौरान मैथन के गोगना स्थित बिजली सब स्टेशन में शटडाउन लेकर मेंटेनेंस का काम किया जायेगा। इस स्थिति में मैथन स्थित इंटकवेल का पंप बंद रहेगा। बता दें कि मैथन स्थित इंटकवेल से रॉ वाटर धनबाद के भेलाटांड़ स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट पहुंचने में 10 से 12 घंटे का समय लगता है। इंटकवेल का पंप बंद रहने से भेलाटांड़ स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तक समय पर रॉ वाटर नहीं पहुंच पायेगा। ऐसे में लोगों को शनिवार व रविवार को पेयजल संकट झेलना पड़ सकता है।

गोल्फ ग्राउंड, पुराना बाजार, मटकुरिया, मनईटांड़, बरमसिया, वासेपुर, हीरापुर, स्टील गेट, एसएनएमएमसीएच, धनसार, मेमको, भूली, पॉलिटेक्निक, पुलिस लाइन, वासेपुर, चीरागोड़ा, हिल कॉलोनी, जोड़ाफाटक व भूदा आदि।

दहलने से बचा लातेहार का रेलवे साइडिंग, बम-बारूद के साथ हमला करने आए थे अपराधी, दो गिरफ्तार

लातेहार, एजेंसी। जिले का टोरी रेलवे साइडिंग दहलने से बच गया। यहां कुख्यात अपराधी राहुल दुबे गैंग के अपराधी बम और बारूद के साथ हमला करने पहुंचे थे, लेकिन लातेहार पुलिस की सक्रियता के कारण अपराधियों की मंशा सफल नहीं हो पाई। पुलिस ने इस दौरान हथियार और बम-बारूद के साथ दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि अन्य अपराधी घटनास्थल से फरार हो गए। गिरफ्तार अपराधियों में पलामू का अवधेश यादव और लातेहार का उपेंद्र यादव शामिल है।इसकी पुष्टि डीएसपी अरविंद कुमार ने की है।

डीएसपी ने बताया कि लातेहार के टोरी रेलवे कोयला साइडिंग में काम करने वाले व्यवसायियों से रंगदारी वसूलने के लिए अपराधी योजना बनाए थे। कुख्यात अपराधी राहुल दुबे गिरोह के अपराधियों ने शुक्रवार की रात हथियार और बम-बारूद के साथ टोरी रेलवे साइडिंग पर हमला करने की तैयारी कर रखी थी। इसके लिए सभी अपराधी चंदवा थाना क्षेत्र के परसाही गांव के पास एक पुलिया के नीचे जमा हुए थे।

इसी बीच लातेहार एसपी कुमार गौरव को

गुप्त सूचना मिली कि अपराधियों का गिरोह एक बार फिर से टोरी रेलवे साइडिंग पर हमला करने के लिए योजना बनाकर एक जगह इकट्ठा हुआ है। सूचना मिलने के बाद एसपी के निर्देश पर तत्काल लातेहार डीएसपी अरविंद कुमार के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम गठित की गई और अपराधियों के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया गया।

अचानक पुलिस को देखकर अपराधी इधर-उधर भागने लगे। इनमें दो अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अपराधियों के पास से एक पिस्तौल के साथ कई गोलियां और बम भी बरामद किए गए हैं। रविवार को प्रेस वार्ता के दौरान लातेहार डीएसपी अरविंद कुमार ने बताया कि राहुल दुबे गैंग के अपराधी टोरी रेलवे साइडिंग पर हिंसक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे, परंतु लातेहार एसपी कुमार गौरव को मिली गुप्त सूचना पर पुलिस ने अपराधियों की योजना को विफल कर दिया।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों में अवधेश यादव पलामू का रहने वाला है और उस पर पूर्व में भी 6 से अधिक अपराधिक घटनाओं के मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं। वहीं उपेंद्र यादव लातेहार का रहने वाला है। उपेंद्र पर भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं घटना में शामिल अनिल यादव और साजन अंसारी पुलिस से बचकर फरार हो गया।

टाटानगर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य का शुभारंभ, पांच नए प्लेटफॉर्म के साथ कई सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी

जमशेदपुर, एजेंसी। टाटानगर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य का शुभारंभ हो गया है। जमशेदपुर सांसद, दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक और चक्रधरपुर रेल मंडल के डीआरएम ने भूमि पूजन कर इसकी शुरुआत की है। इस मौके पर सांसद ने बताया कि वर्तमान में 284 करोड़ की लागत से स्टेशन के सेकेंड इंट्री के पास तीन मंजिला भवन बनेगा। वही दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक ने बताया कि टाटानगर में अतिरिक्त पांच नए प्लेटफॉर्म बनाए जाएंगे।

किसी कड़ी में शनिवार को टाटानगर रेलवे स्टेशन के सेकेंड इंट्री परिसर में दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा, चक्रधरपुर रेल मंडल के डीआरएम अरुण हुरिया और जमशेदपुर लोकसभा के सांसद विद्युत वरण महतो ने भूमि पूजन कर स्टेशन के री-डवलपमेंट के काम की शुरुआत की।

इस दौरान भारी संख्या में रेलवे के अधिकारी भी मौजूद रहे।

इस मौके पर जमशेदपुर सांसद विद्युत वरण महतो ने बताया कि टाटानगर रेलवे स्टेशन को ए श्रेणी में लाने के लिए रेल मंत्री से उन्होंने वार्ता की थी। जिसके बाद रेल मंत्री ने टाटानगर की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए इसे ए श्रेणी का दर्जा दिया। सांसद ने बताया कि वर्तमान में टाटानगर रेलवे स्टेशन के री-डवलपमेंट का काम शुरू हो रहा है। काम पूरा होने के बाद टाटानगर रेलवे स्टेशन, प्लस की श्रेणी में आ जाएगा। 284 करोड़ की राशि से सेकंड एंट्री के पास काम की शुरुआत की जा रही है। निकट भविष्य में पूरे स्टेशन के री-डवलपमेंट पर 550 करोड़ रुपये खर्च होने की संभावना है।

वहीं मौके पर दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा ने बताया कि चक्रधरपुर रेल मंडल के अंतर्गत टाटानगर स्टेशन एक महत्वपूर्ण स्टेशन है। मॉडर्न स्टेशन के रूप में इसकी पहचान है। यहां से काफी संख्या में ट्रेनें खुलती हैं और लंबी दूरी की ट्रेनें भी टाटानगर होकर गुजरती हैं। उन्होंने बताया कि स्टेशन के री-डवलपमेंट के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑनलाइन उद्घाटन किया था। जिसके तहत आज भूमि पूजन कर री-डवलपमेंट के काम की शुरुआत की गई है। 36 महीने में यहां तीन मंजिला भवन बनकर तैयार होगा। जबकि रेलवे स्टेशन के साउथ साइड में छह मंजिला भवन बनेगा। जिसमें लिफ्ट, आरओबी के अलावा अन्य सुविधाएं उपलब्ध रहेगी। वर्तमान में टाटानगर रेलवे स्टेशन में पांच प्लेटफार्म हैं। जबकि री-डवलपमेंट के बाद टाटानगर स्टेशन में प्लेटफार्म की संख्या 5 से बढ़कर 10 हो जाएगी। माल वाहक ट्रेनों के लिए अलग यार्ड बनाया जाएगा। इसके अलावा लगभग चार सौ करोड़ की लागत से वंदे भारत कोचिंग डिपो बनाने की योजना है। यहां मॉडर्न कोचिंग कॉम्प्लेक्स भी बनाया जाएगा।

क्षेत्रीय शूटिंग प्रतियोगिता में गढ़वा पुलिस ओवरऑल चैंपियन, आईजी ने बेहतर प्रदर्शन करने वालों को दी बधाई

पलामू, एजेंसी। क्षेत्रीय शूटिंग प्रतियोगिता में गढ़वा पुलिस की टीम ओवरऑल चैंपियन बनी है, जबकि पलामू पुलिस की टीम ने द्वितीय स्थान हासिल किया है।

दरअसल, पलामू के लेस्लीगंज के इलाके में फायरिंग रेंज में शूटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इस प्रतियोगिता में पलामू, गढ़वा और लातेहार पुलिस की टीमों ने भाग लिया था। शनिवार को पलामू रेंज के आईजी शैलेंद्र कुमार सिन्हा ने विजेता प्रतिभागियों के बीच पुरस्कार का वितरण किया।पूरे प्रतियोगिता में गढ़वा पुलिस की टीम ने सबसे अधिक अंक हासिल किया। इस कारण गढ़वा पुलिस की टीम ओवरऑल चैंपियन घोषित की गई। पलामू रेंज के आईजी शैलेंद्र कुमार सिन्हा ने बेहतर प्रदर्शन करने वाले सभी पुलिसकर्मियों को बधाई दी।इस मौके पर आईजी शैलेंद्र कुमार सिन्हा ने कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में हार-जीत लगी रहती है, लेकिन अपनी कमियों से निकलते हुए आगे बढ़ाना है और बेहतर प्रदर्शन करना है।

कुएं में दफना दी थी लाश, सात महीने बाद खुला कत्ल का राज!

रांची, एजेंसी। जिला के चान्हो से एक सनसनी फैला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति की हत्या उसकी ही पत्नी के द्वारा गोली मारकर की गई थी और शव को कुएं में दफना दिया गया था। लेकिन कहते है न कानून के लंबे हाथों से कोई नहीं बच सकता। इसी तर्ज पर सात महीने बाद रांची पुलिस में हत्याकांड का राज खोलते हुए पत्नी सहित चार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

चान्हो थाना क्षेत्र बढ़ईया गांव के रहने वाले रामबली यादव की गोली मारकर सात महीने पहले ही हत्या कर दी गई थी। रामबली यादव को जान से मारने वाला कोई और नहीं बल्कि उसकी ही दूसरी पत्नी चंपा थी। चंपा ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर पहले गोली मारकर रामबली यादव की हत्या की और फिर कुएं में शव को फेंक कर जेसीबी की सहायता से कुएं को ही भरवा दिया।

पिछले 7 महीने से अपनी पति की हत्या करने के बावजूद चंपा कानून की नजरों से छुपी रही। आखिरकार रांची पुलिस के द्वारा गायब रामबली यादव को खोजने के क्रम में इस जघन्य हत्याकांड का खुलासा कर दिया गया।

दरअसल, रामबली यादव मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बनारस का रहने वाला था। रामबली यादव पहले से शादीशुदा था लेकिन रांची आने के बाद उसने चंपा उरांव के साथ दूसरी शादी की और फिर चंपा के साथ ही चान्हो में रहने लगा। रामबली यादव बनारस स्थित अपने परिवार वालों से हमेशा संपर्क में रहता था।

इसी बीच पिछले कुछ महीनों से रामबली यादव का फोन बंद आने लगा और उसका परिवार वालों से कोई संपर्क नहीं हो पा रहा था। जिसके बाद रामबली यादव के पहली पत्नी का बेटा राहुल यादव ने अपने पिता की खोज शुरू की। चान्हो पहुंचने पर भी राहुल को अपने पिता का कोई सुराग हासिल नहीं हुआ। इसके बाद उसने चान्हो थाना में एफआईआर दर्ज करवाई। राहुल ने अपने पिता के गायब होने को लेकर चंपा पर संदेह जताया था।

रांची के ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने बताया कि रामबली यादव के गायब होने के मामले की जांच में जब पुलिस जुटी तो उन्हें उसकी दूसरी पत्नी चंपा उरांव पर संदेह हुआ। जिसके बाद पुलिस ने गुप्त रूप से चंपा पर नजर रखना शुरू कर दिया। संदेह की पुष्टि होने पर पुलिस की टीम के द्वारा चंपा और उसके एक रिश्तेदार विष्णु उरांव को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की गई। पुलिस के सामने दोनों टूट गए और हत्याकांड की पूरी कहानी पुलिस के सामने खुलकर सामने रख दिया।

रांची ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने कहा कि चंपा ने बताया कि रामबली यादव के द्वारा एक जमीन को बेचा गया था, लेकिन उससे जो पैसे प्राप्त हुए उस पैसे को उसने अपनी पहली पत्नी के पास बनारस भेज दिया। इसी पैसे को लेकर ही चंपा और रामबली यादव में विवाद शुरू हो गया।

इस विवाद के बाद चंपा ने अपने कुछ परिचितों के साथ मिलकर रामबली यादव की हत्या की प्लानिंग कर डाली। प्लानिंग के तहत पहले रामबली यादव को चंपा देवी, विष्णु उरांव, विकास उरांव, आशीष कुमार और दो नाबालिगों ने मिलकर गोली मारकर हत्या की और फिर कुएं में उसके शव को फेंक दिया। हत्या करने के बाद शव को कुएं में फेंका गया और फिर कुएं को पूरी तरह से जेसीबी से मिट्टी डालकर भर दिया गया ताकि किसी को भी कोई सबूत हासिल ना हो सके।

गोभी वर्गीय सब्जियाँ

गोभीवर्गीय सब्जियों में फूल गोभी, बंद गोभी (पत्ता गोभी), गांठ गोभी प्रमुख हैं, पिछले कुछ वर्षों से ब्रोकली भी लोगों द्वारा पसंद की जा रही है।

फूल गोभी

फूलगोभी एक लोकपिय सब्जी है। भारत में इसकी कृषि के अंतर्गत कुल क्षेत्रफल लगभग 3000 हेक्टर है, जिससे लगभग 6,85,000 टन उत्पादन होता है। वर्तमान में इसे सभी स्थानों पर उगाया जाता है। फूल गोभी में प्रोटीन, कैल्शियम, फास्फोरस, विटामिन 'ए', 'सी' तथा निकोटीनिक एसिड जैसे पोषक तत्व होते है। गोभी का अचार आदि भी तैयार किया जाता है। फ़सल की अवधि 60 से 120 दिन की होती है। प्रति हेक्टेयर 100 से 250 क्विंटल फुल प्राप्त हो जाते है।

किस्में

1. अंगेती = पूसा मेघना, पूसा अर्ली सिंथेटिक, पूसा कार्तिक संकर, पूसा दीपाली
2. मध्यम अंगेती = पूसा शरद, पूसा हाइब्रिड-2
3. मध्यम पछेती = पूसा सिंथेटिक, पूसा पौषजा, पूसाद्यशुक्ति
4. पछेती = पूसा स्नोबाल के-1, पूसा स्नोबाल केटी 25

बीज की मात्रा बुवाई का समयपरिपक्वता समय

500-600 ग्रा./हे. मध्य मई से जून
सितम्बर सें अक्तूबर
400 ग्रा./हे. जुलाई अंत से अगस्त प्रारम्भ
नवम्बर से दिसम्बर
350 ग्राम/हे. अगस्त अंत से सितम्बर
प्रारम्भ दिसम्बर से जनवरी
300 ग्रा./हे. सितम्बर-अक्तूबर
फरवरी-मार्च

बीज उपचार- कैपटान या बैविस्टीन 2 ग्रा.प्रति किलो बीज के हिसाब से

उर्वरण व खाद

गोबर का खाद	नत्रजन		
फास्फोरस	पोटाश		
50-60 टन/हेक्टेयर	120 कि.ग्रा./हे.	1	0 0
कि.ग्रा./हे.	60 कि.ग्रा./हे.		

खेत की अंतिम तैयारी के समय आधी मात्रा में नत्रजन तथा आधी मात्रा में फॉस्फोरस व पोटाश भूमि में मिला दें। शेष नत्रजन को बराबर दो हिस्सों में बांट कर एक हिस्सा रोपाई के एक महीने पश्चात निराई-गुड़ाई के साथ डालें तथा दूसरा हिस्सा फूल बनने की स्थिति में पौधों को मिट्टी चढ़ाते समय मिलाएं। पौधों की बढ़वार कम होने की स्थिति में 2-3 बार 1.0 से 1.5 प्रतिशत यूरिया का छिड़काव विशेषकर लाभकारी होता है।

खरपतवारनाशी

रोपाई से पहले स्टाम्प 3.3 लिटर या वैसलीन 2.5 लिटर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव कर हल्की सिंचाई करें।

रोपे की अवस्था	पंक्ति व पौधों की दूरी
अंगेती फसल	5-6 सप्ताह वाली पौध 45 × 30 से.मी.
मध्य व पछेती फसल	3-4 सप्ताह वाली पौध 60 × 45 से.मी.

सिंचाई : अंगेती फसल में रोपाई के तुरन्त बाद तथा साप्ताहिक अन्तराल पर व मध्यम व पछेती फसल में 10-15 दिन के अंतराल पर सिंचाई करें।

कटाई व उपज : गोभी फूलों को उनकी प्रजाति के अनुसार आकार ग्रहक करते ही तुरन्त काट लेना चाहिए। कटाई उपरांत बाहर वाले बड़े पत्तों को ही हटाएँ। इससे फूलों की गुणवत्ता बनी रहेगी। विभिन्न वर्गों की प्रजातियों की पैदावार इस प्रकार होती है =

अगेती	मध्य अगेती	
मध्यकालीन	पछेती	
10 टन प्रति हे	12-15 टन/हे.	20-25
टन /हे.	25-30 टन/हे.	

बंदगोभी

पत्ता गोभी, उपयोगी पत्तेदार सब्जी है। भारत के सभी क्षेत्रों में उगाई जाती है। भारत में इसका क्षेत्रफल 83,000 हेक्टर है, जिसमें 500,000 टन उत्पादन होता है। फूलगोभी की तरह पत्ता गोभी पत्तियों का समूह है, जिसे सब्जी के रूप में उपयोग किया जाता है। पत्ता गोभी में विशेष मनमोहक सुगन्ध 'सिनीग्रिन'ग्लूकोसाइड के कारण होती है। पोष्टिक तत्वों से भरपूर होती है। इसमें प्रचुर मात्रा में विटामिन 'ए' और 'सी' तथा कैल्शियम, फॉस्फोरस खनिज होते है।

किस्में : पूसा अगेती (अगस्त से सितम्बर बुवाई), गरेन्डन एकड़, पूसा मुक्ता, पूसा ड्रमहैड, संकर किस्म, के.जी.एम.आर. (अक्तूबर से नवम्बर बुवाई)

बीज की मात्रा : 400-600 ग्रा. प्रति हेक्टेयर

रोपाई

बुवाई के एक महीने पश्चात् पौध रोपाई के लिए तैयार हो जाती है।

पंक्ति व पौधे की दूरी

अगेती किस्में : 45 × 30 से.मी.
पछेती किस्में : 60 × 45 से.मी.

खरपतवारनाशी बैसालीन या स्टाम्प का छिड़काव रोपाई से एक-दो दिन पहले करें और इसके पश्चात् तुरन्त हल्की सिंचाई करें। फसल बढ़वार के समय पूर्ण नमी बनाएँ रखें तथा आवश्यकतानुसार समय-समय पर सिंचाई करें।

कटाई व उपज

ठोस शीर्ष वालें पौधों को जमीन की सतह से काट लें। खुले पत्तों व तने को शीर्ष से अलग कर दें। अगेती प्रजातियों की पैदावार 25 से 30 टन तथा पछेती प्रजातियों की पैदावार 40 से 50 टन तक हो जाती है।

फूलगोभी एवं बंदगोभी के प्रमुख रोग एवं नियंत्रण

आर्द्र पतन (डैम्पिंग ऑफ)

भूमि की सतह के पास पौध के तने पर भूरे रंग के पानी वाले तथा नरम धब्बे बनते हैं। रोगी भाग काफी कमजोर पड़ कर सिकुड़ जाता है। फलस्वरुप पौध उसी स्थान से टूटकर या मुड़कर नीचे गिर जाती है। पत्तियों का पीला पड़ना और मुरझाकर सूख जाना इस रोग की मुख्य पहचान है। कैप्टन या ब्लाइटाक्स 2.5 ग्राम/लिटर का आवश्यकतानुसार सुरसरी में छिडकाव करें।

काला बीगलन

इस रोग में पहले पत्तियों पीली पड़ जाती है, फिर शिरायें काली होनी लगती है ।

स्त्रेप्तोसइक्लिन (5 ग्राम) + ब्लाइटाक्स (100 ग्राम) प्रति 10 लिटर पानी की दर से रोपाई के बाद तथा 20 दिन के अंतराल पर आवश्यकता अनुसार छिडकाव करें।

स्क्लेरोटिनिया विगलन

पर्ण दागों के रूप मे दिखाई देता है7 यह विक्षतियां ऊतकों के जलीय सड़े - गले समूह के रूप में बड़ी-बड़ी हो जाती है जो कि बाद में सफ़ेद रजतीय आवरण से ढक जाती है। तने, शीर्ष, शाखाएं पुष्पकर्ण संक्रमण से प्रभावित पौधे मुरझा जाते हैं और बाद में मर जाते हैं। संक्रमण स्थल से दूर पत्तियां पीली हो जाती है और प्राय: गिरकर मुरझा जाती है।

वाविस्टीन 1.0 ग्राम/ लीटर या डायथेन एम- 45 (2.0 ग्राम/लिटर पानी) रोग प्रकट होने तथा 15 दिन के अंतराल पर आवश्यकता अनुसार छिडकाव करें।

मृदुरोमिल विगलन

मृदुरोमिल आसिता संक्रमण पत्ते की उपरी सतह पर कोणीय पीले धब्बों के रूप में शुरू होता है । धीरे- धीरे इन पीले धब्बों के आन्तरिक भाग भूरे रंग के हो जाते हैं। पत्तों को निचली सतह पर स्लेटी रंग का संक्रमण दिखाई देता है। संक्रमित नए बीज फल व तने में सफेद कवकीय परत बन जाती है। रिडोमील एम. जेड - 72- 3.0 ग्राम/लीटर पानी बुवाई के बाद जैसे ही पौधा उगे छिडकाव करें तथा 15 दिन के अंतराल पर छिडकाव करें।

उद्यानिकी में प्लास्टिक मल्चिंग का प्रयोग

प्लास्टिक मल्चिंग (पलवार) क्या है:

प्लास्टिक मल्चिंग पौधों के चारों तरफ की भूमि को प्लास्टिक फिल्म से व्यवस्थित रुप से ढकने की क्रिया है। वर्तमान में प्रयोग में लाए जाने वाले प्लास्टिक फिल्म विभिन्न रंगों एवं मोटाई में उपलब्ध है। तुलनात्मक रूप से प्लास्टिक पलवार अन्य पलवारों से पूरी तरह से पानी के लिए अभेद्य है, इसलिए प्रत्यक्ष रूप से मिट्टी से नमी के वाष्पीकरण, पानी का कम उपयोग और मिट्टी कटाव को रोकती है। इस प्रकार पलवार जल सरंक्षण में एक सकारात्मक भूमिका निभाती है तथा पैदावार बढ़ाने में मदद करती है। प्लास्टिक मल्चिंग में विभिन्न रंग जैसे काली, नीली व पारदर्शी पलवार प्रधानत: उपयोग में लायी जाती है इसके अतिरिक्त कभी-कभी दो रंगों की पलवार का भी जैसे सफेद/काली, सिल्वर/काली, लाल/काली या पीली/भूरी उपयोग में लायी जाती है।

सब्जी वाली फसलों में प्लास्टिक पलवार बिछाना

सब्जी वाली फसलों में मुख्यत: 25-30 माईक्रोन वाली प्लास्टिक मल्च फिल्म का प्रयोग किया जाता है। सबसे पहले खेत को अच्छी तरह से तैयार करके ऊंची उठी हुई क्यारियाँ बनाई जाती हैं। फिर इन क्यारियों के ऊपर सिंचाई हेतु इनलाइन ड्रिप सिंचाई लैटरल पाईप को लगाया जाता है। फिर उचित रंग के प्लास्टिक मल्च फिल्म को क्यारी के ऊपर बिछाया जाता है और दोनों किनारों पर दबा दिया जाता है। लगाई जाने वाली लाईन से लाईन फसल के पौधे से पौधे की दूरी के अनुसार मल्च फिल्म पर निशान बनाकर जी.आई. पाईप की सहायता से छेद कर दिये जाते हैं। अगर फिल्म पर कम दूरी पर छिद्र करने हों तो फिल्म बिछाने के पूर्व फिल्म की तह लगा कर उसमें एक साथ छेद किए जा सकते हैं। प्लास्टिक मल्च को बिछाने के लिये श्रमिकों के साथ-साथ ट्रैक्टर चलित यंत्र का प्रयोग भी किया जा सकता है। ये यंत्र ऊंची उठी हुई क्यारियों को बनाने के साथ-साथ ड्रिप लैटरल लगाने तथा मल्च फिल्म बिछाने का कार्य एक साथ करते हैं। छेद करने वाले प्लांटर भी उपलब्ध हैं जिससे मल्च किये हुए क्षेत्र में छेद करने का कार्य हो जाता है। इसके बाद बीज या पौध का रोपण इन छिद्रों में कर दिया जाता है। फसल के लिए जो भी खाद, उर्वरक आदि चाहिये उसको पलवार बिछाने से पहले भूमि में अच्छी तरह से मिला दे।

फलदार फसलों में प्लास्टिक पलवार बिछाना

फल वाली फसलों में सामान्यत: 100 माईक्रोन मोटाई वाली प्लास्टिक मल्च फिल्म का प्रयोग किया जाता है। फलदार वृक्षों में पलवार उपयोग पौधे के आच्छादन के अनुसार करना चाहिये। लम्बाई एवं चौड़ाई को बराबर रखते हुए प्लास्टिक मल्चिंग (पलवार) को काटना चाहिये। इन फसलों में मल्च फिल्म को मुख्यत: हाथों द्वारा ही पौधों के चारों तरफ बिछाया जाता है। इसमें सामान्यत: फसलों के वितान क्षेत्र के विस्तार के कम से कम 50 प्रतिशत जड़ क्षेत्र में लगाने की अनुसंशा की जाती है। सबसे पहले पौधे के चारों तरफकी जगह को खरपतवार तथा घासफूस इकट्ठा करके साफ किया जाता है। फिर एक छोटी नाली पौधे के चारों तरफ बनाया जाता है जिससे कि मल्च फिल्म को लगाकर आसपास की मिट्टी से दबाया जा सके। मल्च फिल्म के एक सिरे से चौड़ाई वाले भाग में बीच से आधी मल्च फिल्म को काटकर पेड़ के तने के पास लगाते हैं तथा कटी हुई फिल्म को 10-15 सेमी दूसरी सतह पर आच्छादित करके मिट्टी से ढक दिया जाता है।

प्लास्टिक पलवार को बिछाते समय ध्यान देने योग्य बातें

- मल्च फिल्म को बिछाने के बाद उसमें ज्यादा तनाव नहीं होना चाहिये अन्यथा मौसम के तापमान में वृद्धि व कृषि क्रियाओं के समय इसके फटने की संभावना रहेगी।
- मल्च फिल्म को सर्वाधिक गर्मी के समय न बिछाएं।
- एक बार उपयोग होने के बाद सावधानी पूर्वक लपेटकर रखी गई फिल्म को दोबारा उपयोग में लाया जा सकता है, अत: यह सुनिश्चित करें कि यह फटने न पाए। सब्जियों में प्लास्टिक पलवार से सामान्यत: 35 से 60 प्रतिशत तक उपज में वृद्धि पाई गई है। फलों में सबसे अच्छे परिणाम पपीते में पाये गये हैं जहां 60-65 प्रतिशत तक उपज में वृद्धि पाई गई है। अन्य फलों में 25 से 50 प्रतिशत तक उपज में वृद्धि मिली है।

प्लास्टिक पलवार की अनुमानित लागत

80 प्रतिशत क्षेत्र के आवरण के आधार पर सब्जी वाली फसलों में प्लास्टिक पलवार को बिछाने की अनुमानित लागत रु. 30000/- प्रति हेक्टेयर है। इसी प्रकार 40 प्रतिशत क्षेत्र के आवरण के आधार पर फ्ल वाली फसलों में प्लास्टिक पलवार को बिछाने की अनुमानित लागत रु. 18000/- प्रति हेक्टेयर है। पलवार को लगाने का खर्च व पालीमर की कीमत बार-बार बदलने से प्लास्टिक पलवार की लागत में बदलाव आता है।

3 प्रतिशत बढ़ा डीए, एरियर का भी मिलेगा तोहफा

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते दिनों केंद्र सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में इजाफा किया था। अब छोटे-बड़े राज्य भी भत्ते पर फैसला लेने लगे हैं। इसी कड़ी में अरुणाचल प्रदेश सरकार ने राज्य के सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ता और महंगाई राहत में 3 प्रतिशत की वृद्धि की है। अब यह 55 प्रतिशत से बढ़कर 58 प्रतिशत हो गया है, जो 1 जुलाई 2025 से प्रभावी होगा। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने इस बढ़ोतरी की जानकारी देते हुए बताया कि जुलाई से सितंबर 2025 तक का एरियर भी दिया जाएगा, जबकि अक्टूबर माह के वेतन और पेंशन में संशोधित डीए और डीआर को शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री खांडू ने सोशल मीडिया पर लिखा- यह निर्णय हमारी सरकार की कर्मचारी कल्याण के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारे कार्यबल और सेवानिवृत्त समुदाय का हर सदस्य सम्मानित और समर्थ महसूस करे। यह इस वर्ष कर्मचारियों के लिए दूसरी बार डीए और डीआर में बढ़ोतरी है। इससे पहले मई 2025 में राज्य सरकार ने डीए और डीआर को 53 प्रतिशत से बढ़ाकर 55 प्रतिशत किया था। अब इस नई वृद्धि के साथ अरुणाचल प्रदेश के कर्मचारियों का भत्ता केंद्र सरकार के कर्मचारियों के समान स्तर पर आ गया है। बता दें कि राज्य के 75,000 से अधिक नियमित सरकारी कर्मचारी, पेंशनभोगी और एआईएस अधिकारी इस निर्णय से लाभान्वित होंगे। केंद्रीय कर्मचारी आठवें वेतन आयोग के गठन का इंतजार कर रहे हैं। दरअसल, इसी साल जनवरी में सरकार ने आठवें वेतन आयोग के गठन का ऐलान किया था। हालांकि, इस संबंध में अगला कदम नहीं उठाया गया। ऐसे में अब तक ना तो वेतन आयोग की समिति का गठन हुआ है और ना ही यह तय हो सका है कि कब तक सिफारिशें लागू होंगी। बता दें कि अभी के सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों की अवधि 31 दिसंबर 2025 को खत्म हो जाएगी।

अगले दशक तक 10 फीसदी घट जाएगा सरकार पर कर्ज का बोझ

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सरकारी कर्ज में अगले दशक में लगातार गिरावट आने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2034-35 तक सरकार पर कर्ज का बोझ 10 फीसदी तक कम हो सकता है। केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्तमान में सरकारी कर्ज जीडीपी का 81 फीसदी है। यह 2030-31 तक कम होकर जीडीपी का 77 फीसदी और 2034-35 तक 71 फीसदी रह जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनियाभर की सरकारों पर बढ़ते कर्ज के बीच उम्मीद है कि भारत राजकोषीय समेकन के मार्ग के अनुसरण करेगा।

न सोना न शेयर... अमीर बनना है वहां लगाइए पैसा जहां दौलतमंद लगाते हैं, सीए ने खोला सीक्रेट

अमीरों के दौलत बनाने के तरीका का राजफाश किया है

नई दिल्ली, एजेंसी। चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) नितिन कौशिक ने अमीरों के दौलत बनाने के तरीका का राजफाश किया है। उनका कहना है कि भारत के सबसे अमीर लोग शेयर बाजार या क्रिप्टो की चमक-दमक के पीछे नहीं भागते हैं। इसकी बजाय वे पार्किंग लॉट, कोल्ड स्टोरेज, टोल रोड और वेयरहाउस जैसी बोरिंग लगने वाली संपत्तियों से चुपचाप अपनी दौलत बढ़ा रहे हैं। कौशिक के अनुसार, ये संपत्तियां हर दिन लगातार पैसा कमाती हैं। इन्हें बैंकों और सरकार का भी पूरा साथ मिलता है। जबकि आम लोग आईपीओ या शेयर बाजार में पैसा लगाकर जुआ खेलते हैं।

नितिन कौशिक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पर लोगों के खूब रिएक्शन आ रहे हैं। इसमें कौशिक ने बताया कि कैसे भारत के सबसे अमीर लोग दिखावटी या सट्टेबाजी वाले कामों से नहीं, बल्कि ऐसी संपत्तियों से साम्राज्य बनाते हैं जिन पर हम अक्सर ध्यान भी नहीं देते। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बड़ी दौलत बनाने के लिए ग्लैमरस वेंचर या बाजार के उतार-चढ़ाव पर दांव लगाने की जरूरत नहीं है। इसके बजाय उन्होंने बोरिंग मनी यानी ऐसी संपत्तियों की ओर इशारा किया जो भरोसेमंद, नियमित आय देती हैं और जिन्हें बैंकों और सरकार का भी अच्छा

समर्थन प्राप्त है।

कौशिक ने आम मध्यम वर्ग की आदतों की तुलना भारत के सबसे अमीर परिवारों की संपत्ति रणनीति से की। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग स्टॉक, क्रिप्टो और फ्यूचर ऑप्शन (एफएंडओ) के पीछे भागता है, जबकि अमीर लोग उन क्षेत्रों में निवेश करते हैं जिनकी मांग कभी कम नहीं होती। इनमें शामिल हैं- बड़े शहरों में पार्किंग की सुविधा, किसानों और एफएमसीजी (तेजी से बिकने वाले उपभोक्ता सामान) कंपनियों के लिए कोल्ड स्टोरेज और हाईवे पर बने वेयरहाउस। कौशिक के अनुसार, ये ऐसे व्यवसाय हैं जिनकी मांग स्थायी है।

इन बोरिंग लेकिन मजबूत संपत्तियों से होने वाली कमाई के आंकड़े भी काफी चौंकाने वाले हैं। कौशिक बताते हैं कि एक मध्यम आकार का मेट्रो शहर पार्किंग लॉट हर महीने 25 से 30 लाख रुपये कमा सकता है। वहीं, 10,000 वर्ग फीट का कोल्ड स्टोरेज यूनिट हर महीने 8 से 12 लाख रुपये का किराया दे सकता है। एक व्यस्त हाईवे पर स्थित टोल प्लाजा तो हर दिन 10 से 15 लाख रुपये तक की कमाई कर लेता है।

संपत्तियों को पैसा उधार देने में ज्यादा सहज महसूस करते हैं

कौशिक ने यह भी बताया कि बैंक ऐसी संपत्तियों को पैसा उधार देने में ज्यादा सहज महसूस करते हैं क्योंकि इनसे होने वाली आय का अनुमान लगाना आसान होता है। स्टार्टअप्स की तुलना में इन संपत्तियों को फाइनेंस कराना कहीं ज्यादा आसान है। स्टार्टअप में बहुत जांच-परख और अनिश्चित रिटर्न का सामना करना पड़ता है। कौशिक के अनुसार, भारत के अमीर लोग बोरिंग व्यवसायों को इसलिए भी पसंद करते हैं क्योंकि इनमें टैक्स का फायदा मिलता है। कोल्ड स्टोरेज और वेयरहाउस जैसी इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी संपत्तियों पर टैक्स में छूट, डेप्रिसिएशन के फायदे और जीएसटी क्रेडिट मिलते हैं। इससे टैक्सेबल इनकम काफी कम हो जाती है। कौशिक ने कहा, मध्यम वर्ग टैक्स भरता है। अमीर लोग कानूनी तौर पर करोड़ों बचाते हैं। यह कंपाउंडिंग का फायदा अमीरों को तेजी से आगे बढ़ने में मदद करता है। कौशिक ने यह भी जोड़ा कि कर्ज उनके लिए फायदेमंद होता है।

एफडी पर 1 साल में सबसे ज्यादा ब्याज दे रहे ये 10 बैंक

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप अपनी सेविंग्स को सेफ इनवेस्ट करने की प्लानिंग कर रहे हैं तो यह खबर आपके काम की है। दरअसल, अभी भी अपनी सेविंग्स को इनवेस्ट करने और बेहतर रिटर्न के लिए अभी भी फिक्स्ड डिपॉजिट सबसे शानदार ऑप्शनों में से एक है। मौजूदा समय में देश के बड़े प्राइवेट सेक्टर लेंडर से लेकर सरकारी बैंक तक एफडी करने पर अपने ग्राहकों को शानदार रिटर्न दे रहे हैं। बता दें कि कई ऐसे बैंक हैं जो 1 साल की एफडी पर अपने ग्राहकों को करीब 8 पर्सेंट तक ब्याज ऑफर कर रहे हैं। आइए जानते हैं 1 साल की एफडी पर सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाले ऐसे ही 10 बैंकों के बारे में। डीसीबी बैंक अपने सामान्य ग्राहकों को 1 साल की एफडी पर 7.25 पर्सेंट जबकि सीनियर सिटीजन ग्राहकों को 7.75 पर्सेंट तक ब्याज दे रहा है। जबकि तमिलनाड मर्केंटाइल बैंक अपने सामान्य ग्राहकों को 1 साल की एफडी पर 7.25 पर्सेंट जबकि सीनियर सिटीजन ग्राहकों को 7.75 पर्सेंट का ब्याज ऑफर कर रहा है। इसके अलावा, केनरा बैंक अपने सामान्य ग्राहकों को 1 साल की एफडी पर 7 पर्सेंट और अपने सीनियर सिटीजन ग्राहकों को 7.50 पर्सेंट तक ब्याज दे रहा है। कर्नाटक बैंक अपने सामान्य ग्राहकों को 1 साल की एफडी पर 7 पर्सेंट और अपने सीनियर सिटीजन ग्राहकों को 7.40 पर्सेंट का ब्याज दे रहा है। वहीं, डॉयचे बैंक 1 साल की एफडी पर अपने सामान्य ग्राहकों को 7 पर्सेंट जबकि सीनियर सिटीजन ग्राहकों को भी इतना ही ब्याज दे रहा है। इसके अलावा, आरबीएल बैंक 1 साल की एफडी पर 7 पर्सेंट और सीनियर सिटीजन ग्राहकों को 7.50 पर्सेंट का ब्याज ऑफर कर रहा है। जबकि बैंक आफ इंडिया 1 साल की एफडी पर अपने सामान्य ग्राहकों को 7 पर्सेंट और सीनियर सिटीजन ग्राहकों को इसी टाइम पीरियड के लिए 7.50 पर्सेंट का ब्याज दे रहा है। दूसरी ओर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अपने सामान्य ग्राहकों को 1 साल की एफडी पर 6.80 पर्सेंट जबकि सीनियर सिटीजन ग्राहकों को 7.30 पर्सेंट तक ब्याज दे रहा है।

28 हजार की नौकरी छोड़ी, अब 4 करोड़ का टर्नओवर

इंजीनियर ने कहां लगा दिया दिमाग

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है सुरेंद्र नाथ की। उन्होंने जमा-जमाया इंजीनियरिंग करियर छोड़कर ओडिशा के गंजाम जिले में अपने पैतृक गांव में एक डेयरी साम्राज्य खड़ा करने का साहसी कदम उठाया। महाराष्ट्र में डेयरी सहकारिता की मजबूत व्यवस्था से प्रभावित होकर सुरेंद्र ने दूध उत्पादन के क्षेत्र में बड़ा अवसर देखा। उनका मानना था कि बढ़ती मांग और शुद्ध दूध की कमी को पूरा करके ग्रामीण क्षेत्रों में सफल उद्यमिता की जा सकती है। 2017 में 6 लाख रुपये की शुरुआती पूंजी से उन्होंने वैशाली डेयरी प्राइवेट लिमिटेड (वीडीपीएल) की नींव रखी। इस कारोबार ने उनकी तकदीर बदल दी। आज इससे वह 4 करोड़ से ज्यादा का सालाना टर्नओवर हासिल कर रहे हैं। आइए, यहां सुरेंद्र नाथ की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

सुरेंद्र नाथ ओडिशा में गंजाम जिले के गांव कुकुडाखंडी से ताल्लुक रखते हैं। भुवनेश्वर के सिलिकॉन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से बीटेक (इलेक्ट्रॉनिक्स) पूरा करने के बाद उन्हें 2013 में एक्साइड इंडस्ट्रीज के क्वालिटी डिवीजन में नौकरी मिली। पुणे में अपनी पोस्टिंग के दौरान सुरेंद्र को महाराष्ट्र की मजबूत डेयरी सहकारिता प्रणाली को करीब से देखने का मौका मिला। इससे उन्हें बहुत प्रभावित किया। उन्होंने डेयरी क्षेत्र को समझने के लिए किसानों और डेयरी मालिकों से मुलाकात की। उन्हें यह एहसास हुआ कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक भले है।

शुरुआत में मुश्किलों का किया सामना

डिमांड और सप्लाई में बड़ा अंतर पाया। इसी आधार पर उन्होंने 2017 में अपने पिता ए विद्याधर (भारतीय डाक विभाग से रिटायर्ड) की मदद से 6 लाख रुपये की शुरुआती पूंजी से वैशाली डेयरी प्राइवेट लिमिटेड (वीडीपीएल) की शुरुआत की। शुरुआती दौर बेहद चुनौतीपूर्ण था। सिर्फ दो किसान उन्हें दूध बेचने को राजी हुए। इससे वह रोजाना 20 से 30 लीटर दूध जुटा लेते थे। वह बोतलों को हाथ से धोते, मशीन से भरते और 36 रुपये प्रति लीटर की दर से ग्राहकों के दरवाजे तक पहुंचाते थे। सुरेंद्र को डेढ़ साल तक काम करने के बाद भी मासिक केवल 5,000 रुपये का मुनाफा हुआ।

डीमार्ट चलाने वाली कंपनी का बढ़ा मुनाफा, राजस्व में भी इजाफा

ई दिल्ली, एजेंसी। रिटेल चेन डीमार्ट का स्वामित्व खने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड ने ानिवार को बताया कि सितंबर 2025 को समाप्त ालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसका नेट ॉफिट 4 प्रतिशत बढ़कर 684.85 करोड़ रुपये हा। एवेन्यू सुपरमार्ट्स ने शेयर बाजार को ताया कि कंपनी ने एक साल पहले इसी अवधि में 59.44 करोड़ रुपये का प्रॉफिट दर्ज किया था। तंबर तिमाही में कंपनी का परिचालन राजस्व 5.45 प्रतिशत बढ़कर 16,676.30 करोड़ पये हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 4,444.50 करोड़ रुपये था। एवेन्यू ुपरमार्ट्स लिमिटेड के मुख्य कार्यपालक धिकारी (सीईओ) नामित अंशुल असावा ने हा कि दो साल और उससे पुराने डीमार्ट स्टोर ने त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही की तुलना वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के रान 6.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कंपनी ने कहा कि उसने कीमतें कम करके जीएसटी सुधारों का लाभ अपने ग्राहकों तक पहुंचाया है। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान डी-मार्ट ने आठ नए स्टोर खोले, जिससे 30 सितंबर, 2025 तक उसके स्टोरों की कुल संख्या 432 हो गई। एवेन्यू ई-कॉमर्स के पूर्णकालिक निदेशक और सीईओ विक्रम दासू ने ई-कॉमर्स (डीमार्ट रेडी) व्यवसाय के प्रदर्शन पर कहा- हमने अपने मौजूदा बाजारों में 10 नए फुलफिलमेंट सेंटर जोड़े हैं और बड़े महानगरों में निवेश और अपनी उपस्थिति को और गहरा करना जारी रखा है। हमने तिमाही के दौरान 5 शहरों (अमृतसर, बेलगावी, भिलाई, चंडीगढ़ और गाजियाबाद) में परिचालन बंद कर दिया है। अब हम भारत के 19 शहरों में मौजूद हैं। बीते शुक्रवार को एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड के शेयर की बात करें तो मामूली बढ़त के साथ 4319.70 रुपये पर बंद हुआ। अब सोमवार को इस शेयर पर निवेशकों की नजर रहेगी।

रिलायंस पावर के सीएफओ अशोक पाल का इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस पावर (आरपावर) ने शनिवार को कहा कि अशोक कुमार पाल ने कंपनी के कार्यकारी निदेशक और मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) का पद तत्काल प्रभाव से छोड़ दिया है। रिलायंस पावर ने शेयर बाजार को बताया कि इस मामले को देखते हुए और जांच में सहायता के लिए अशोक कुमार पाल ने तत्काल प्रभाव से कार्यकारी निदेशक और सीएफओ का पद छोड़ दिया है। बता दें कि अशोक पाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया था। उन्हें शनिवार को एक अदालत में पेश किया गया और दो दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया गया। सूत्रों के अनुसार एजेंसी रिमांड अवधि खत्म होने के बाद 13 अक्टूबर को उन्हें एक विशेष पीएमएलए अदालत में पेश करेगी।

यह मामला सूचीबद्ध कंपनी रिलायंस पावर की सहायक कंपनी रिलायंस एनयू बीईएसएस लिमिटेड की ओर से सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसईसीआई) को जमा की गई 68.2 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी से संबंधित है, जो फर्जी पाई गई। यह कंपनी पहले महाराष्ट्र एनर्जी जनरेशन लिमिटेड के नाम से जानी जाती थी। ईडी ने व्यावसायिक समूहों के लिए कथित रूप से फर्जी बैंक गारंटी प्रदान करने का गिरोह चलाने वाली आरोपी कंपनी की पहचान ओडिशा स्थित बिस्वाल ट्रेडलिंक के रूप में की है। निदेशालय ने जांच के तहत अगस्त में कंपनी और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ छापेमारी की थी और इसके प्रबंध निदेशक पार्थ सारथी बिस्वाल को गिरफ्तार

किया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सूत्रों ने बताया कि पाल ने पैसे के ट्रांसफर में अहम भूमिका निभाई क्योंकि उन्हें और कुछ अन्य लोगों को कंपनी बोर्ड ने एसईसीआई की बीईएसएस निविदा के लिए सभी दस्तावेजों को अंतिम रूप देने, अनुमोदित करने, हस्ताक्षर करने और बोली के लिए रिलायंस पावर की वित्तीय क्षमता का उपयोग करने का अधिकार दिया गया था। सूत्रों ने कहा कि जांच में पाया गया कि कंपनी ने फिलीपीन के मनीला स्थित 'फर्स्टरैंड बैंक' से बैंक गारंटी जमा की थी लेकिन उक्त बैंक की उस देश में कोई शाखा नहीं है। मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा नवंबर 2024 में दर्ज की गई एक प्राथमिकी से जुड़ा है। आरोप है कि कंपनी आठ प्रतिशत कमीशन पर फर्जी बैंक गारंटी जारी करने में शामिल थी। रिलायंस समूह ने तब कहा था कि रिलायंस पावर इस मामले में धोखाधड़ी और जालसाजी की साजिश का शिकार हुई है और उसने सात नवंबर, 2024 को स्टॉक एक्सचेंज में इस संदर्भ में उचित खुलासे किए थे।

स्वदेशी इंडस्ट्रीज एंड लीजिंग, अरुणिस एडोब और ब्ल्यू पर्ल एग्रीवेंचर्स ने छोटे निवेश को बड़ा मुनाफा दिया

ई दिल्ली, एजेंसी। सा छापने की मशीन बने ये 3 धुरंधर कौन 10,000 को इसी ाल में 2 लाख तक पहुंचा दियाई दिल्ली- साल 2025 ारतीय शेयर बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा है। विदेशी ंस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली और अमेरिकी रिफ को लेकर अनिश्चितता बाजार के सामने चुनौती पेश रते रहे हैं। ऐसे मुश्किल माहौल में भी कुछ ऐसे शेयर हैं न्होंने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। इन शेयरों ने 0,000 रुपये के छोटे निवेश को 2 लाख रुपये तक पहुंचा या है। इनमें से सबसे पहले बात करते हैं स्वदेशी इंडस्ट्रीज ड लीजिंग लिमिटेड की। यह कंपनी अलग-अलग चीजों का यापार करती है। साल 2025 की शुरुआत में इसका शेयर र्फ 2.92 रुपये का था। अब यह बढ़कर 72.86 रुपये हो या है। यह 2,395 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी है। अगर िसी ने साल की शुरुआत में इसमें 10,000 रुपये लगाए होते ो आज उसके 2 लाख रुपये से ज्यादा हो गए होते। शुक्रवार ो भी इस शेयर में तेजी देखी गई। यह 1.99 प्रतिशत बढ़कर 2.86 रुपये पर बंद हुआ। इस लिस्ट में दूसरा नाम है रुणिस एडोब लिमिटेड का। यह कंपनी रियल एस्टेट और न्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में काम करती है। जमीन खरीदती है, ोजेक्ट बनाती है और उनका निर्माण करती है। इस साल इसके ेयर की कीमत 7.81 रुपये से बढ़कर 91.89 रुपये हो गई । यह शेयरधारकों के लिए 1,076 प्रतिशत का बड़ा मुनाफा । कंपनी का बाजार पूंजीकरण फिलहाल 468 करोड़ रुपये

है। एक और शानदार प्रदर्शन करने वाली कंपनी है ब्ल्यू पर्ल एग्रीवेंचर्स लिमिटेड। यह एग्रो-प्रोडक्ट्स कंपनी है जो मसाले, तिलहन और अनाज जैसे सामानों का कारोबार करती है। इस कंपनी ने अपने निवेशकों को खूब फायदा पहुंचाया है। साल 2025 में इसका शेयर 13.17 रुपये से बढ़कर 91.75 रुपये पर पहुंच गया है। यह 596 प्रतिशत की अच्छी खासी बढ़ोतरी है। हालांकि, शुक्रवार को कुछ मुनाफावसूली के कारण यह शेयर 1.98 प्रतिशत गिरकर 91.75 रुपये पर बंद हुआ। इस कंपनी का बाजार पूंजीकरण 5,528 करोड़ रुपये है। यह दिखाता है कि मुश्किल बाजार में भी सही शेयरों में निवेश करके अच्छा पैसा बनाया जा सकता है। इन कंपनियों ने साबित कर दिया है कि छोटे निवेश भी बड़े फायदे दे सकते हैं।

अब सोमवार को निवेशकों की रहेगी नजर

8 से अब 440 पर ट्रेड कर रहा एमबीएपीएल का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनी-मध्य भारत एग्रो प्रोडक्ट्स लिमिटेड (एमबीएपीएल) के शेयर सोमवार, 13 अक्टूबर 2025 को भी चर्चा में बने रहेंगे। ये हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि कंपनी ने 30 सितंबर, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए अपनी आय की घोषणा कर दी है। बता दें कि शुक्रवार को एमबीएपीएल के शेयर 0.25 प्रतिशत बढ़कर 440.45 प्रति शेयर पर बंद हुए। साल 2016 में इस शेयर की कीमत 8 रुपये थी। इस लिहाज से शेयर ने निवेशकों को 10 साल से भी कम समय में 5700 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दे दिया है।

उर्वरक निर्माता कंपनी मध्य भारत एग्रो प्रोडक्ट्स ने सितंबर 2025 तिमाही में अपने नेट प्रॉफिट में साल-दर-साल आधार पर 120 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो एक साल पहले इसी अवधि में 13.84 करोड़ था। अब 30.45 करोड़ पर पहुंच गया है। मध्य भारत एग्रो प्रोडक्ट्स

लिमिटेड ने कहा कि तिमाही-दर-तिमाही आधार पर नेट प्रॉफिट जून 2025 तिमाही के 28.20 करोड़ से 8 प्रतिशत बढ़ा। मध्य भारत एग्रो प्रोडक्ट्स ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के 278.31 करोड़ से वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में परिचालन से प्राप्त राजस्व में 61.75 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 450.19 करोड़ हो गया। पिछले वर्ष की इसी तिमाही में इसकी परिचालन आय 409.68 करोड़ थी। तिमाही के लिए एबिटा 61.8 करोड़ रहा, जो वर्ष-दर-वर्ष 71 प्रतिशत अधिक है। ओस्टवाल समूह की इस कंपनी ने सितंबर तिमाही की अवधि में 1,18,541 मीट्रिक टन उर्वरक उत्पादन की अपनी अब तक की सर्वाधिक मात्रा दर्ज की, जबकि बिक्री भी 1,35,187 मीट्रिक टन के अपने अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। मध्य भारत एग्रो प्रोडक्ट्स लिमिटेड के प्रमोटर, अध्यक्ष और निदेशक एमके ओस्टवाल ने कहा- धुले में हमारा नया प्लांट, जिसमें बैकवर्ड इंटीग्रेशन के साथ 660,000 मीट्रिक टन प्रति वर्ष एसएसपी और सागर में 165,000 मीट्रिक टन प्रति वर्ष सल्फ्यूरिक एसिड के साथ 90,000 मीट्रिक टन प्रति वर्ष डीएपी/एनपीके की क्षमता विस्तार की योजना है, अच्छी प्रगति कर रहा है। ये परियोजनाएं भविष्य में बेहतर विकास और मूल्य सृजन को गति प्रदान करेंगी।

अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को दूसरा वनडे 81 रन से हराया

इब्राहिम जादरान ने 95 रन बनाए, राशिद को 5 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। शनिवार को अबू धाबी में खेले गए दूसरे मुकाबले में अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। टीम ने 44.5 ओवर में 190 रन बनाए। जबाव में बांग्लादेश की टीम 28.3 ओवर में 109 रन पर ऑलआउट हो गई। अफगानिस्तान के ओपनर इब्राहिम जादरान ने 95 रन बनाए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला 14 अक्टूबर को अबू धाबी मे ही खेला जाएगा। इब्राहिम जादरान का अर्धशतक पहले बैटिंग करने उतरी अफगानिस्तान की टीम की शुरुआत थोड़ी धीमी रही, लेकिन ओपनर इब्राहिम जादरान ने टीम की कमान संभाली। उन्होंने 140 गेंदों में 95 रन की शानदार पारी खेली। उनके अलावा मोहम्मद नबी और एएम गजनफर ने 22-22 रन का योगदान दिया। हालांकि बाकी बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके और पूरी टीम 44.5 ओवरों में 190 रन पर ऑलआउट हो गई। मेहदी हसन मिराज को 3 विकेट बांग्लादेश की तरफ से मेहदी हसन मिराज टॉप विकेट टेकर रहे। उन्होंने 10 ओवर में 42 रन देकर तीन विकेट झटके। उनके अलावा रिशाद हुसैन और तंजीम हसन साकिब ने 2-2 विकेट झटके लिए। तनवीर इस्लाम को एक विकेट मिला। बांग्लादेश की बैटिंग फ्लॉप टारगेट का पीछा करते उतरी बांग्लादेश की टीम 28.3 ओवर में 109 रन पर सिमट गई। टीम के लिए तौहीद हृदॉय (24) और सैफ हसन (22) ने थोड़ी कोशिश की, लेकिन बाकी बल्लेबाज ज्यादा संभल नहीं सके। टीम का कोई भी खिलाड़ी 25 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका।

कुलदीप ने 5वीं बार खोला पंजा बने दुनिया के नंबर 1 गेंदबाज

इंडिया बनाम वेस्टइंडीज दिल्ली दूसरा टेस्ट मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने दिल्ली में दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन रविवार (12 अक्टूबर) को वेस्टइंडीज को पहली पारी में 248 रन पर आउट कर दिया। भारत के लिए बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 5 विकेट झटके। कुलदीप ने पांचवीं बार टेस्ट मैच की एक पारी में 5 विकेट लिए। इसके साथ ही उन्होंने बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर के तौर पर टेस्ट में सबसे ज्यादा बार 5 विकेट लेने के रिकॉर्ड बराबरी कर ली। उनके अलावा इंग्लैंड के जॉनी वार्डले ने 5 बार ऐसा किया है। कुलदीप यादव का रिकॉर्ड जॉनी वार्डले से काफी बेहतर है। उन्होंने इंग्लैंड के स्पिनर के मुकाबले आधे टेस्ट में यह कारनामा कर दिया। वार्डले ने 28 टेस्ट में 5 बार पंजा खोला। वहीं कुलदीप ने केवल 15 टेस्ट में ऐसा कर दिया। साउथ अफ्रीका के पॉल एडम्स तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 45 टेस्ट में 4 बार पारी में 5 विकेट झटके।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली में कुलदीप ने 26.5 ओवर में 82 रन देकर 5 विकेट झटके। कुलदीप ने पहला विकेट दूसरे दिन शनिवार (11 अक्टूबर) को लिया था। उन्होंने अलिक अथानाज को रविंद्र जडेजा के हाथों कैच कराया। उन्होंने 41 रन बनाए। कुलदीप ने तीसरे दिन पहले सत्र में साई होप 36 और टेविन इमलाच 21 को पवेलियन भेजा।

इसके बाद कुलदीप ने जस्टिन ग्रीव्स को पवेलियन भेजा। उन्होंने 17 रन बनाए। उन्होंने पांचवां विकेट जायडन सील्स के तौर पर लिया। उन्होंने 13 रन बनाए। कुलदीप यादव ने टेस्ट में 15 मैच की 27 पारियों में 21.09 के औसत और 3.52 की इकॉनमी से 65 विकेट लिए हैं। 40 रन देकर 5 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

ओमान को हराकर यूएई 1990 के बाद पहली बार विश्व कप में जगह बनाने के करीब

दुबई, एजेंसी। इस हार के साथ ओमान की इतिहास रचने की उम्मीदें फिलहाल खत्म हो गईं। तीन टीमों के ग्रुप ए में ओमान अब स्वत- क्वालिफाई नहीं कर सकेगा।दोहा में शनिवार को खेले गए एशियाई क्वालिफाइंग मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ओमान को 2-1 से हराकर 1990 के बाद पहली बार फीफा विश्व कप में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को मजबूत कर लिया। इस जीत के साथ यूएई चौथे दौर में शीर्ष पर पहुंच गया है और अब उसे मंगलवार को कतर के खिलाफ मुकाबले में सिर्फ ड्रॉ की जरूरत है ताकि वह सीधे 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर सके। इस हार के साथ ओमान की इतिहास रचने की उम्मीदें फिलहाल खत्म हो गईं। तीन टीमों के ग्रुप ए में ओमान अब स्वत- क्वालिफाई नहीं कर सकेगा। हालांकि, टीम के पास अभी भी दूसरे स्थान पर रहकर पांचवें दौर में पहुंचने का मौका है। मैच के 12वें मिनट में यूएई आत्मघाती गोल के कारण पिछड़ गया था। लेकिन टीम ने शानदार वापसी की और 76वें मिनट में मार्कस मेलोनी ने गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया। इसके सात मिनट बाद सिआओ लुकास ने निर्णायक गोल करते हुए यूएई को बढ़त दिलाई, जो मैच के अंत तक कायम रही। उधर ग्रुप बी के मुकाबले में इराक ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के पूर्व खिलाड़ी जिदान इकबाल के गोल की बदौलत इंडोनेशिया को 1-0 से हराया। इस जीत के साथ इराक अंक तालिका में सऊदी अरब की बराबरी पर आ गया है। दोनों टीमों का अगला मुकाबला मंगलवार को होगा, जो ग्रुप शीर्ष और सीधे क्वालीफिकेशन की दौड़ तय करेगा। अगर इराक सऊदी अरब को हरा देता है, तो वह 1986 के बाद पहली बार विश्व कप में जगह बनाएगा।

दिल्ली हाफ मैराथन का यह 20वां सत्र, मटाटा और रेंगरुक बने चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी। कीनिया के लंबी दूरी के धावक एलेक्स मटाटा और लिलियन कासैट रेंगरुक ने रविवार को वेदांत दिल्ली हाफ मैराथन में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग की एलीट दौड़ जीतीं। पिछले साल यहां दूसरे स्थान पर रहे मटाटा ने रविवार को 59 मिनट 50 सेकंड का समय निकालकर बोयेलिन टेशागर (एक घंटा 22 सेकंड) और जेम्स किपकोगी (एक घंटा 25 सेकंड) को पछाड़ा। रेंगरुक ने एक घंटे सात मिनट 20 सेकंड का समय निकालकर महिला वर्ग का खिताब जीता। इथियोपिया की जोड़ी मेलाल सियूम बिरातु (एक घंटा सात मिनट 21 सेकंड) और मुलत टेकले (एक घंटा सात मिनट 29 सेकंड) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। अभिषेक पाल और सीमा भारतीय पुरुष और महिला वर्ग में सबसे तेज धावक रहे। उन्होंने क्रमशः एक घंटे चार मिनट 17 सेकंड और एक घंटे 11 मिनट 23 सेकंड का समय लिया। दिल्ली हाफ मैराथन का यह 20वां सत्र है, जिसे यहां के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से हरी झंडी दिखाई गई थी। इसकी कुल पुरस्कार राशि 260,000 डॉलर है।

एशेज से पहले भारत के खिलाफ खेलने का यह सही समय है: मिशेल मार्श

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिशेल मार्श का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एशेज सीरीज से पहले भारत के खिलाफ खेलना उनकी टीम के लिए आदर्श और समयोचित चुनौती साबित होगा। उन्होंने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच न सिर्फ गहरी प्रतिद्वंद्विता है बल्कि पारस्परिक सम्मान भी उतना ही मजबूत है।

भारत के खिलाफ खेलना हमेशा शानदार अनुभव होता है

मिशेल मार्श ने कहा, हमारे सभी खिलाड़ी एशेज की तैयारी में जुटे होंगे, लेकिन सभी को भारत के खिलाफ खेलना पसंद है। एक टीम के तौर पर हमारे बीच शानदार प्रतिद्वंद्विता है और हम उनका बहुत सम्मान करते हैं। मुझे लगता है कि एशेज सीरीज़ से पहले भारत के खिलाफ खेलना बिल्कुल सही समय है। यह बहुत बड़ी होने वाली है।

विश्व कप के बाद वापसी की तैयारी में ऑस्ट्रेलिया

मार्श ने कहा कि उनकी टीम कैरेबियन और अमेरिका में हुए निराशाजनक टी20 विश्व कप प्रदर्शन से उबरने के लिए पूरी

तरह तैयार है। आने वाले तीन हफ्तों में ऑस्ट्रेलिया, भारत के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज़ के ज़रिए अपनी लय और संयोजन दुरुस्त करना चाहेगा।

भारत–ऑस्ट्रेलिया की प्रतिद्वंद्विता ने फिर बढ़ाया रोमांच

पिछले साल की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी ने यह साबित किया था कि दोनों टीमों के बीच का मुकाबला कितना तीव्र और दर्शनीय हो चुका है। मार्श ने कहा कि भारत के खिलाफ हर मैच एक बड़ी परीक्षा होती है, और यही हमें एशेज जैसी बड़ी सीरीज़ से पहले मानसिक रूप से मजबूत बनाता है।

एमसीजी मैच के टिकट हुए हाउसफुल

दिलचस्प बात यह है कि 31 अक्टूबर को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में खेले जाने वाले भारत-ऑस्ट्रेलिया टी20 मैच के लिए टिकट दो सप्ताह पहले ही पूरी तरह बिक चुके हैं, जो इस मुकाबले के प्रति प्रशंसकों के उत्साह को दर्शाता है।

भारत दौरे का पूरा शेड्यूल

वनडे सीरीज

- पहला मैच – 19 अक्टूबर, पर्थ
- दूसरा मैच – 23 अक्टूबर, एडिलेड ओवल
- तीसरा मैच – 25 अक्टूबर, सिडनी क्रिकेट ग्राउंड

टी20आई सीरीज

- 29 अक्टूबर- कैनबरा (मनुका ओवल)
- 31 अक्टूबर- मेलबर्न
- 2 नवंबर- होबार्ट (बेलेरिव ओवल)
- 6 नवंबर- गोल्ड कोस्ट स्टेडियम
- 8 नवंबर- ब्रिस्बेन (गाबा)

भारत की टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलन

भारत की कप्तानी वनडे में शुभमन गिल करेंगे, जबकि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी टीम में शामिल हैं। वहीं सूर्यकुमार यादव टी20 टीम के कप्तान होंगे और इस दौरे पर अपनी आक्रामक कप्तानी से नई छाप छोड़ने की कोशिश करेंगे।

टाइगर वुड्स ने गतिशीलता में कमी के बाद डिस्क रिप्लेसमेंट सर्जरी करवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। 15 बार के मेजर चैंपियन टाइगर वुड्स ने बताया है कि दर्द और गतिशीलता में कमी के बाद उन्होंने लम्बर डिस्क रिप्लेसमेंट सर्जरी करवाई है। यह सर्जरी न्यूयॉर्क के हॉस्पिटल फॉर स्पेशल सर्जरी के डॉ. शीराज कुरैशी और उनकी टीम द्वारा की गई और सफल रही। वुड्स ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक बयान में कहा, पीठ में दर्द और गतिशीलता में कमी के बाद मैंने डॉक्टरों और सर्जनों से जांच करवाने के लिए सलाह ली। स्कैन से पता चला कि मेरी ख4/5 डिस्क में कोलैप्स हो गया है, डिस्क के टुकड़े हो गए हैं और स्पाइनल कैनाल क्षतिग्रस्त हो गई है। मैंने कल अपनी डिस्क रिप्लेसमेंट करवाने का फैसला किया और मुझे पहले से ही पता है कि मैंने अपने स्वास्थ्य और पीठ के लिए एक सही फैसला लिया है।

वुड्स के लिए एक साल से भी कम समय में यह दूसरी पीठ की सर्जरी है जिन्होंने सितंबर 2024 में अपनी पीठ के निचले हिस्से में तंत्रिका दबाव को कम करने के लिए अपनी लम्बर स्पाइन पर माइक्रोडिकंप्रेशन सर्जरी करवाई थी। वह प्रक्रिया भी कुरैशी ने ही की थी, लेकिन फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच स्थित उनके शल्य चिकित्सा केंद्र पर। मार्च में इस अमेरिकी दिग्गज खिलाड़ी के बाएं अकिलीज टेंडन में चोट लग गई थी

वनडे टीम से बाहर होने पर रवींद्र जडेजा ने तोड़ी चुप्पी, कहा- 2027 वर्ल्ड कप जीतना मेरा सपना है...

नई दिल्ली, एजेंसी। 19 अक्टूबर से शुरू हो रहे ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय क्रिकेट टीम को तीन ओडीआई और पांच टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेलने हैं. इस दौरे पर भारत की वनडे टीम बदली-बदली नजर आएगी. शुभमन गिल को रोहित शर्मा की जगह वनडे टीम का नया कप्तान बनाया गया है. चयनकर्ताओं ने बड़ा फैसला लेते हुए बाएं हाथ के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को भी वनडे स्क्वॉड से बाहर कर दिया, जो आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम का हिस्सा थे. रोहित शर्मा और विराट कोहली को वनडे टीम में जगह दी गई है, लेकिन रवींद्र जडेजा जैसे अनुभवी ऑलराउंडर का नाम न होना चौंकाने वाला है. जडेजा फरवरी 2009 से भारत के लिए वनडे क्रिकेट खेलते आ रहे हैं और उन्हें मौजूदा दौर के बेहतरीन ऑलराउंडर्स में गिना जाता है. वनडे टीम से बाहर होने पर रवींद्र जडेजा ने पहली बार प्रतिक्रिया दी है. जडेजा ने साफ कहा कि 2027 वर्ल्ड कप में खेलना उनका लक्ष्य है और वे आगे भी कड़ी मेहनत करते रहेंगे. रवींद्र जडेजा ने कहा प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं जरूर खेलना चाहता हूं. हर खिलाड़ी का सपना होता है कि वो वर्ल्ड कप जीते. 2023 में हम बहुत करीब थे, लेकिन खिताब जीतने से रह गए. टीम मैनेजमेंट ने मुझे पहले ही बता दिया था कि इस सीरीज़ के लिए मुझे नहीं चुना जा रहा है. कप्तान शुभमन गिल, कोच और चयनकर्ताओं ने मुझसे बात की और वजह समझाई. यह बात मुझे स्क्वॉड अनाउंसमेंट से पहले ही पता चल गई थी. रवींद्र जडेजा ने आगे कहा, जब भी मौका मिलेगा, मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगा. अभी काफी सारे वनडे मैच बाकी हैं. उम्मीद है कि मुझे मौका मिलेगा और मैं अपने खेल से टीम के लिए योगदान दे सकूंगा, जैसे अब तक देता आया हूं. जडेजा वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं. अहमदाबाद टेस्ट में जडेजा ने शतकीय पारी खेली थी और वो प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए थे.

डब्ल्यूडब्ल्यूई रिंग में रोमन रेंस बन गए क्रिकेटर, कोहली के स्टाइल में लगाया शॉट डब्ल्यूडब्ल्यूई

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट में फैन्स को दिलचस्प नजारा देखने को मिला है. सुपरस्टार रोमन रेंस ने विपक्षी रेसलर के खिलाफ क्रिकेट बैट का प्रयोग किया. रेंस ने ब्रॉनसन रीड पर बल्ले से जोरदार प्रहार करते हुए उन्हें रिंग से बाहर फेंक दिया. यह वाकया पर्थ में आयोजित डब्ल्यूडब्ल्यूई क्राउन ज्वेल चैम्पियनशिप 2025 में हुआ. रोमन रेंस के इस मूव को देखकर दर्शक हैरान रह गए. इस मूव ने कुछ फैन्स को विराट कोहली की याद दिला दी है. रेंस ने विराट कोहली की तरह ऐसे बल्ला चलाया, मानो वो गेंद पर कड़ा प्रहार करने जा रहे हों. रोमन रेंस का एग्रेसन और परफॉर्मेंस स्टाइल कोहली की तरह दिखा. कोहली मैदान पर अपने एग्रेसन और फाइटिंग स्पिरिट के लिए जाने जाते हैं. कुछ हफ्ते पहले ऑस्ट्रेलियाई स्ट्रीट फाइट में रोमन रेंस को रीड से हार का सामना करना पड़ा था.

गोवा में होगा 17 करोड़ रुपए की इनामी राशि का अंतरराष्ट्रीय महायुद्ध

गोवा, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय शतरंज फेडरेशन ने वर्ल्ड शतरंज कप 2025 के पहले राउंड के मुकाबलों की सूची जारी कर दी हैं। 17 करोड़ रुपए की इनामी राशि की यह अंतरराष्टीय प्रतियोगिता इतिहास में पहली बार 30 अक्टूबर से 27 नवंबर 2025 तक भारत के गोवा में आयोजित की जाएगी। पेरिस इंटरनेशनल ओलम्पिक से शतरंज एशिया महाद्वीप के महासचिव ब्रह्मचारी कुलदीप शतरंज ने बताया कि संसार के 70 से अधिक देशों से कुल 206 खिलाड़ी इसमें हिस्सा लेंगे, 50 शीर्ष वरीय खिलाड़ी सीधे दूसरे राउंड से शुरुआत करेंगे। बाकी 156 खिलाड़ी पहले राउंड में अपने स्थान के लिए संघर्ष करेंगे। भारत के अधिकतर शीर्ष खिला?ी दूसरे राउंड से मुकाबला खेलेंगे। भारतीय ओलम्पिक संघ आईओए से मान्यता प्राप्त महाभारत के भीष्म पितामह शक्तिमान मुकेश खन्ना के

नेतृत्व वाली भारत सरकार से एकमात्र आयकर छुट प्राप्त हरियाणा शतरंज एसोसिएशन एचसीए के प्रदेश महासचिव ब्रहमचारी कुलदीप शतरंज ने बताया कि यह इंटरनेशनल टूर्नामेंट न केवल 20 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 17 करोड़ रुपये) की इनामी राशि के लिए खेला जाएगा, बल्कि इसके शीर्ष तीन विजेताओं को 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए सीधी जगह भी मिलेगी। मेजबान देश के तौर पर भारत को दो अतिरिक्त स्थान मिले हैं, जिन्हें प्रणव वेंकटेश और रौनक साधवानी को दिया गया है। दोनों की मौजूदा रेटिंग 2641 है। प्रणव 2025 विश्व जूनियर चैंपियन है जबकि रौनक भारत के सबसे युवा ग्रांडमास्टर्स में से एक है, जिन्होंने 2024 लंदन चेस मास्टर्स जीता था। इन दोनों खिलाड़ियों के जुड़ने से भारतीय चुनौती और भी मजबूत हो गई है। विश्व चैम्पियन डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानानंधा, अरुण एरिगैसी, विदित गुजराती, पेंटाला हरिकृष्णा, निहाल सरीन और कई अन्य भारतीय शीर्ष खिलाड़ी पहले ही सूची में हैं। महिला विश्व कप विजेता ग्रांडमास्टर दिव्या देशमुख को भी फीडे ने एक विशेष वाइल्डकार्ड के रूप में शामिल किया है।

भारत में ऐतिहासिक आयोजनः पेरिस इंटरनेशनल ओलम्पिक से शतरंज एशिया महाद्वीप के महासचिव ब्रह्मचारी कुलदीप शतरंज ने बताया कि ऐसा इतिहास में पहली बार होगा जब विश्व कप प्रतियोगिता भारत की धरती पर खेली जाएगी। भारत के अधिकतर शीर्ष खिलाड़ी दूसरे राउंड से मुकाबला खेलेंगे जबकि पहले राउंड में राजा ऋत्विक कजाकिस्तान के नोगेरबेक कायबेक से, हर्षवर्धन जीबी तुर्की के यिलमाज मुस्तफा से, एसएल नारायनन पेरु के रोजस सालस स्टीवन से, प्रणव वी अल्जीरिया के आला एडिने से, इनियन पी क्यूबा के डाइलन ईसीडरों से, ललित बाबू नीदरलैंड के मैक्स वरमरदम से, दीप्तयन घोष चीन के पेंग क्षिओंगीयन से, कार्तिक वेंकटरामन कोलंबिया के रोबेर्टो पांतोजा से, रौनक साधवानी साउथ अफ्रीका के बररिश डेनियल से, नीलाश सहा उरुग्वे के मेरर जॉर्ज से, सूर्या शेखर गांगुली अजरबैजान के अहमद अहमदजादा से खेलेंगे और दिव्या देशमुख ग्रीस के अर्डितीस स्तमटिस से मुकाबला खेलेंगी।

दे दे प्यार दे 2 की रिलीज डेट हुई फाइनल

रकुल प्रीत सिंह ने सोशल मीडिया पर की घोषणा

फिल्म दे दे प्यार दे ने साल 2019 में लोगों के दिलों में खास जगह बनाई थी। यह एक ऐसी कहानी थी जिसमें उम्र के फासले और प्यार की ताकत को खूबसूरती से दिखाया गया था। अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह की जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया। वहीं तब्बू ने भी अपनी भूमिका से फिल्म में चार चांद लगाए। अब, इस लोकप्रिय फिल्म का दूसरा पार्ट, यानी दे दे प्यार दे 2, जल्दी ही बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाला है। इस फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा खुद रकुल प्रीत सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए किया। रकुल प्रीत सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास मोशन पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा, प्यार का सीक्वल है क्रूशियल। क्या आशीष को मिलेगा आयशा के पेरेंट्स का अप्रूवल? दे दे प्यार दे 2 सिनेमाघरों में 14 नवंबर को रिलीज होगी। यह फिल्म दे दे प्यार दे का सीक्वल है और इसमें दिखाया जाएगा कि आशीष, जो कि अजय देवगन के किरदार का नाम है, कैसे आयशा के माता-पिता को अपने रिश्ते के लिए मनाने की कोशिश करता है। फिल्म की रिलीज डेट सामने आने पर फैंस में फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। लोग बेसब्री से फिल्म का इंतजार कर रहे हैं और जानने के लिए उत्साहित हैं कि इस बार फिल्म में कौन-कौन से नए चेहरे होंगे और कहानी में क्या नया ट्विस्ट देखने को मिलेगा। बता दें कि दे दे प्यार दे 2 में तब्बू नजर नहीं आएंगी, जिन्होंने पहली फिल्म में अहम किरदार निभाया था। हालांकि, फिल्म में कई नए कलाकार जुड़ गए हैं। आर माधवन, गौतमी कपूर, मीजान जाफरी, जावेद जाफरी, और इशिता दत्ता जैसे कलाकार इस बार फिल्म का हिस्सा हैं। खासतौर पर आर माधवन की एंट्री फैंस के लिए खुशी की बात है क्योंकि वह आयशा के पिता का रोल निभाते नजर आएंगे। फिल्म के निर्माता भूषण कुमार, लव रंजन और अंकुर गर्ग इस बार भी फिल्म को लेकर काफी उम्मीदें लगाए हुए हैं। उन्होंने बताया है कि दे दे प्यार दे 2 को ऐसा बनाया गया है जो न केवल पहली फिल्म का मजा दुगना कर देगा बल्कि एक नए और आधुनिक तरीके से प्यार, रिश्तों और परिवार की जटिलताओं को दिखाएगा।

दुआ की मम्मी

दीपिका पादुकोण को मिला बड़ा सम्मान, बनीं देश की पहली मेंटल हेल्थ एम्बेसडर

दीपिका पादुकोण एक बार फिर सुर्खियों में हैं, इस बार वजह उनकी कोई फिल्म नहीं बल्कि उन्हें भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से देश की पहली मेंटल हेल्थ एम्बेसडर बनाया गया है. बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वो सिर्फ रील लाइफ की ही नहीं, बल्कि रियल लाइफ की भी हीरोइन हैं. एक्ट्रेस को भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से देश की पहली मेंटल हेल्थ एम्बेसडर बनाया गया है. यह उपलब्धि सिर्फ दीपिका के लिए नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के लिए बड़ी प्रेरणा है जो मानसिक स्वास्थ्य को लेकर खुलकर बात करने से डरते हैं.

मानसिक स्वास्थ्य के लिए दीपिका का बड़ा कदम

दीपिका ने सालों पहले डिप्रेशन से जूझने के अपने एक्सपीरियंस को खुले तौर पर साझा किया था. उस दर्द से गुजरने का दर्द वो समझती है, इसलिए उन्होंने The Live Love Laugh Foundation संस्था की शुरुआत की थी, जिसे अब 10 साल पूरे हो चुके है. जिसके बाद अब दीपिका भारत सरकार की बतौर मेंटल हेल्थ एम्बेसडर बन गई हैं, जो मंत्रालय के साथ मिलकर पूरे देश में मेंटल हेल्थ को लेकर जागरूकता फैलाएंगी. इसके तहत लोगों को मदद लेने के लिए इंस्पायर करना, Tele-MANAS जैसी गवर्मेंट सर्विसेस को बढ़ावा देना और मेंटल इलनेस जैसी गलतफहमियों को दूर करना शामिल है.

दीपिका पादुकोण ने कही दिल छू लेने वाली बात

दीपिका ने इस जिम्मेदारी को लेकर कहा, भारत सरकार के लिए पहली मानसिक स्वास्थ्य एम्बेसडर बनना गर्व की बात है, मुझे यह बहुत बड़ा सम्मान मिला है. देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मेंटल हेल्थ को प्रयोरिटी दी जा रही है, और मैं इस बदलाव का हिस्सा बनकर बेहद खुश महसूस कर रही हूं.

पत्नी की उपलब्धि पर पति रणवीर सिंह का रिएक्शन

दीपिका पादुकोण को मिले इस सम्मान से गद-गद नजर आए पति रणवीर सिंह उन्होंने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर करते हुए, लिखा- तुम पर गर्व है.

प्रोड्यूसर बनकर ओटीटी डेब्यू करेंगे ऋतिक

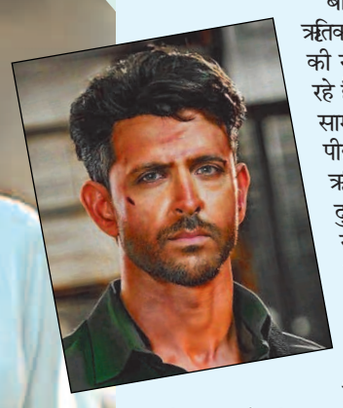

प्राइम वीडियो के साथ मिलकर बनाएंगे स्ट्रॉम

बॉलीवुड के हैंडसम स्टार ऋतिक रोशन अब अपने करियर की नई राह पर कदम रखने जा रहे हैं। इस बार वो कैमरे के सामने नहीं, बल्कि कैमरे के पीछे नजर आएंगे। जी हां, ऋतिक रोशन अब ओटीटी की दुनिया में बतौर निर्माता अपनी नई पारी शुरू करने जा रहे हैं। प्राइम वीडियो के साथ मिलकर वो एक रोमांचक एक्शन-थ्रिलर वेब सीरीज 'स्टॉर्म' लेकर आ रहे हैं, जिसमें दमदार महिला किरदार और दिलचस्प कहानी दर्शकों को बांधे रखने वाली है।

अपने ही घर में सुरक्षित महसूस नहीं कर रहीं संगीता बिजलानी

65 साल की हसीना और कभी सलमान खान संग रिश्ते को लेकर फेमस होने वाली अदाकारा संगीता बिजलानी भले ही पर्दे से दूर हैं, लेकिन अपनी ग्लैमरस अदाओं से सुर्खियों बटोरती रहती हैं। संगीता बिजलानी को भी खान परिवार के हर फंक्शन में देखा जाता है, लेकिन अब एक्ट्रेस के अपने फार्महाउस पर हुई चोरी पर खुलकर बात है। उन्होंने बताया कि वो बहुत अनसेफ महसूस कर रही हैं। अभिनेत्री संगीता बिजलानी को शनिवार को पुणे में एक पुरस्कार समारोह में देखा गया, जहां उन्होंने महिला सुरक्षा, बढ़ती चोरी की वारदात और क्या सेफ्टी फीचर्स होने चाहिए जैसे मुद्दों को लेकर अपनी राय रखी।

संगीता बिजलानी ने उनके फार्महाउस पर हुई चोरी पर बात करते हुए कहा, मैंने पुणे के एसपी संदीप सिंह गिल से मुलाकात की है। मैं उनसे मिलने ख़ास तौर पर पुणे आई थी ताकि उनसे मिलकर जल्दी से जांच का अनुरोध कर सकूं, क्योंकि मेरे घर पर चोरी हुई है। एक महिला होने के नाते मैं अपने ही घर में अनसेफ महसूस कर रही हूं। वहां मैं 20 साल से रह रही हूं, वो मेरा घर है। ऐसा पहली बार हुआ है जब मैं असुरक्षित महसूस कर रही हूं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, ये सब सिर्फ मेरे नहीं बल्कि पावना के सभी लोगों के लिए है। वहां के सभी लोग अपने बच्चों और माता-पिता के साथ रहते हैं, ऐसे में उस जगह का सुरक्षित होना बहुत जरूरी है। सेफ्टी को लेकर संगीता बिजलानी ने कहा कि अधिकारियों को वहां सीसीटीवी कैमरे लगाने चाहिए, क्योंकि वहां का कुछ एरिया काफी डार्क है। वहां सभी लोग छुट्टियों के समय जाते हैं, पुलिस को रोजाना वहां पेट्रोलिंग करनी चाहिए और माहौल को खराब करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी करनी चाहिए। इन्हीं बातों को लेकर मैं आज एसपी संदीप सिंह गिल से मिलने के लिए आई हूं। उन्होंने बताया कि फार्महाउस के आसपास के एरिया में फायर ब्रिगेड का ऑफिस भी नहीं है। फार्महाउस तक पहुंचने के लिए फायर ब्रिगेड को 3 से 4 घंटे लगे थे।

बाबिल खान ने सोशल मीडिया पर बयां किया दिल का दर्द, तस्वीरों के साथ शेयर की भावनाएं

मशहूर अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान ने शनिवार को सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कर अपने दिल की बातें लोगों के सामने व्यक्त की। बाबिल खान ने अपने इस पोस्ट में मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संघर्ष और जीवन की चुनौतियों का जिक्र किया। बाबिल ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनके साथ उन्होंने कैप्शन दिया, मैंने चुपके से कोई बात नहीं सुनी, यह कांच का घर पतली दीवारों वाला है। मैंने अपने दिल को बाजू पर रखा, अब मेरी टी-शर्ट खून से सनी है। मुझे ठीक होने के लिए समय चाहिए था, मेरे डर ने मुझे गहरे घाव दिए। अनिद्रा और घबराहट ने मुझे अजीब बातें कबूल करवाईं। मैं मदद के लिए चिल्ला रहा था, अपनी भावनाओं को दबा नहीं पाया। मेरे स्वास्थ्य पर भारी बोझ पड़ा, मेरी आत्मा दबाव से थक गई थी। तुम अपनी प्रेमिका से लड़ रहे थे, जबकि मैं अपनी उदासी से जूझ रहा था... रुको... इस कैप्शन में बाबिल ने अपनी भावनात्मक और मानसिक स्थिति को खुलकर बयां किया। अभिनेता की ये पोस्ट प्रशंसकों के दिल को छू गई। कई यूजर्स उनके कमेंट सेक्शन पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

बाबिल के करियर पर नजर डालें, तो उन्होंने करियर की शुरुआत पिता इरफान खान की फिल्म करीब-करीब सिंगल से बतौर कैमरा असिस्टेंट की थी। इसके बाद उन्होंने 2022 में नेटफ्लिक्स की फिल्म कला से अभिनय की दुनिया में कदम रखा, जिसके बाद उनकी एक्टिंग को दर्शकों ने खूब सराहा था। साल 2023 में वह वेब सीरीज द रेलवे मेन में नजर आए थे, जिसमें उनके अभिनय ने एक बार फिर सबका ध्यान खींचा।

अब प्यार से डर लगता है, कई बार नींद नहीं आती...

छोटे पर्दे पर पिछले 12-13 साल से एक्टिव रहे शीजान खान की जिंदगी में उस वक्त तूफान आ गया था, जब उन्हें तीन साल पहले को-स्टार तुनिषा शर्मा के सुसाइड केस में जेल जाना पड़ा। हालांकि, जेल से बाइज्जत बरी होने के बाद शीजान ने अपनी दूसरी पारी शुरू की। जेल में 70 दिन बिताने के बाद जब शीजान वापस घर लौटे, तो यकीनन उनकी जिंदगी अब आसान नहीं थी। खास बातचीत में शीजान ने अपने करियर और निजी जिंदगी, दोनों पर खुलकर बात की है। वह कहते हैं कि आज भी उन्हें कई बार नींद नहीं आती। तुनिषा के जाने के बाद दिल और दिमाग पर ऐसा असर पड़ा है कि अब प्यार से डर लगता है। शीजान अब टीवी पर गुम है किसी के प्यार में के बाद नए शो गंगा माई की बेटियां में सिद्धू के किरदार में चर्चा बटोर रहे हैं। अपने नए शो के बारे में वह कहते है, हमारे इस शो में जेंडर डिस्क्रिमिनेशन का मुद्दा उठाया गया है। ये मैंने अपने आस-पास भी देखा है कि कैसे बेटे की चाहत में औरत पर लगातार बच्चे पैदा करने का दबाव डाला जाता है। ये कोई नहीं सोचता कि उस मां का क्या हाल होता होगा? बेटे के चक्कर में जो पूरी फौज इकट्ठा कर दी जाती है, यह सोच मुझे बहुत अखरती है।

बेटियां पराया धन होती हैं, इस बात से चिढ़ है: शीजान को समाज में लड़की और लड़के के बीच किए जाने वाले भेदभाव पर कड़ा ऐतराज है। वह कहते हैं, मुझे सबसे ज्यादा बुरा तब लगता है, जब बेटियों को कहा जाता है, ये तो पराया धन हैं। मैंने खुद अपनी बहनों को कहा है कि ये तुम्हारा घर है। कल को शादी होने के बाद तुम्हें अपने घर में किसी भी तरह की कोई दिक्कत लगे, तो सीधे घर आ जाना। ये घर उसका ही है। मैं खुद महिलाओं के बीच पला-बढ़ा हूं। मेरी परवरिश मेरी मां और बहनों ने की है, तो मेरा फेमिनिन साइड मेरे मैस्कुलिन साइड से ज्यादा स्ट्रॉन्ग है। मैं अपने उस पहलू पर गर्व करता हूं। मेरा यही पक्ष मुझसे दूसरों से अलग भी बनाता है कि कम से कम मैं दूसरों का साइड समझने की कोशिश करता हूं।

जेल में रहने के दौरान मां और बहन बनीं सबसे बड़ा सहारा

अली बाबा- दास्तान-ए-काबुल से लोकप्रिय हुए शीजान खान, इसी शो में अपनी को-स्टार तुनिषा शर्मा के सुसाइड, और जेल जाने के उस दौर को याद करते हुए कहते हैं, मेरी जिंदगी का सबसे मुश्किल दौर तो वही था। मैं सोचता था कि खुद को संभालू कैसे? क्योंकि तूफान तो गुजर गया और बर्बाद करके गया, मगर उसके बाद का समय बहुत चैलेंजिंग था। मेरी सच्चाई और मेरा जज्बात खुदा जानता है और बहुत जल्द ये दुनिया भी जान जाएगी। उस मुश्किल समय में मेरा खुदा, मेरी मां और बहनें ही मेरा सबसे बड़ा सहारा थीं।

मेरी मां की दुआ काम आईः

अपनी दूसरी पारी के बारे में शीजान कहते हैं, हमारी इंडस्ट्री बहुत छोटी-सी है। मैं यहां 12-13 साल से काम कर रहा हूं, तो लोग मुझे बहुत अच्छे से जानते हैं। उनको मुझ पर भरोसा था, मेरे घर वालों को मुझ पर भरोसा था। मैं भी जानता था कि मैं टूट चुका हूं, मगर बिखरूंगा नहीं। मेरी मां की दुआ थी, जो मुझे जेल से आने के बाद दूसरा मौका मिला। लोगों को तो वो भी नहीं मिलता। मुझे जो भी काम मिला है, मैं करता चला गया।

आकांक्षा पुरी का नया गाना जन्नतां नसीब रिलीज

अभिनेत्री आकांक्षा पुरी इन दिनों अपनी फिल्मों और गानों को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। गुरुवार को उनका नया गाना जन्नतां नसीब रिलीज हो गया है। आकांक्षा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर गाने का एक क्लिप शेयर किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, ÷इंतजार खत्म हुआ! जन्नतां नसीब अब आ गया है! आवाज बढ़ाओ और बीट्स का मजा लो।÷ उनके इस पोस्ट को फैंस ने खूब पसंद किया और कमेंट्स में तारीफों भरी प्रतिक्रियाएं दीं। जन्नतां नसीब को मशहूर सिंगर रुपाली जग्गा ने अपनी मधुर आवाज में गाया है। गाने के बोल मशहूर गीतकार नूर ने लिखे हैं और म्यूजिक अनमोल डेनियल ने दिया है, जबकि म्यूजिक प्रोडक्शन का जिम्मा अनमोल डेनियल और मैग ने संभाला है। इस जोड़ी ने गाने को एक ताजगी भरा अंदाज दिया है, जो सुनने वालों को झूमने पर मजबूर कर देता है। गाने में आकांक्षा पुरी के शानदार डांस मूव्स और ग्लैमरस लुक ने गाने को और भी आकर्षक बना दिया है। वीडियो में उनके डांस स्टेप्स फैंस को दीवाना बना रहे हैं। अभिनेत्री आकांक्षा पुरी ने 2015 में मधुर भंडारकर की फिल्म कैलेंडर गर्ल्स से बॉलीवुड में कदम रखा और 2017 में विघ्नहर्ता गणेश टीवी शो में देवी पार्वती का किरदार

साभार एजेंसी